शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

1 अगस्त को राज्य के सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने करेंगे...@ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | बुधवार, 23 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-202

जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर, पीएम मोदी ने कर दिया बाई-बाई

लोकतंत्र का दम घुटने की सनद है धनखड़ का इस्तीफा

देश के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे से केंद्र सरकार कठघरे में आ गई है। स्पष्ट है कि धनखड़ का इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से नहीं हुआ है। इस्तीफे के अंदरूनी कारण इतने गहरे हैं कि उसे दबा कर रखने में ही सरकार का हित और हिफाजत दोनों है। अब लोगों को राजनीति से रत्ती भर भी नीति और नैतिकता, चाल और चरित्र की अपेक्षा रखना बंद कर देना होगा। ये शब्दावलियां केवल आम लोगों के अनुपालन और नेताओं के भाषण के लिए रह गई हैं। धनखड़ के इस्तीफे को लेकर मानसून सत्र के दूसरे दिन भी दोनों सदनों में हंगामा चलता रहा। विपक्ष इस मसले पर सरकार से जवाब मांग रहा है तो सत्ता पक्ष संदेहास्पद चुप्पी साधे बैठा है। संसदीय गतिविधियों के विशेषज्ञ मानते हैं कि सोमवार को जब राज्यसभा के अंदर सभापति धनखड़ की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बिल्कुल सभापति की शैली में विपक्षी नेताओं को हड़का रहे थे और निर्देश दे रहे थे कि केवल उनकी ही बातें रिकॉर्ड में रखी जाएंगी और विपक्षी नेताओं की बातें रिकॉर्ड में नहीं रखी जाएंगी, उसी समय समझ में आ रहा था कि सदन में आसीन सभापति के समानांतर एक भद्दी लाइन खींची जा रही है। नड्डा की इस बदतमीजी पर कोई हिसाब नहीं मांग सकता, क्योंकि वे सत्ता शीर्ष पर बैठे नेताओं के राग-दरबारी हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बिल्कुल सही कहा कि इस्तीफे का जो कारण बताया जा रहा है, वह असलियत नहीं है।

शुभ-लाभ चिंता

धनखड़ के इस्तीफे के पीछे घूसखोर जज यशवंत वर्मा को हटाने का राज्यसभा में लिए गए प्रस्ताव को भी प्रमुख कारण बताया जा रहा है। सत्ता शीर्ष पर बैठे नेताओं का दंभ इतना हावी है कि उन्हें राज्यसभा में लिया गया प्रस्ताव रास नहीं आया, इसलिए सभापति का फौरन इस्तीफा ले लिया। कहा गया कि सभापति जगदीप धनखड़ ने सरकार को राज्यसभा में जज वर्मा के खिलाफ लिए जाने वाले प्रस्ताव की कोई जानकारी नहीं दी थी। जगदीप धनखड़ ने अपने आसन से ऐलान कर दिया और तकनीकी तौर पर जज वर्मा को हटाने का प्रस्ताव राज्यसभा में आ गया, जबकि सरकार ने इसे लोकसभा में रखने की रणनीति बनाई थी और इसके लिए विपक्ष को भी भरोसे में लिया था। लोकसभा में लाए गए प्रस्ताव पर विपक्षी सांसदों के भी हस्ताक्षर लिए गए थे। उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ की घोषणा का सम्मान करने के बजाय निम्न सदन के नेता ने धनखड़ से इस्तीफा मांग लिया। शीर्ष सत्ता चौपाल में बताया गया कि धनखड़ ने सीमा लांघी है।

बहरहाल, जगदीप धनखड़ का इस्तीफा राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। मानवीयता और सिद्धांतों को ताक पर रखकर सियासत का नृशंस खेल चलता रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईश्वर से जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दे ही दीं, यानि उन्हें अलविदा कह ही दिया। धनखड़ ने पूरे अनुशासन और विनम्रता के साथ मौजूदा घटिया राजनीति के मुंह पर इस्तीफे का तमाचा जड़ा और चल दिए। कांग्रेस नेता नीरज डांगी ने कल ही कह दिया था कि जगदीप धनखड़ का इस्तीफा दबाव देकर लिया गया है। बिहार के सांसद पप्पू यादव ने कहा, इस्तीफे के पीछे गेम कुछ और ही है। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार की देर शाम राष्ट्रपति मुर्मू को अपना त्यागपत्र भेज दिया था। उनका इस्तीफा दो मंगलवार को स्वीकार किया गया, लेकिन उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल से उनकी प्रोफाइल कल शाम को आनन फानन में हटा ली गई थी। सरकार को धनखड़ का अस्तित्व भी अचानक इतना नागवार लगने लगा था। उपराष्ट्रपति के पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति का पद भी रिक्त हो गया है। अब मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जल्द ही कराया जाएगा। जेपी नड्डा भी उपराष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार हो सकते हैं।

राग-दरबारियों की जय सिद्धांतवादियों की क्षय

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को लेकर तमाम तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। विपक्ष इसे एक बड़ा राजनीतिक कदम मान रहा है और इस त्यागपत्र के अलग ही मायने निकाल रहा है। यहां भी सबसे ज्यादा चर्चा भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की हो रही है। पूरा विपक्ष इस समय जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद जेपी नड्डा को ही खलनायक बता रहा है।

पूरा विपक्ष धनखड़ के इस्तीफे को लेकर नड्डा को निशाने पर ले रहा है। यह विवाद सोमवार को शुरू हुए मानसून सत्र से जुड़ा है। राज्यसभा में जेपी नड्डा की विपक्षी सांसदों के साथ कहासुनी हुई थी। ▶10पर

पीएम मोदी का विदेश दौरा, आज ब्रिटेन जाएंगे फिर मालदीव

व्यापार, रक्षा और सुरक्षा पर होंगे अहम फैसले

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 जुलाई से 26 जुलाई तक विदेश दौरे पर रहेंगे। सबसे पहले पीएम मोदी 23 जुलाई को ब्रिटेन का दौरा करेंगे तो वहीं 25 जुलाई को मालदीव का दौरा करेंगे। इस दौरान अहम समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। वहीं पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा से पहले विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई सवालों के जवाब दिए। विक्रम मिस्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 23 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए आधिकारिक दौरे पर जा रहे हैं। पीएम मोदी किंग चार्ल्स से भी मुलाकात करेंगे।

पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के प्रसंग में भारत-ब्रिटेन व्यापारिक संबंधों को रेखांकित करते हुए भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत-ब्रिटेन का द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 से 55 अरब डॉलर को पार कर गया है। ब्रिटेन भारत में छठा सबसे बड़ा इन्वेस्टर है। ब्रिटेन ने भारत में 36 अरब डॉलर का निवेश कर रखा है। वहीं भारत ने भी ब्रिटेन में 20 अरब डॉलर का निवेश कर रखा है। इसके पहले दोनों देश फ्री ट्रेड डील को लेकर सहमत हुए थे। 6 मई को इसको लेकर पीएम मोदी और ब्रिटिश पीएम के बीच में फोन पर बातचीत हुई थी। ब्रिटेन के साथ भारत की कई महत्वपूर्ण मसलों पर वार्ता होनी है। विक्रम मिस्री ने खालिस्तानी उग्रवादियों को लेकर भी बड़ा बयान दिया है। यूनाइटेड किंगडम में खालिस्तानी उग्रवाद के मसले पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, खालिस्तानी उग्रवादियों और उनके करीबी लोगों की मौजूदगी का मुद्दा एक बार फिर ऐसा है जिसे हमने ब्रिटेन में अपने सहयोगियों के ध्यान में लाया है। हम ऐसा करते रहेंगे। यह न केवल हमारे लिए चिंता का विषय है, बल्कि यह हमारे सहयोगियों के लिए भी चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि इसका असर अन्य देशों में भी सामाजिक सामंजस्य और सामाजिक व्यवस्था पर पड़ता है।

भू-राजनीतिक दृष्टि से बहुत खास है मालदीव यात्रा

भगोड़ों को लेकर पूछे गए सवाल पर विक्रम मिस्री ने कहा, ब्रिटेन में भारतीय कानून और न्याय से भगोड़ों से संबंधित कुछ प्रश्न हैं। ये दोनों पक्षों के बीच चर्चा का विषय रहे हैं और हम इन भगोड़ों को भारत को सौंपने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। जाहिर है ऐसे अनुरोधों और ऐसे मुद्दों पर दूसरे देश में एक कानूनी प्रक्रिया होती है और हम इन मामलों पर ब्रिटेन में अपने सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

बिहार मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ विपक्ष का प्रदर्शन

फर्जी वोटर हटे तो तुष्टिकरण को खतरा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

बिहार में विधानसभा चुनाव होने के पहले राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में किए जा रहे संशोधन को लेकर विपक्षी नेताओं में मिर्ची लगी हुई है। जबकि यह साबित हो चुका है कि बिहार की मतदाता सूची में हजारों की संख्या में बांग्लादेश, रोहिंग्या और नेपाल से घुसे अवैध लोगों के नाम दर्ज हैं। इसके अलावा भारी तादाद में ऐसे भी लोगों के नाम हैं जिनकी अर्सा पहले मृत्यु हो चुकी है, लेकिन वे अब भी वोटर बने हुए हैं और उन लोगों के नाम पर फर्जी वोटिंग होती चली आ रही है। चुनाव आयोग के इन प्रयासों की सराहना करने के बजाय, कांग्रेस और उसके पिछलग्गू दल इसका विरोध कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बांग्लादेश और रोहिंग्या घुसपैठियों को मतदाता बनाने वाले यही नेता हैं। पूरे देश के सामने इनके चेहरे की असलियत खुल चुकी है, फिर भी वे विधायिका को अपना भड़ास-केंद्र बनाए हुए हैं।

संसद में मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण का विरोध किया। बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के जरिये वोट की चोरी की कोशिश की जा रही है। यह चुनाव की चोरी के जैसा है। इस दौरान सांसदों ने एसआईआर: भारतीय अधिकारों की चोरी और एसआईआर: भारतीय गणराज्य को नुकसान पहुंचाना लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, झामुमो समेत कई दलों के सांसदों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इससे पहले राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में इंडी गठबंधन के नेताओं की बैठक हुई।

वोटर लिस्ट में बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों के नाम

कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक के दौरान विपक्ष ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति पर जोर देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रंप के बयान, बिहार की एसआईआर प्रक्रिया, परिसीमन, दलितों, आदिवासियों, ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने क्यूआर कोड पर रोक लगाने से किया इन्कार

कांवड़ रूट पर होटलों को लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन दिखाना होगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

कांवड़ मार्ग पर भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले में उत्तर प्रदेश सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यूआर कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। ▶10पर

दिल्ली के बाद छत्तीसगढ़ और आंध्र का शराब घोटाला सुर्खियों में

पूरा सिस्टम ही बन गया है घोटाले का कारखाना

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली की तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा के गए भीषण आबकारी घोटाले ने पूरे देश में शराब घोटाले की श्रृंखला ही बना दी। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा किया गया शराब घोटाला अभी सुर्खियों में है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को पिछले दिनों प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार कर लिया। इसी तरह आंध्र प्रदेश में वाइए-सआरसीपी सरकार के समय हुए शराब घोटाले में पार्टी के सांसद मिधुन रेड्डी को भी ईडी ने गिरफ्तार किया। यह भी भेद खुला कि आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन रेड्डी को घोटाले के एवज में भारी रिश्वत मिल रही थी।

छत्तीसगढ़ का शराब व्यापार भारत के सबसे बड़े घोटालों में से एक बन गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार करने के बाद बड़े घोटाले का पर्दाफाश किया है। ईडी ने आरोप लगाया है कि 2019 से 2023 के बीच राज्य में शराब का पूरा व्यापार एक सरकारी जबरन वसूली रैकेट से कम नहीं था, जो नीतियों के आवरण में छिपा था और राजनीतिक ताकत से संचालित था। ईडी का दावा है कि इसके केंद्र में तत्कालीन मुख्यमंत्री का बेटा चैतन्य बघेल शामिल था, जो न केवल काले धन को रियल एस्टेट में लगा रहा था, बल्कि नकदी से संचालित प्रभाव का साम्राज्य बनाने के लिए भी सिस्टम को तार-तार कर रहा था। छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले पूरा एक सिंडिकेट शामिल था, जिसमें शामिल थे अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और अरुणपति त्रिपाठी जैसे कई लोग। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी और राज्य के पूर्व मुख्य सचिव विवेक ढांड के संरक्षण में यह सिंडिकेट काम कर रहा था। ईडी का कहना है कि चैतन्य बघेल का रियल एस्टेट प्रोजेक्ट, विट्ठल ग्रीन अवैध शराब की कमाई को साफ पूंजी में बदलने का जरिया था। बघेल की कंपनी को सहेली ज्वैलर्स नामक एक फर्जी फर्म से 5 करोड़ रुपए मिले, जिस पर घोटाले की आय को वैध बनाने का आरोप है। हालांकि इसे ऋण के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन कोई ब्याज नहीं दिया गया, और 4.5 करोड़ रुपए बकाया रह गए, जिससे पता चलता है कि यह लेन-देन दिखावा था। इतना ही नहीं, किताबों में केवल 7.14 करोड़ रुपए दिखाए जाने के बावजूद, निर्माण की वास्तविक लागत 13 से 15 करोड़ रुपए के बीच आंकी गई थी और उसमें से कम से कम 4.2 करोड़ रुपए कथित तौर पर ठेकेदारों को नकद भुगतान किए गए थे। 2020 में एक ही दिन में, शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लों के कर्मचारियों ने 19 फ्लैट खरीद लिए। ईडी का मानना है कि यह कदम पैसों के लेन-देन को छिपाने के लिए उठाया गया था। लेकिन शराब घोटाला सिर्फ छिपे हुए फ्लैटों और मनगढ़ंत किताबों की कहानी नहीं है। यह नौकरशाही की दादागिरी, पिछले दरवाजे से सौदेबाजी और व्यवस्थित गबन की एक गाथा है, ▶10पर

राज्यों का शराब घोटाला दिखा रहा लोकतंत्र का कुरूप चेहरा

इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल में कांग्रेस की अपील खारिज

कांग्रेस को 199.15 करोड़ के दान पर देना होगा टैक्स

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

कांग्रेस पार्टी को इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने 2017-18 के एक टैक्स छूट मामले में कांग्रेस पार्टी की अपील खारिज कर दी है। इस फैसले के बाद अब कांग्रेस को उस अवधि में मिले 199 करोड़ रुपए के दान पर टैक्स देना होगा। इस तरह इनकम टैक्स से बचने की कांग्रेस की कोशिश फेल हो गई।

कांग्रेस ने 2018-19 के पार्टी फंड पर 199 करोड़ रुपए की आयकर छूट के लिए दावा किया था लेकिन राहत नहीं मिली। ▶10पर

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आगाज

मंत्री शिवानंद पाटिल ने किया उद्घाटन

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की वार्षिक प्रदर्शनी दी इनर स्टोरी नामक इनरवियर ट्रेड शो का चौथा आयोजन मंगलवार से पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार सागर में प्रारंभ हुआ। टेसुति इटली द्वारा मुख्य रूप से प्रायोजित इस प्रदर्शनी के चौथे संस्करण का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक सरकार के कपड़ा मंत्री शिवानंद पाटिल ने किया। विशेष अतिथि के रूप में टेसुति इटली के संस्थापक और डायरेक्टर रमेश कोठारी और दपरे के जेडआरयूसीसीआई सदस्य महेन्द्र सिंघी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों

द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुई। अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन ने उप-स्थित अतिथियों का स्वागत किया।

उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि पिछले तीन ट्रेड फेयरों की तुलना में चौथे ट्रेड फेयर को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। यह इंडिया का सबसे बड़ा ट्रेड फेयर है, जिसमें मेक इन इंडिया पर अधिक ध्यान केंद्रीत किया गया है। इनरवियर उद्योग के जाने माने अधिकतर ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बाहर से आने वाले व्यापारियों के रहने खाने की व्यवस्था भी कार्यक्रम स्थल पर ही की गई है। पहले दिन से ही व्यापारियों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और आने वाले दो दिनों में भी हमे इससे बेहतर प्रतिक्रिया की उम्मीद है।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी में 5 से 6 हजार रिटेलरों के आने की उम्मीद है। मंत्री शिवानंद पाटिल ने इस आयोजन के लिए किया के सभी सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार किया को कर्नाटक और बेंगलूरु में हर संभवद मदद देने को तैयार है। अगर वे बेंगलूरु या राज्य के किसी भी हिस्से में उद्योग स्थापित करना चाहते हैं तो सरकार पूरी मदद करेगी।

सदस्यों द्वारा अगर कोई सुझाव दिया जाता है तो उसे भी सरकार समझेगी। उन्होंने कहा कि किया के सदस्यों द्वारा काफी मेहनत किया जा रहा है। एक दिन ऐसा आएगा कि पूरी दुनिया इस संस्था की सराहना करेगी। गारमेंट्स उद्योग को काफी बढावा मिल रहा है। बांग्लादेश की काफी उद्योग कर्नाटक आने की इच्छुक हैं। महेन्द्र सिंघी ने कहा कि मुझे लग रहा है कि पैलेस ग्राउंड में इस कार्यक्रम में पूरा भारत समाया हुआ है, क्योंकि भारत के दिग्गज लोग यहां मौजूद हैं।

इस आयोजन के लिए मैं किया के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए प्रदर्शनी की सफलता की कामना करता हूं।

इस मौके पर उपाध्यक्ष महावीर चंद मेहता, सचिव रविन्द्र बंबोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश एच जैन, संयुक्त सचिव शैंकी एम जैन, जिनेन्द्र कुमार, विनोद चौहान और आईपीपी रमेश चंद जैन के अलावा प्रदर्शनी समन्वयक राजेश चोपड़ा, गौरव शर्मा, महेन्द्र जैन, महीपाल टी. जैन, मूल सिंह राजपुरोहित, मनीष ए. जैन और मधुराम खादव समेत अन्य सदस्य मौजूद थे।

आशा की बूंद अभियान के अंतर्गत 2 सफल रक्तदान शिविर का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मायुम बेंगलूरु स्टार्स ने अपने मानव सेवा प्रयासों के तहत रक्तदान अभियान - आशा की बूंद को आगे बढ़ाते हुए होसा रोड स्थित महावीर रांचेस और बिलेकाहल्ली स्थित रांका कॉलोनी में रक्तदान शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। शाखा द्वारा इस वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 18 शिविर आयोजित किए जा चुके हैं और कुल 892 रक्त ईकाइयां दान हो चूँकि हैं। महावीर रांचेस में हुए शिविर में कुल 46 रक्त ईकाइयां एकत्रित हुई। रांका कॉलोनी में कुल 24 रक्त ईकाइयां एकत्रित हुई। स्थानीय निवासी अजय अग्रवाल और पीयूष कंदोई ने महावीर रांचेस में और विवेक अग्रवाल ने रांका कॉलोनी में पिछले 10 दिन से रक्तदान शिविर का अच्छा प्रचार किया एवं शिविर का सफल संचालन किया। इन शिविरों की सफलता में शाखा के कार्यकारिणी सदस्यों तथा सक्रिय स्वयंसेवकों की प्रेरणादायक भूमिका रही। शिविरों में राष्ट्रीय वित्त संयोजक नितेश टिबरेवाल, प्रांतीय सहायक सचिव मंडल क - श्याम जालान, निवर्तमान अध्यक्ष राहुल गोयनका और उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने पहुंच कर शिविर को सफल बनाया। प्रत्येक शिविर में गो-ग्रीन प्रकल्प के तहत पहली बार रक्तदान करने वाले दाताओं और नारायणा हृदयालय की टीम को एक पौधा भेंट कर पर्यावरण जागरूकता का संदेश भी दिया। शाखा अध्यक्ष आशीष फिटकरीवाला एवं रक्तदान संयोजक सौरभ रूंगटा ने शिविर प्रबंधकों पीयूष कंदोई, अजय अग्रवाल और विवेक अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट आयोजन के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया। शाखा संयोजक सौरभ रूंगटा ने नारायणा हृदयालय की टीम का भी आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। उन्होंने इन रक्तदान शिविरों की सफलता के पीछे कार्यकारिणी और शाखा सदस्यों के श्रम और नेकदिली को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी ऊर्जा और उत्साह के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

जैन विद्या प्रमाणपत्र वितरण एवं प्रेरणा समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन विद्या प्रमाणपत्र वितरण एवं प्रेरणा समारोह का आयोजन राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सानिध्य में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी जी द्वारा नवकार मंत्र के उच्चारण के साथ हुआ। कन्यामंडल द्वारा मंगला-चरण प्रस्तुत किया गया, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। साध्वी पुण्ययशाजी ने युवाओं को जैन विद्या से जुड़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जो युवा अभी तक ज्ञानशाला से नहीं जुड़ पाए हैं, उन्हें जैन विद्या के इस उत्कृष्ट उपक्रम का हिस्सा बनना चाहिए, ताकि वे संयम और जैन धर्म को गहराई से जान सकें। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और जैन विद्या की केंद्रीय व्यवस्थापिका एवं सह केंद्र व्यवस्थापकाओं के कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने समाज को इस परीक्षा से अधिकाधिक जोड़ने की प्रेरणा दी। इसके पश्चात जैन विद्या केंद्र की व्यवस्थापिका सीमा छाजेड़ ने जैन विद्या की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष जैन विद्या की परीक्षा 6 और 7 सितंबर 2025 में आयोजित की जाएगी। उन्होंने सभी से जैन विद्या के फॉर्म भरने का आग्रह किया। दक्षिण कर्नाटक प्रभारी कंचन छाजेड़ एवं महिला मंडल अध्यक्षा मंजु बोथरा ने भी जैन विद्या के महत्व पर प्रकाश डाला और उपस्थित जनसमूह को इससे जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर ऑल इंडिया रैंक प्राप्त करने वाली हिना कोठारी एवं विज्ञ उपाधि प्राप्त करने वाली पूर्वी सुराना का सम्मान किया गया। इसके साथ ही परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित किया गया। समारोह में कमल दूगड़, सरोज बैद, तेयुप अध्यक्ष विक्रम महेर, कमल पटावरी, अनिल सुराना एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम का सुंदर संचालन सीमा दक द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में संगीता डागा, शारदा बैद, आशा लोढ़ा का सहयोग रहा। आभार दीपिका देरासरीया ने व्यक्त किया। इस दौरान जैन विद्या परीक्षा के बैनर का भी अनावरण किया गया।

घड़ी का छठा घंटा देता है करुणा और विचार शुद्धि का संदेश: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को प्रातःकालीन धर्मसभा में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी उपासना ने विचारों की निगरानी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन की यह घड़ी बार-बार हमें इंगित करती है कि समय रहते इस अनमोल जीवन का सदुपयोग कर लेना चाहिए। घड़ी के छठे घंटे का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हमें छह काय जीवों के प्रति दया, करुणा और अभय का भाव रखने की प्रेरणा देता है। हमें चाहिए कि हम इन जीवों के प्रति जीवनदान और रक्षण का भाव रखें। जिसके अंतर्मन में करुणा है, उसके व्यवहार में समरसता और समन्वय स्वतः प्रकट होता है। उदाहरण देते हुए साध्वी ने बताया कि जैसे एक बीज उपजाऊ भूमि में ही अंकुरित होता है, उसी प्रकार दया का बीज उसी मन में अंकुरित होता है जिसमें संवेदना और करुणा हो। दया का दीप यदि अंतर्मन में प्रज्वलित हो गया, तो समझ लेना चाहिए कि छः काय जीवों के प्रति

सच्ची करुणा उत्पन्न हो चुकी है। उन्होंने कहा कि हम हर क्षण यह देखें कि हमारे विचार किस दिशा में जा रहे हैं।

जैसे विचार, वैसा आचार, जैसा आचार, वैसा व्यवहार, जैसा व्यवहार, वैसा ही वातावरण और आचरण हमारे जीवन में होगा। विचार ही जीवन की दिशा और दशा तय करते हैं। एक माचिस की तीली जैसे दूसरों को जलाने से पहले स्वयं जलती है, वैसे ही अशुभ विचार भी दूसरों को क्षति पहुँचाने से पहले स्वयं को नष्ट कर देते हैं।

उन्होंने चार प्रकार के व्यक्ति और उनके व्यवहार के बारे में बताते हुए कहा कि अपकारी पर अपकार करने वाला व्यक्ति जैसे को तैसा की भावना रखने वाला होता है।

उपकारी पर अपकार करने वाला भले व्यक्ति के साथ बुरा व्यवहार करने वाला, कृतघ्न कपटी होता है। उपकारी पर उपकार करने वाला सच्चा कृतज्ञ, गुरु व धर्म के प्रति समर्पित व्यक्ति कहलाता है। अपकारी पर उपकार करने वाला विरली आत्मा, जो क्षमा, करुणा और आत्मोन्नति का प्रतीक होता है। अंतिम श्रेणी का व्यक्ति ही वास्तव में आत्मिक दृष्टि से ऊँचा होता है, और वही समाज को सच्चा प्रकाश दे सकता है। अंत में उन्होंने कहा कि विचारों की पल पल निगरानी और हृदय में करुणा का विस्तार ही आध्यात्मिक जीवन का मूल है। साध्वी नंदिनी ने उपाध्याय केवलमुनि के जन्मोत्सव पर उनके गुण स्मरण करते हुए कहा कि वाणी के जादूगर उपाध्याय प्रवर केवलमुनि की वाणी में मधुरता, जीवन में सरलता और साधना में सजगता और व्यक्तित्व में आकर्षण था।

उन्होने 70 वर्षों तक जिनशासन की सेवा कर अपना जीवन समर्पित किया। उनकी रचनाये उनका साहित्य जैन समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर है। उन्होंने 100 से भी अधिक पुस्तकों की रचना की। केवलमुनि ने साहित्य के साथ शिक्षा और संस्कार को भी प्रोत्साहित किया। उनके आदर्श उनका ज्ञान सद्गुण हमारे जीवन में आए यही मंगलकामना करते हुए उनके चरणों में हार्दिक श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। श्वेता विशाल धारीवाल ने 14 उपवास और अनूप मेडतवाल ने 4 उपवास के पच्चखान लिए। इस मौके पर लुधियाना महिला मंडल मंत्री अनिता जैन का अभिनंदन संघ के पदाधिकारियों ने किया। चंदनबाला महिला मंडल (पीन्या) बेंगलूरु की मंत्री अनिता भानावत ने अपने विचार रखे। उपाध्याय केवलमुनि जन्मोत्सव पर प्रभावना गुरुभक्त वृद्धिचंद सुरेशकुमार संजयकुमार पितलिया परिवार की तरफ से रही। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्या ने मांगलिक प्रदान किया। आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर ने दिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

कन्नड़ हायर प्राइमरी स्कूल में प्रेरणादायक और सेवाभाव से परिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री ऑल इंडिया श्वेतांबर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत के तत्वावधान में महिला शाखा द्वारा ज्ञान प्रकाश योजना के अंतर्गत गांधी सेवा आश्रम कन्नड़ हायर प्राइमरी स्कूल (अंबेडकर ग्राउंड के सामने, श्रीरामपुरम) में एक प्रेरणादायक और सेवाभाव से परिपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व ज्ञान प्रकाश योजना कर्नाटक प्रांत की अध्यक्ष सरला दुगड़ एवं मंत्री अल्का लोढ़ा द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु पाठ्य पुस्तकें, पुस्तक बैग, पैड, पेंसिल बॉक्स, पाउच और पेंसिल

का नि:शुल्क वितरण किया गया। यह आयोजन संस्था की ज्ञान से समाज का उत्थान की भावना को दर्शाता है। कर्नाटक महिला शाखा की प्रांतीय अध्यक्ष संतोष आछा के नेतृत्व में यह आयोजन अत्यंत सफल और प्रभावशाली रहा। श्री ऑल इंडिया जैन कॉन्फ्रेंस प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड, महामंत्री नेमीचंद दलाल ने अपने विचारों से महिला शाखा को शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम में कई प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शक आरती बुरड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मला सांखला, संगीता छल्लानी, प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदिरा गादिया, युवा शाखा से भरत कोठारी, रुपेश सिसोदिया, जंबुकुमार दुग्गड़, सुनील लोढ़ा, शंकर दक, मुकेश बाबेल सहित कई अन्य शामिल थे। महिला शाखा प्रांतीय चेयरमैन रसीला मरलेचा, महामंत्री सपना सिंघवी, कोषाध्यक्ष स्नेहलता बाफना ने भी अपने विचार रखे। आयोजन के स्पॉन्सर प्रेमा संजय बैद, राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण और महिला शाखा की सभी सक्रिय सदस्यों ने तन-मन-धन से सहयोग प्रदान कर आयोजन को गरिमामयी बनाया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रकाश बुरड ने ज्ञान की इस अलख को जलाए रखने हेतु सहयोग राशि की घोषणा की, साथ ही कर्नाटक महिला शाखा की अध्यक्ष संतोष आछा ने भी समर्पण राशि देकर प्रेरणादायी यो-गदान दिया। यह समर्पण भाव सभी उपस्थितजनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

इस कार्यक्रम के लाभार्थी हनुमानमल संजय वैभव बैद रहे, जबकि इस प्रेरणास्पद आयोजन को संभव बनाने में गुरु पुनवानी प्रॉपर्टीज प्रा. लि. की सहभागिता अत्यंत सराहनीय रही। यह आयोजन समाज में शिक्षा, सेवा और संस्कारों के प्रसार की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल रही। ऐसे कार्यक्रम न केवल बच्चों के भविष्य को सशक्त बनाते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता, सेवा और आत्मीयता की भावना को भी मजबूती प्रदान करते हैं। स्वागत ज्ञान प्रकाश योजना की अध्यक्ष सरला दुग्गड़ ने और आभार ज्ञापन मंत्री अलका लोढ़ा ने व्यक्त किया।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी आंचलिक सभा कर्नाटक की कार्यकारिणी सभा आयोजित

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। मलनाड स्तरीय श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी आंचलिक सभा कर्नाटक की कार्यकारिणी सभा का आयोजन दी फन हिल रिसॉर्ट में अध्यक्ष महावीर भंसाली की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। बैठक में आगामी कार्य योजनाओं को लेकर विस्तार से विचार विर्मश किया गया। निर्णय किया गया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गुरुदेव आश्चर्य श्री महाश्रमण के दर्शनार्थ हेतु संपूर्ण मलनाड आंचलिक सभा के तत्वावधान में संघ रूप में दीप-ावली के तुरंत बाद अहमदाबाद एवं दार्शनिक स्थलों की यात्रा का आयोजन किया जायेगा। आगामी तेरापंथ सभा प्रतिनिधि सम्मेलन में

भी पदाधिकारी होंगे। सभी का स्वागत अध्यक्ष महावीर भंसाली ने किया। मंत्री दलीचंद भटेवरा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। खजांची गौतम आच्छा ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। यात्रा संयोजक माणिकचंद गादिया, उपाध्यक्ष चन्दनमल भटेवरा, उपाध्यक्ष गौतम गादिया ने अपने विचार रखे। पुष्पराज गादिया ने कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रकट किया।

1 अगस्त को राज्य के सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने करेंगे बड़ा विरोध प्रदर्शन: ए. नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी ने कहा कि मडिगा संगठनों ने आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए 1 अगस्त को राज्य के सभी जिला कलेक्टर कार्यालयों के सामने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। शहर के एक होटल में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ द्वारा 1 अगस्त को अपना फैसला सुनाए हुए एक साल हो जाएगा। अगर कैबिनेट 10 तारीख को कोई फैसला नहीं लेती और उसे सदन में पेश नहीं करती, तो राज्य के मडिगा कर्नाटक बंद का फैसला लेंगे। उन्होंने घोषणा की कि वे 4-5 हजार लोगों की एक बैठक करेंगे और इस पर फैसला लेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि हम असहयोग आंदोलन चलाएंगे। हम राज्य सरकार को चलने नहीं देंगे। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि कांग्रेस इसलिए हारी क्योंकि उसने आंतरिक आरक्षण लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि मडिगा समुदाय इसे दोबारा होने से रोकने के लिए कदम उठाएगा। मडिगा समिति साढ़े तीन दशकों से आंतरिक आरक्षण के लिए संघर्ष कर रही है। तेलंगाना में मडिगाओं के आरक्षण के

अन्याय को दूर करने के लिए, उन्होंने 1999 में वहाँ आरक्षण दिया और आंतरिक आरक्षण लागू किया। बाद में, 2004 में, उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि वहाँ के उच्च न्यायालय ने आंतरिक आरक्षण को आवश्यक बताया था। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस पार्टी ने यह कहते हुए इस अवसर को अस्वीकार कर दिया था कि आंतरिक आरक्षण की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आलोचना की कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद भी, शोषितों में शोषितों, वंचितों में वंचितों और अछूतों में अछूतों को आरक्षण नहीं दिया गया। उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस पार्टी और अन्य दल, जिन्होंने कई वर्षों तक राज्य पर शासन किया, मडिगाओं को भूल गए। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आंतरिक आरक्षण में जल्दबाजी न करने की सलाह दी थी। हालाँकि, रेवंत रेड्डी ने कहा कि आंतरिक आरक्षण लागू किया जा चुका है। चंद्रबाबू नायडू ने इसे आंध्र प्रदेश और पंजाब में भी लागू किया है। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कर्नाटक सरकार मछली का खेल खेल रही है। जब 5 महीने पहले बेलगावी में मडिगा लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, तब मंत्री ने आश्वासन दिया था कि आंतरिक आरक्षण केवल 3 महीनों में लागू कर दिया जाएगा। बाद में, नागमोहनदास आयोग का गठन किया गया और उसे 40 दिनों की समय-सीमा दी गई। उन्होंने फिर से समय माँगा। उन्होंने बताया कि ऐसे कई दस्तावेज हैं जो बताते हैं कि इस सरकार ने नागमोहनदास के साथ सहयोग नहीं किया है। उन्होंने राजनीतिक और औद्योगिक क्षेत्रों में अवसरों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने आलोचना की कि छह-सात महीने बाद भी आंतरिक आरक्षण लागू नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के व्यवहार और प्रशासन पर संदेह है। हर बार, वह कहते हैं कि वह पिछड़े वर्ग के नेता और पिछड़े वर्ग के रक्षक हैं। वह कांताराजू रिपोर्ट को लागू करने की बात करते थे। हमने मुख्यमंत्री पर विश्वास किया। उन्होंने आलाकमान के निर्देशों के आगे सिर झुकाया। जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनाव हुए 4 साल 10 महीने हो गए हैं। उन्होंने आलोचना की कि आप पिछड़े वर्ग को न्याय नहीं दिला पाए हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद करजोल ने बात रखी और मांग की कि सरकार 16 अगस्त से आंतरिक आरक्षण लागू करने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि असहयोग आंदोलन की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेताओं, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, राष्ट्रीय नेता, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का कहना है कि उन्होंने जैसा कहा गया था वैसा ही किया है। उनका कहना है कि उन्होंने दलितों के साथ कोई धोखा नहीं किया है। उन्होंने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान अपने घोषणापत्र में इसका उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि वह पहली कैबिनेट बैठक में इसे मंजूरी देंगे और इसे लागू करेंगे। उन्होंने एक बेतुके बहाने से नागमोहन दास समिति का गठन किया। उन्होंने कहा था कि वह 40 दिनों में एक रिपोर्ट सौंपेंगे। 6 महीने हो गए हैं। उन्होंने इसे सरकार द्वारा विश्वासघात और छल बताया।

खाना खाने के बाद पेट दर्द से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के सिरवारा तालुक के के. तिमापुरा गाँव में सोमवार रात खाना खाने के बाद पेट दर्द से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। संयुक्त परिवार के सदस्यों ने रात खाना खाया और सो गए। एक के बाद एक, उन्हें रात लगभग 2 बजे पेट दर्द होने लगा। बाद में, जब सभी स्थानीय अस्पताल गए, तो घर के मालिक रमेश (35) और उनकी बेटी नगमा (8) की सुबह 5 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। एक और बेटी, दीपा (6), जो गंभीर रूप से बीमार थी, ने रिमसौ अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। वर्तमान में, रमेश की पत्नी पाडा को रिमसौ ले जाया गया और दो अन्य बच्चों, कृष्णा और चैत्रा का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। पूरे परिवार ने रात में पल्या, रोटी,

चावल और सांभर खाया था। पुलिस ने बताया कि खाना खाने के बाद सोए 6 लोगों को पेट दर्द हुआ। इस घटना से गाँव में दहशत फैल गई है। पुलिस स्टेशन ने घटनास्थल का दौरा किया है और जाँच की है। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी भी पहुँच गए हैं और खाने के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेज दिए हैं। घटना की जाँच जारी है। रमेश अपनी पत्नी पाडा और दो बेटों और दो बेटियों के साथ रहता था।

कनकपुरा तालुका के 250 गाँवों को मिलेगा कावेरी का पानी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कर्नाटक के बेंगलूरु दक्षिण (पूर्व में रामनगर) जिले के कनकपुरा तालुका के 250 गाँवों को कावेरी नदी से पेयजल आपूर्ति करने की योजना बनाई जाएगी। हम संगम के पास से कावेरी का पानी 250 गाँवों तक पीने के पानी के लिए पहुँचाने की योजना बना रहे हैं। तालुका के तालाबों तक कावेरी का पानी पहुँचाने की परियोजना पहले ही शुरू हो चुकी है।

अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द करने की याचिका पर सुनवाई स्थगित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सुप्रीम कोर्ट ने रेणुकास्वामी हत्याकांड में जमानत प्राप्त प्रसिद्ध अभिनेता दर्शन की जमानत रद्द करने की याचिका पर सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी है।

यह स्थगन इसलिए किया गया है क्योंकि दर्शन के वकीलों ने अपनी दलीलें पेश करने के लिए समय माँगा है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से दर्शन के भविष्य और उनकी फिल्म 'डेविल' पर असर पड़ने की संभावना है। अभिनेता दर्शन रेणुकास्वामी हत्याकांड में गिरफ्तार हुए थे और जमानत पर बाहर आए थे। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने दर्शन को जमानत दी थी। कर्नाटक सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले पर सवाल उठाया है। इस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई होनी थी। हालाँकि, अब याचिका की सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इस प्रकार, दर्शन को दो दिन की और राहत मिल गई है। कपिल सिब्बल को दर्शन की ओर से अपनी दलीलें पेश करनी थीं। हालाँकि, उन्होंने एक दिन का समय माँगा है

क्योंकि उन्हें आज एक अन्य मामले में अपनी दलीलें पेश करनी थीं। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर सहमति दे दी है। दर्शन के वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि इसलिए इस याचिका की सुनवाई गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। मैं गिरफ्तारी के कारणों पर बहस नहीं करूँगा। उन्होंने यह भी कहा कि मैं मामले के गुण-दोष पर बहस करूँगा। इसलिए, दर्शन मामले में फैसला गुरुवार को आने की संभावना है। रेणुकास्वामी हत्याकांड में सभी 17 आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। इनमें से सरकार ने पवित्रा गौड़ा और दर्शन समेत 7 आरोपियों की जमानत रद्द करने का अनुरोध किया है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि इस मामले में आगे क्या होता है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दर्शन के वकीलों से पूछा था कि दर्शन की जमानत याचिका क्यों न रद्द कर दी जाए। साथ ही, यह भी कहा था कि दर्शन को जमानत देते समय विवेक का इस्तेमाल नहीं किया गया। अगर जमानत रद्द होती है, तो दर्शन की मुश्किलें बढ़ जाएँगी।

राज्य कांग्रेस सरकार केंद्र की डिजिटल क्रांति में बाधा डाल रही है: सी.टी. रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और विधान परिषद सदस्य सी.टी. रवि ने आरोप लगाया है कि राज्य कांग्रेस सरकार ने छोटे व्यापारियों को नोटिस जारी करके डिजिटल इंडिया को उलटने की साजिश रची है।

भाजपा के प्रदेश कार्यालय 'जगन्नाथ भवन' में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यूपीआई भुगतान ने वैश्विक कीर्तिमान स्थापित किया है। लेकिन कांग्रेस सरकार ने लोगों में चिंता और भय का माहौल पैदा कर दिया है। यानी, वे केंद्र सरकार की डिजिटल लेनदेन परियोजना के प्रयासों के प्रति भय पैदा करने का काम कर रहे हैं। इस नोटिस के कारण छोटे व्यापारी डरे हुए हैं और उन्होंने यूपीआई भुगतान निषेध, केवल नकद भुगतान के बोर्ड लगा दिए हैं। इस धमकी के परिणामस्वरूप, बिचौलियों और कुछ अधिकारियों द्वारा रिश्वत मांगने की भी शिकायतें आई हैं। इसलिए, उन्होंने मांग की कि सरकार राज्य कर विभाग द्वारा जारी नोटिस वापस ले और छोटे व्यापारियों को भय के माहौल से बचाए। कर संग्रह बढ़ाने के लिए, मुख्यमंत्री ने

वित्त विभाग की बैठक में वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया के निर्देश पर छोटे व्यापारियों को नोटिस दिए गए थे। यह बहुत स्पष्ट है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने वहाँ बंदर का काम किया है। उसमें भी, 2020 से नोटिस दिए जा रहे हैं। आप 2020 से नोटिस दे रहे हैं। दूध, फल, सब्जियाँ, अंडे, मांस, मछली, चावल, रागी, ज्वार, गेहूँ आदि का व्यापार करने वालों को कर में छूट है। लेकिन उन्होंने शिकायत की कि कांग्रेस सरकार ने उन्हें भी नोटिस दिए हैं। पूरे देश में छोटे व्यापारियों को नोटिस नहीं भेजे गए हैं। केवल कर्नाटक में छोटे व्यापारियों को नोटिस जारी किए गए हैं। यदि केरल और महाराष्ट्र सहित सभी जगह नोटिस जारी किए गए होते, तो आप केंद्र द्वारा लिए गए किसी निर्णय का आरोप लगाकर इसे स्वीकार कर सकते थे। महाराष्ट्र में छोटे व्यापारियों, फूल, सब्जियाँ, खाने के ठेले और मांस बेचने वालों को सूचित नहीं किया गया है। कर्नाटक में नोटिस क्यों जारी किया गया? सेवा क्षेत्र को कर से छूट प्राप्त है, और यदि वार्षिक कारोबार 1.5 करोड़ रुपये से अधिक है, तो 1 प्रतिशत कर लगाया जाता है। विशेष रूप से, यदि केंद्रीय जीएसटी 1 प्रतिशत में 0.5 प्रतिशत बढ़ जाता है, तो राज्य का समाचार पत्र में विस्तार से उल्लेख किया गया है। इसलिए, मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री केंद्रीय नीति का परिणाम होने का आरोप क्यों लगा रहे हैं? पहले यह स्वीकार करें कि यह आपकी सरकार की भूल है। उन्होंने मांग की कि आप दिए गए नोटिस को वापस लें। छोटे व्यापारियों ने विरोध प्रदर्शन किया है और हम इस विरोध प्रदर्शन को अपना नैतिक समर्थन देते हैं। भाजपा नेताओं ने भी अपना समर्थन व्यक्त किया और कहा कि वे संघर्ष में भाग लेंगे। सरकारी खजाना भरने के लिए छोटे व्यापारियों को पत्र लिखने का काम न करें। स्वीकार करें कि सरकारी खजाना खाली है। बेंगलूरु आईटी क्षेत्र की राजधानी है। डिजिटल भुगतान इस आईटी क्षेत्र का आदर्श था। सुप्रीम कोर्ट ने मुडा मामले से संबंधित एक फैसला सुनाया है। यह मत सोचिए कि इसने आपको सत्ता के दुरुपयोग का प्रमाणपत्र दिया है, यह मत सोचिए कि इसने भाई-भतीजावाद का प्रमाणपत्र दिया है, यह मत सोचिए कि इसने भ्रष्टाचार का प्रमाणपत्र दिया है। इसने केवल ईडी जाँच का फैसला दिया है। इसलिए, हम सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बताए गए रास्ते पर ईडी जाँच को लेकर अपनी लड़ाई जारी रखेंगे।

17 लाख लोगों को तुंगभद्रा से पीने का पानी मिल रहा: सीएम सिद्धरामैया

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि आज वह क्षण है जब पावागढ़ निर्वाचन क्षेत्र के लोग स्वर्ण अक्षरों में लिखेंगे। 2529 करोड़ रुपये की लागत से पावागढ़, मोलकालमुरु, चल्लकेरे, कोडलागी और हड़प्पनहळ्ळी तालुकों के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। फ्लोराइड युक्त पानी से होने वाली कई बीमारियों से बचाव के लिए दो सौ किलोमीटर दूर से पेयजल लाया जा रहा है। पावागढ़ शहर के महात्मा गांधी स्टेडियम में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद बोलते हुए, सिद्धरामैया ने कहा कि 17 लाख लोगों को इस तुंगभद्रा पेयजल सुविधा का लाभ मिल रहा है। यह परियोजना 2050 तक जारी रहेगी। इस क्षेत्र के लोग विकलांगता से ग्रस्त नहीं होंगे।

पावागढ़ और पावागढ़ शहर के 270 गाँवों को यह जल सुविधा मिलेगी। भाजपा कर्नाटक में लोगों को गुमराह कर रही है। क्या आपने कभी राज्य के लोगों को बड़ी योजनाएँ दी हैं? मोदी, अशोक, येदियुरप्पा, विजयेंद्र सभी कहते हैं कि सरकार दिवालिया है। अपनी उपलब्धियाँ बताएँ। सिद्धरामैया ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए, पूछा कि क्या उनमें लोगों के लिए जरा भी सम्मान है? कर्नाटक हर साल केंद्र को साढ़े चार लाख करोड़ रुपए टैक्स के रूप में देता है, जबकि वो हमें सिर्फ 60 हजार करोड़ रुपए ही देते हैं। सांसद पैसों के भेदभाव पर बात क्यों नहीं करते? सिद्धरामैया ने कहा कि गारंटी योजनाओं का पूरा फायदा उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस इलाके के लोगों को एक बार फिर वेंकटेश को चुनाव जिताना चाहिए। पावागढ़ तालुक के विधायक एचवी वेंकटेश ने अपने प्रारंभिक भाषण में कहा कि तालुक के लोग सिद्धरामैया को दस पीढ़ियों तक नहीं भूलेंगे। हमारे तालुक, जो अपने फ्लोराइड युक्त पानी के लिए प्रसिद्ध है, को तुंगभद्रा बांध से पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है। पावागढ़ को विश्व स्तर पर पहचान मिली है। सिद्धरामैया को भुलाया नहीं जा सकेगा। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर और लोकसभा सदस्य गोविंद करजोल ने इस अवसर पर भाषण दिया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने तुमकुरु जिले के पावागढ़ तालुक के लोगों के लिए तुंगभद्रा परियोजना के अंतर्गत पेयजल परियोजना का उद्घाटन किया और विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे, समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा, चल्लकेरे विधायक रघु मूर्ति, विधान परिषद सदस्य राजेंद्र राजन्ना, श्रीनिवास, पूर्व मंत्री वेंकटरमणप्पा, नगरपालिका अध्यक्ष सुदेश बाबू, एचवी कुमार स्वामी, जिला कलेक्टर शुभकल्याण, जीपी सीईओ प्रभु, जिला पुलिस अधीक्षक केवी अशोक उपस्थित थे।

ठेकेदार को भुगतान न करने पर बेलगावी डीसी की कार जब्त

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। बेलगावी के उपायुक्त की कार की हालिया जब्ती के दौरान कथित तौर पर प्रक्रिया के उल्लंघन को लेकर उठे विवाद को बेलगावी में बार एसोसिएशन के सदस्यों की मौजूदगी में सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया। एक अदालती आदेश के बाद, लघु सिंचाई विभाग द्वारा 1992 में किए गए काम के लिए एक ठेकेदार को भुगतान में देरी के कारण डीसी मोहम्मद रोशन की सरकारी गाड़ी जब्त कर ली गई। हालांकि, 18 जुलाई को विवाद तब शुरू हुआ जब अदालत के अधिकारियों के बजाय, ठेकेदार ने गाड़ी की चाबी ले ली और उसे कुछ दूर तक चलाया। इसे गैरकानूनी माना गया। 19 जुलाई को अदालत को सूचित किया गया। डीसी कार्यालय ने इस कृत्य के खिलाफ

औपचारिक शिकायत दर्ज कराई, जिसे अनधिकृत माना गया। बार एसोसिएशन के हस्तक्षेप के बाद स्थिति शांतिपूर्ण ढंग से सुलझ गई। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एस. एस. किवादसनावर और अधिवक्ता नितिन बोलाबंदी, एन. आर. लातूर, दिनाकर शेट्टी, नीता पोतदार, राजश्री सपुजी व अन्य ने मध्यस्थता की। बार एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा बुलाई गई एक बैठक में, ठेकेदार ने डीसी से बिना शर्त माफी माँगी। डीसी मोहम्मद रोशन ने माफी स्वीकार कर ली और आरोप वापस लेने पर सहमत हो गए। बैठक में शामिल एक अधिकारी ने कहा बार एसोसिएशन के सदस्यों ने डीसी को उनके संयम के लिए धन्यवाद दिया और माना कि यह घटना, हालांकि गंभीर थी, बातचीत के जरिए सुलझा ली गई। लघु सिंचाई विभाग, जिसकी निष्क्रियता के कारण विवाद शुरू हुआ था, ने भी माफी मांगी और आवश्यक राशि तुरंत जमा कर दी। उन्होंने स्वीकार किया कि डीसी को इस मामले में गलत तरीके से घसीटा गया था। बैठक में शामिल लातूर ने कहा यह एक छोटी सी गलतफहमी थी। बार एसोसिएशन के हस्तक्षेप और डीसी द्वारा शिकायत को आगे न बढ़ाने पर सहमति के बाद इसे सुलझा लिया गया। इससे पता चलता है कि बार और जिला प्रशासन, दोनों ने आपसी सम्मान और न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

यूएसडीटी मुद्रा परिवर्तन का लालच देकर लूट 15 लोग गिरफ्तार, 1.11 करोड़ रुपये नकद जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विद्यारण्यपुरा पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने यूएसडीटी को डिजिटल करेंसी में बदलकर और आरटीजीएस के जरिए जीएसटी के साथ दोगुना करके, और अपने साथियों से अमीर लोगों को लूटने का नाटक करके 2 करोड़ रुपये लूटे थे।

आरोपियों के पास से 1.40 करोड़ रुपये की नकदी समेत कई वाहन जब्त किए गए हैं। इनके पास से 1.11 करोड़ रुपये नकद, 4 कारें, 4 दोपहिया वाहन, 2 ऑटो, 8 मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल किए गए घातक हथियार जब्त किए गए हैं। यह गिरोह अमीर लोगों से पैसे लेकर, उन्हें यूएसडीटी डिजिटल करेंसी में बदलकर, आरटीजीएस प्रीमियम के जरिए जीएसटी के साथ दोगुना करके वापस कर देता था, फिर अपने साथियों द्वारा लूटे गए पैसे का नाटक करके धोखाधड़ी से पैसे लूट लेता था। एमएस पाल्या सर्कल स्थित एक दुकान के मालिक से दो करोड़ रुपये की लूट के मामले में मामला दर्ज कर जांच कर रही पुलिस ने हेगड़े नगर स्थित जामिया मस्जिद के पास से दो लोगों को गिरफ्तार कर पूछताछ की। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उनके साथ 17 अन्य लोग भी शामिल थे। आरोपियों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर जांच जारी रखते हुए पुलिस ने चिक्कमगलूरु जिले के बागलगुंते, हलेनहल्ली, मेंगलूरु, अजीर और बीदर के पुराने शहर से 7 लोगों को गिरफ्तार किया। शेष आरोपियों की तलाश जारी रखते हुए पुलिस ने केरेगुड्डादहल्ली, बन्नेरघट्टा के वसंतनगर और कोटरागेरे में एक लॉज के पास से छह लोगों को हिरासत में लिया है। इस मामले में पुलिस ने कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लंबी पूछताछ के बाद, पुलिस ने 15 लाख रुपये जब्त किए हैं। 1.11 करोड़ नकद, 4 कारें, 4 दोपहिया वाहन, 2 ऑटो, 8 मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त 2 चाकू, एक लंबी बंदूक और एक छुरी बरामद की गई है, जिसकी कुल कीमत 1.40 लाख रुपये आंकी गई है। इस मामले में फरार चार आरोपियों की तलाश और शेष धनराशि व कारों की तलाश के लिए जाँच जारी है। इंस्पेक्टर शिवस्वामी और उनकी टीम ने धोखाधड़ी करने वालों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया है। शहर पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कहा कि इस मामले में शिकायतकर्ता ही आरोपी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आरोपी दो समूहों में काम कर रहे थे और संदेह है कि केआरपुरा और बगलूर इलाकों में इस तरह की धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर शेष धनराशि जब्त कर ली जाएगी।

महान बनना है तो अभिमान छोड़ना पड़ेगा: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि महान बनना है तो अभिमान छोड़ना पड़ेगा। अभिमान कषाय है और कषाय वृद्धि से पुनवानी घटती है। हम कीर्तिमान बनाने के चक्कर में नही पड़े। कोई कीर्तिमान स्थाई नहीं होता है। पद धन यौवन सभी नश्वर है। मात्र धर्म सच्चा मित्र होता है। प्रवचन सभा में साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि प्रभु की वाणी हमे दुख का कारण और निवारण दोनों बताती है। यदि वाणी सुनकर भी कषाय मंद नही हुए तो प्रवचन में आना व्यर्थ है। प्रवचन हमारे अंदर उतरने चाहिए और आचरण में दिखने चाहिए। प्रभु की वाणी के स्वाध्याय से ही सामायिक और प्रतिक्रमण की दिव्यता हम अनुभव कर सकते हैं। वाणी सुन कर गिरना या तिरना अपने हाथ में हैं। सभी का भला सोचेंगे तो अपना भला अवश्य होगा। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने आचार्य सम्राट आनंद ऋषि जी के जन्म दिन पर तेला तप का आह्वान किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

राणी सती दादी सिंधारा उत्सव 27 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री संजय-रमा नोपानी परिवार के सौजन्य से श्री दादी धाम प्रचार समिति के तत्वावधान में आगामी रविवार को बन्नेरघट्टा रोड स्थित कल्याणी कल्याण मंडपम में हर वर्ष की भांति इस बार भी चौथे वर्ष राणी सती दादी के सिंधारा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस उत्सव पर प्रातः 9 बजे विधिवत पूजन किया जाएगा और अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। तत्पश्चात मंगलपाठ वाचिका ज्योति जाजोदिया संगीतमय पाठ का वाचन करेंगी। सायं 6 बजे से भजन संध्या का कार्यक्रम होगा, जिसमें कोलकाता के गायक अरविंद सहल भजनों की प्रस्तुति देंगे। भक्तों से इस उत्सव में आकर जगतजननी, भक्तवत्सल, दुर्गा स्वरूप दादीजी का आशीर्वाद प्राप्त करने का आग्रह किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने गीत का वीडियो रिलीज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मैं भारत हूं फाउंडेशन भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर पिछले एक दशक से देशवासियों में राष्ट्र प्रेम की भावना को जागृत करने के उद्देश्य से भारत को भारत ही बोला जाए, इंडिया नहीं का अभियान चला रहा है। मैं भारत हूं फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री शोभा साधानी, डॉक्टर गोविंद माहेश्वरी, निशा लड्ढा, अरुण मुंद्रा, दिलीप सेन, रवि जैन एवं बड़ी संख्या में जुड़े सदस्य जन-जन तक इस अभियान को पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं भारत हूं फाउंडेशन द्वारा भारत नाम सम्मान गीत भारत इज भारत नाट इंडिया 22 भाषाओं में आडियो तैयार हो चुका है। लता हया की रचना को प्रसिद्ध संगीत निर्देशक दिलीप सेन

ने संगीत दिया। प्रसिद्ध कलाकार मोहम्मद सलामत एवं रेखा राव ने अपनी आवाज दी। बेंगलूरु के आनंद सिनेमा द्वारा तीन भाषाओं में इसका वीडियो बनाया जा चुका है।

हिंदी एवं अंग्रेजी का गीत पहले ही रिलीज हो चुका है। जो देश में लोकप्रिय हुआ है। अभी राजस्थानी भाषा में गीत जिसे दीपक एवं रेखा राव ने आवाज दी है। वीपी हरिहरन द्वारा निर्देशित गीत में निर्माता महेंद्र मुणोत ने नायक की भूमिका निभाई है। 2 दिन पूर्व बेंगलूरु के एक सभागार में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने गीत का वीडियो रिलीज किया। कार्यक्रम में मैं भारत हूं फाउंडेशन के प्रतिनिधि सज्जनराज मेहता एवं समाज के कई वरिष्ठ जन उपस्थित थे। गीत का फिल्मांकन राजस्थान के लांबिया गावं एवं राजस्थान के अन्य पर्यटन स्थल, हेसरघट्टा स्थित राजस्थानी ढाणी एवं कर्नाटक के विभिन्न स्थल पर हुआ।

सकारात्मक सोच और भावनाओं से जीवन में मिलती है सफलता: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने मन के विषय में कहा कि मन की शक्ति से व्यक्ति सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह के प्रभाव डाल सकता है। सकारात्मक सोच और भावनाओं से जीवन में सफलता, खुशी और संतुष्टि मिलती है, जबकि नकारात्मक सोच और भावनाओं से निराशा, दुख और असफलता मिलती है। सकारात्मक सोच और भावनाएं शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं, जबकि नकारात्मक सोच और

भावनाएं बीमारियों और मानसिक तनाव का कारण बन सकती हैं। मन की स्थिति रिश्तों और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करती है। सकारात्मक सोच और व्यवहार से अच्छे संबंध बनते हैं, जबकि नकारात्मक सोच और व्यवहार से रिश्तों में खटास आ सकती है। साध्वी शीतलगुणा श्री ने मन के विषय में कहा कि मेरो मन भटक भटक जावै, कौन मार्ग पर चलूं में जहां वह पर सुख पावै' मेरा मन बहुत भटक रहा है, मैं कौन सा मार्ग प्राप्त करूं जिससे वह भटकना बंद हो जाए मन बहुत चंचल है जो बहुत भटक रहा है। इसे शांत करना लगता है असंभव है। साध्वी ने कहा संसार में कुछ भी असंभव नहीं। इस भटक रहे मन को शांत किया जा सकता है, परंतु उसके लिए आपको बार-बार कोशिश करनी पड़ती है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि अट्ठम तप पारना एवं वियासणा के लाभार्थी गुलाबी बाई जोमतराज भंडारी परिवार का बहुमान किया गया। सभी तपस्वीयों का पारना सातापूर्वक हुआ। शंखेश्वर भगवान की आरती का लाभ स्व. लीलाबाई, शान्तिलाल परिवार, मंगल दिपक का लाभ विजयराज डूंगरचंद परिवार, गुरुदेव की आरती का लाभ किशोरीलाल जयरूप बंदामुथा ने लिया। कार्यक्रम का संचालन भावेश संघवी ने किया।

भाजपा ने घोटालों की बात नहीं करने पर दोगुना अनुदान देने का किया था वादा: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया है कि पिछली सरकार के भाजपा विधायकों ने उन्हें पीएसआई और बिटकॉइन जैसे घोटालों के बारे में ज्यादा न बोलने पर दोगुना अनुदान देने का लालच दिया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हम उस समय विपक्ष में थे। हम भाजपा सरकारों के घोटालों को एक-एक करके उजागर करते थे। इसी वजह से मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लिए स्वीकृत 280 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ रुकी हुई थीं। हम इस बारे में कुछ नहीं कहेंगे। हमने चुप्पी साधे रखी और कहा कि हमारी सरकार आने पर हम इस पर ध्यान देंगे। भाजपा नेता और विधायक उनके पास आए और उन्हें लालच दिया कि वे घोटालों को उजागर करना बंद कर दें और आपको दोगुना अनुदान देंगे। उन्होंने कहा कि ये चर्चाएँ सदन के सत्र के दौरान हुईं। स्वाभाविक है कि सत्ताधारी दल के विधायकों को कुछ ज्यादा प्राथमिकता मिलती है। लेकिन हमारी सरकार किसी भी परियोजना के साथ भेदभाव नहीं करती। क्या

हम राष्ट्रीय जलजीवन मिशन योजना सिर्फ कांग्रेस विधायकों को ही दे रहे हैं? क्या इसे सभी पार्टी निर्वाचन क्षेत्रों में नहीं दिया जा रहा है? येत्तिनाहोल परियोजना के पथ पर अधिकांश विधायक और सांसद भाजपा के हैं, क्या हमने बिना किसी भेदभाव के परियोजना को लागू नहीं किया? कल्याणपथ और प्रगतिपथ योजनाओं में सभी निर्वाचन क्षेत्रों में समान रूप से धनराशि वितरित की जा रही है। भाजपा अनावश्यक रूप से इसकी आलोचना कर रही है। इससे कोई लाभ नहीं होगा। इसके बजाय, भाजपा नेताओं और सांसदों को राज्य के विकास के लिए हाथ मिलाना चाहिए और भद्रा अपर रिवर परियोजना के लिए 5,400 करोड़ रुपये देने का प्रयास करना चाहिए। तुंगभद्रा बांध में भाजपा का क्या योगदान है? पिछले वर्ष का शेष 2,500 करोड़ रुपये जलजीवन मिशन योजना के तहत दिया जाना चाहिए। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि अगर हम राजनीति की बात करेंगे और इस पर ध्यान देना छोड़ देंगे, तो हमें जवाब देना होगा। यह अप्रासंगिक है कि भाजपा यह दिखा रही है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने डी.के. शिवकुमार का अपमान किया है। भाजपा अपना अस्तित्व खो रही है और उसे बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा की आलोचना का जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र ने बचकाना बयान दिया था कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। इसका इससे क्या लेना-देना? अगर इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपनी पार्टी में किसी दलित को भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष, आरएसएस का सरसंघचालक और प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर देना चाहिए।

एनएच-66 पर कुलूर पुराने पुल की मरम्मत के लिए यातायात डायवर्जन की घोषणा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु शहर पुलिस ने कुलूर पुराने पुल के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर होने वाले सड़क मरम्मत कार्य के संबंध में यातायात परामर्श जारी किया है। मरम्मत कार्य मंगलवार की रात 8 बजे से गुरुवार की सुबह 8 बजे तक केआईओसीएल जंक्शन और अयप्पा मंदिर के बीच चलेगा। इस दौरान, कुलूर नया पुल मेंगलूरु से उडुपी की ओर जाने वाले वाहनों के लिए दो-तरफा मार्ग के रूप में कार्य करेगा।

परिणामस्वरूप, कोडिकल क्रॉस से केआईओसीएल जंक्शन और पनम्बूर जंक्शन से केआईओसीएल जंक्शन तक भारी यातायात जाम की आशंका है। केआईओसीएल जंक्शन के पास नए पुल के माध्यम से मेंगलूरु से उडुपी की ओर जाने वाले सभी वाहन चालकों और आम जनता से अनुरोध है कि वे सावधानी बरतें और व्यस्त समय के दौरान नीचे सूचीबद्ध वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करके इस मार्ग से बचें। उडुपी से बेंगलूरु या मैसूरु की ओर जाने वाले सभी हल्के वाहनों और ट्रकों को पदुबिद्री - करकला - मूडबिद्री होकर जाना चाहिए। उडुपी, मुल्की से मेंगलूरु शहर की ओर जाने वाले हल्के वाहनों को मुल्की विजया सन्निधि के पास बाएं मुड़ना चाहिए और किन्निगोली - कतील - बाजपे - मारवूर - कावूर के रास्ते आगे बढ़ना चाहिए। मेंगलूरु शहर, कोट्टारा चौकी से उडुपी की ओर जाने वाले हल्के वाहनों को कावूर-मारवूर-बाजपे-कतील-किन्निगोली-मुल्की विजया सन्निधि से होकर आगे बढ़ना चाहिए।

बी सी रोड, बेंगलूरु या मैसूरु से उडुपी की ओर जाने वाली लॉरियां और हल्के वाहनों को बिकरनाकट्टे - कुलशेखर - वामनजूर - कैकम्बा - बाजपे - कतील - किन्निगोली - मुल्की विजया सन्निधि के माध्यम से आगे बढ़ना चाहिए। मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त ने जनता और वाहन चालकों से आग्रह किया है कि वे मरम्मत अवधि के दौरान सुचारू आवागमन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इन यातायात परिवर्तनों का पालन करें।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में 6 लाख बिहारियों की ओर से मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर अनुरोध किया गया कि एसआईआर को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और बिहार विधानसभा चुनाव के बाद इसे शुरू किया जाए। ताकि समय की कोई कमी न रहे। यह प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाए। बिहारी मजदरों की ओर से डॉ. विनय कुमार यादव, जन सूरज के कर्नाटक अध्यक्ष डॉ. निश्चित के.आर. और आशुतोष ने यह ज्ञापन सौंपा।

थोड़े से निमित्त मिलते ही हमारी आत्मा डूब जाती है विकल्पों में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हम अपने विचारों को इतना मलिन कर देते हैं और इतना विकल्प दे देते हैं जहां आत्मा का पतन हो जाता है। यही हमारी अपूर्ण स्थिति है।

हमारी आत्मा निमित्तवासी है। थोड़े से निमित्त मिलते ही हमारी आत्मा विकल्पों में डूब जाती है। अज्ञान अवस्था में किए गए पापों का बंध क्षीण होता है। लेकिन जानते बूझते हुए किए गए कर्मों का बंध गाढ़ होता

है। अचर्मावर्त काल में हमारी आत्मा का अनंत काल बाकी है। अनंत काल तक भवभ्रमण बाकी है। कृष्ण पक्ष से शुक्ल पक्ष में आने जैसे ही जब हम अचर्मावर्त काल से चर्मावर्त काल में आने की शुरुआत होती है। क्षायिक सम्यक्त्व आने के बाद हमारी आत्मा कभी भी मिथ्यात्व में नहीं जा सकती और वह कभी अविरति में नहीं जी सकती। केवल ज्ञान प्राप्त होने के पश्चात आत्मा कभी भी अज्ञान अवस्था में वापस नहीं जा सकती। गुरुगम से ज्ञान दृष्टि खुलती है और ज्ञान दृष्टि खुलने से गुण दृष्टि भी खुल जाती है। परमात्मा से प्रार्थना करनी चाहिए कि हमारी दोष दृष्टि दूर हो और गुण दृष्टि खुल जाए।

निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा

ईसाई प्रचारक ने किया दावा, जताया पीएम मोदी का आभार

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्ष निमिषा प्रिया को रिहा किया जाएगा। ईसाई धर्म के प्रचारक केए पॉल ने ये दावा किया है। साथ ही केए पॉल ने पीएम मोदी को धन्यवाद भी कहा है। ईसाई धर्म के प्रचारक और ग्लोबल पीस इनीशिएटिव के संस्थापक डॉ. केए पॉल ने मंगलवार रात को एक वीडियो संदेश में दावा किया कि यमन की राजधानी सना की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा रद्द कर दी गई है। डॉ. केए पॉल ने वीडियो संदेश में यमन के नेताओं को धन्यवाद दिया और उनकी कोशिशों की सराहना की।

डॉ. केए पॉल ने कहा कि यमन के नेताओं ने बीते 10 दिनों तक दिन रात काम किया। डॉ. पॉल ने कहा कि मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने निमिषा प्रिया की मौत की सजा को रद्द कराने में मदद की। भगवान के आशीर्वाद से निमिषा प्रिया को जल्द ही रिहा किया जाएगा और फिर वह भारत लौटेगी। मैं प्रधानमंत्री मोदी को भी धन्यवाद करता हूं, जो निमिषा प्रिया को ले जाने के लिए राजनयिक भेज रहे हैं। बीते हफ्ते भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अपने एक बयान में बताया था कि सरकार निमिषा प्रिया को बचाने के लिए क्या-क्या कदम उठा रही है। सरकार ने निमिषा प्रिया के परिवार की मदद के लिए एक वकील भी नियुक्त किया है, जो यमन के कानून के मुताबिक उनकी मदद कर रहा है। साथ ही शरिया कानून के तहत निमिषा को माफी मिलने के कोशिशों की भी जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय के बयान से पहले केरल के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबुबकर अहमद कांतापुरम ने बताया कि उन्होंने यमन के मुस्लिम धर्मगुरुओं से बात की है और उनसे निमिषा प्रिया की रिहाई की अपील की। शेख अबुबकर ने दावा किया कि उनके बात करने के बाद ही निमिषा को 16 जुलाई को दी जाने वाली फांसी की सजा टाल दी गई थी।

केरल के पलक्कड़ की निवासी निमिषा प्रिया साल 2008 में एक नर्स के रूप में काम करने के लिए यमन गई थीं। वहां कई अस्पतालों में काम करने के बाद निमिषा प्रिया साल 2011 में केरल वापस आईं और यहां टॉमी थॉमस से उनकी शादी हुई। दोनों की एक बेटी है, जो इस समय केरल में रहती है। साल 2015 में निमिषा ने यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी के साथ मिलकर एक मेडिकल क्लीनिक की शुरुआत की थी। साल 2017 में मेहंदी का शव एक वॉटर टैंक में पाया गया और हत्या का आरोप निमिषा पर लगा। आरोप है कि निमिषा ने नींद की दवा की अधिक डोज देकर मेहंदी की हत्या की और उनके शव को छिपाने की कोशिश की। इसके एक महीने बाद निमिषा को यमन-सऊदी अरब की सीमा से गिरफ्तार किया गया। निमिषा के वकील ने दलील दी कि महदी ने निमिषा का शारीरिक उत्पीड़न किया और उसका पासपोर्ट भी जब्त कर लिया था और निमिषा को धमकाया था। हालांकि तलाल अब्दो महदी के भाई ने इन आरोपों से इनकार किया। साल 2020 में, सना की एक अदालत ने निमिषा को मौत की सजा सुनाई। साल 2023 में यमन के सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस सजा को बरकरार रखा। निमिषा प्रिया फ़िलहाल सना जेल में बंद है।

राष्ट्रपति के शीर्ष अदालत से राय मांगने के मामले में केंद्र, सभी राज्य सरकारों को नोटिस

नयी दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर इस सवाल पर अपना पक्ष रखने को कहा है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करते समय राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय-सीमा और प्रक्रियाएँ निर्धारित कर सकती हैं?

इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 13 मई को शीर्ष अदालत से राय देने को कहा था और इसमें 14 प्रश्न उठाये थे।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की संविधान पीठ ने राष्ट्रपति द्वारा उच्चतम न्यायालय से राय मांगने के मामले में सुनवाई की और विचार करने पर सहमति व्यक्त की।

पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस मामले में केंद्र और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी करने के साथ ही अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी से भी इस मामले में न्यायालय की सहायता करने को कहा। पीठ ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई तारीख तय की है। पीठ ने यह भी कहा कि अगस्त के मध्य से संबंधित पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने 8 अप्रैल को अपने एक फैसले में सभी राज्यपालों को विधानसभा से पारित विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय कर दी थी। फैसले में कहा गया था कि राज्यपाल को संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत किसी विधेयक के संबंध में कोई विवेकाधिकार प्राप्त नहीं हैं और वे मंत्रिपरिषद की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे में उन्हें मंत्रीपरिषद की सलाह का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। न्यायालय ने फैसले में कहा था कि यदि राष्ट्रपति, राज्यपाल द्वारा भेजे गए किसी विधेयक पर अपनी स्वीकृति नहीं देते हैं, तो राज्य सरकारें सीधे उच्चतम न्यायालय में अपना मामला रख सकती हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए उच्चतम न्यायालय से संदर्भ के माध्यम से राय मांगी है। संविधान का अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति के सर्वोच् न्यायालय से राय लेने से संबंधित है।

एयर इंडिया की फ्लाइट में लगी आग हांगकांग से दिल्ली आ रहा था विमान

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। एयर इंडिया की फ्लाइट में मंगलवार को अचानक से आग लग गई। यह विमान हांगकांग से दिल्ली आ रहा था। एयर इंडिया ने इस घटना की जानकारी दी।

एयर इंडिया एयरलाइन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि आज हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई315 में लैंडिंग और गेट पर पार्किंग के तुरंत बाद आग लग गई। यह आग प्लेन की ऑक्सिलरी पावर यूनिट (एपीयू) में लगी।

यह घटना तब हुई, जब यात्री फ्लाइट से उतरने लगे थे और सिस्टम डिजाइन के अनुसार एपीयू स्वचालित रूप से बंद हो गया। इस हादसे से विमान को कुछ नुकसान हुआ। हालांकि, यात्री और चालक दल के सदस्य सामान्य रूप से उतर गए और सभी सुरक्षित हैं।

एयर इंडिया ने कहा कि फ्लाइट को आगे की जांच पड़ताल के लिए रोक दिया गया है और नियामक को सूचित कर दिया गया है। बता दें कि इससे पहले गुजरात के अहमदाबाद में उड़ान भरने के बाद कुछ ही देर में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। हादसे के समय प्लेन में 242 लोग सवार थे, जिसमें 230 यात्री, 10 केबिन क्रू और दो पायलट थे। प्लेन क्रैश में सिर्फ एक यात्री को छोड़कर प्लेन में सवार सभी लोगों की मौत हो गई। एयर इंडिया की यह बोइंग 737 पैसेंजर फ्लाइट थी। फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए रवाना हो रही थी। यह दुर्घटना अहमदाबाद के मेघानीनगर इलाके के पास हुई थी। विमान टेक ऑफ के बाद क्रैश हुआ था।

अमित शाह ने स्पीकर ओम बिरला से की मुलाकात

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर हुई चर्चा?

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उनके आवास पर मुलाकात की और सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस मुलाकात में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है, जिनके घर से इस साल की शुरुआत में जले हुए नोट मिले थे। इससे पहले सोमवार को 152 सांसदों द्वारा अध्यक्ष बिरला को हस्ताक्षरित ज्ञापन सौंपे जाने के बाद

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू हो गई। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश अपने आवास पर बेहिसाब नकदी मिलने के बाद कदाचार के आरोपों के चलते पद से हटाए जाने का सामना कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत दायर इस प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, टीडीपी, जेडी(यू), सीपीआई(एम) और अन्य दलों सहित विभिन्न दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ। हस्ताक्षरकर्ताओं में सांसद अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राहुल गांधी, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केसी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी शामिल हैं।

सोमवार देर रात उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफ़ा देने वाले जगदीप धनखड़ ने उच्च सदन में कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला एक प्रस्ताव मिला है, जिस पर 50 से ज़्यादा राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। चूँकि 152 लोकसभा सांसदों ने भी ऐसा ही प्रस्ताव दिया था, इसलिए उन्होंने महासचिव को महाभियोग प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए ज़रूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। संविधान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए राष्ट्रपति के आदेश का पालन करना ज़रूरी है, जिसके पहले कम से कम 100 लोकसभा या 50 राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव होना चाहिए। प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं, यह अध्यक्ष या सभापति तय करते हैं।

शिकारी कुत्तों ने महिला पर किया हमला

काट-काटकर कर दिया लहूलुहान, तड़पते हुए दम तोड़ा

सहारनपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। बिहारीगढ़ के सतपुरा गांव की रहने वाली तारा देवी (65) को खेत में शिकारी कुत्तों ने नोंचकर घायल कर दिया। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। दो कुत्ते और चार संदिग्ध लोगों को पकड़ा गया है।

मंगलवार शाम सुरेश की पत्नी तारा देवी खेत में चारा लेने गई थी। चारा काटते समय तारा पर कुछ शिकारी कुत्तों ने हमला कर दिया। तारा ने भागने की कोशिश की, लेकिन कुत्तों के चंगुल से नहीं बच सकी। शिकारी कुत्तों ने बुरी तरह से महिला को लहूलुहान कर दिया।

महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग वहां पहुंचे और किसी तरह कुत्तों को भगाया। पता चलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायल महिला को कस्बे में ही एक निजी चिकित्सक के यहां ले गए, जहां तारा देवी को मृत घोषित कर दिया।

वहीं, इस घटना के बाद ग्रामीणों ने भाग रहे चार संदिग्ध लोगों को पकड़ लिया। उनके पास दो कुत्ते मिले। इसके बाद सभी को गांव में लाया गया। पता लगते ही पुलिस ने गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की। उधर, देर शाम तक इस मामले में बिहारीगढ़ थाने में तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर रही थी।

शशि थरूर, जेपी नड्डा, नितिन गडकरी...?

भारत के अगले उपराष्ट्रपति को लेकर इन नामों की चर्चा

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। क्या शशि थरूर भारत के अगले उपराष्ट्रपति बनेंगे? जगदीप धनखड़ के भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे देने के बाद अटकलों का दौर लगातार जारी है। इस पद को लेकर अलग-अलग नामों की चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में कई नामों को लेकर अटकलें तेज़ हैं जो भारत के अगले उपराष्ट्रपति बन सकते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर तक, सोशल मीडिया पर कई नाम चल रहे हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि धनखड़ का उत्तराधिकारी कौन होगा।

सोशल मीडिया पर जिस नाम को लेकर सबसे ज़्यादा चर्चा हो रही है, वह है कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम। एक वरिष्ठ पत्रकार द्वारा एक्स पर पोस्ट किए जाने के बाद अटकलों ने ज़ोर पकड़ लिया, एनडीए के दो प्रमुख केंद्रीय मंत्री और शशि थरूर उपराष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं। कांग्रेस के साथ थरूर के मतभेद और मोदी सरकार के साथ उनकी नज़दीकियाँ, खासकर ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार के आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा बनने के बाद, पिछले कुछ दिनों से सुर्खियाँ बटोर रही हैं। ऐसी चर्चा ज़ोरों पर है कि उपराष्ट्रपति पद के लिए थरूर का नाम आगे आ सकता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नाम पर चर्चा तेज़ हो रही है। नड्डा भाजपा के वरिष्ठ नेता रहे हैं और प्रधानमंत्री मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के करीबी माने जाते हैं। भाजपा अध्यक्ष के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है और पार्टी उनके स्थान पर किसी और की तलाश में है। हालाँकि, ऐसी अटकलें हैं कि उन्हें भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित किया जा सकता है। इसके अलावा, भारत के अगले उपराष्ट्रपति पद के लिए सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का नाम भी चर्चा में है। हालाँकि, ये सभी अटकलें हैं क्योंकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है कि एनडीए या विपक्ष धनखड़ के उत्तराधिकारी के रूप में किसे प्रस्तावित करेगा। अगले उपराष्ट्रपति का चुनाव अगले 60 दिनों के भीतर होना है।

केमिकल से भरा टैंकर पलटा

रिटायर फौजी की दर्दनाक मौत

रायबरेली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर-उन्नाव हाईवे पर शाम करीब छह बजे केमिकल पदार्थ से भरा टैंकर पलट गया। इससे टैंकर के नीचे दबकर रिटायर फौजी की मौत हो गई, वहीं एक छात्र गंभीर रूप से झुलस गया। वहीं अन्य छात्र मामूली रूप से घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टैंकर के तेज रफ्तार होने से हादसा हुआ। यही वजह रही कि टैंकर हाईवे पर 50 मीटर तक घिसटता हुआ आगे निकल गया। केमिकल पदार्थ भरा होने से धुएं का गुबार उठा। इससे आसपास रहने वाले लोगों में अफरातफरी मच गई। हादसे से आवागमन भी प्रभावित रहा।

उन्नाव की तरफ से केमिकल लादकर टैंकर लालगंज की तरफ जा रहा था। सेमरी चौराहा के पास अचानक टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे टैंकर में भरा केमिकल पदार्थ जमीन पर गिरने लगा तो तेज धुएं का गुबार उठा। आसपास लोगों में भगदड़ मच गई। सेमरी चौराहा निवासी रिटायर फौजी जगदीश कुरील (46) पुत्र अयोध्या बाइक में पेट्रोल भराने के लिए पेट्रोलपंप जा रहे थे, जबकि बैरीसालखेड़ा निवासी प्रियांशू (15) गांव के ही दो दोस्तों संदीप (15), ओमजी (14) के साथ अलग-अलग साइकिलों पर सवार होकर कोचिंग पढ़ने के लिए सेमरी चौराहा आ रहे थे। रिटायर फौजी और प्रियांशू टैंकर के नीचे दब गए, जबकि संदीप, ओमजी को टक्कर लगने से दूर जा गिरे। हादसे में रिटायर फौजी की मौत हो गई, जबकि छात्र प्रियांशू केमिकल पदार्थ की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया। वहीं उनके दो साथी घायल हुए।

हादसा इतना दर्दनाक था कि रिटायर फौजी के शरीर का आधा हिस्सा हाईवे से नीचे जमीन पर गिर गया, जबकि शरीर का आधा हिस्सा टैंकर के नीचे दब गया। एक जेसीवी और तीन क्रेन की मदद से टैंकर को खड़ाकर हाईवे से बाहर कराया गया। चालक-क्लीनर मौके से भाग निकले। गंभीर रूप से झुलसे छात्र को सीएचसी लालगंज भेजा गया है।

वहीं घायल दो छात्रों का सीएचसी खीरों में इलाज कराया गया। हादसे में बाइक और साइकिलें क्षतिग्रस्त हो गई। सीओ लालगंज गिरजाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि हादसा कैसे हुआ, इसकी जांच कराई जा रही है।

18.67 करोड़ की लागत से बनेगा अत्याधुनिक फायर टेस्टिंग एंड ट्रेनिंग सेंटर : उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

पटना , 22 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि राज्य में 18.67 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक फायर टेस्टिंग एंड ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी गई है। यह सेंटर राज्य के युवाओं को अग्नि सुरक्षा, आपदा प्रबंधन और अग्निशमन सेवाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे उन्हें तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर रोजगार के नए

अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए राज्य का पहला सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फायर टेस्टिंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च लेबोरेट्री स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह सेंटर आईआईटी पटना के परिसर में स्थापित किया जाएगा, जिससे अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परीक्षण को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत भवन निर्माण, अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद तथा बुनियादी ढांचे के विकास पर 17.36 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा 1.31 करोड़ रुपये की राशि केंद्र के संचालन और रखरखाव के लिए निर्धारित की गई है, जो अगले पांच वर्षों तक प्रतिवर्ष खर्च की जाएगी। इस राशि का उपयोग मानव संसाधन, तकनीकी स्टाफ और प्रशासनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जाएगा।

सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार राज्य में अग्निशमन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के साथ-साथ अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। यह सेंटर न केवल प्रशिक्षण का हब बनेगा, बल्कि अग्नि सुरक्षा के क्षेत्र में बिहार को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिलाएगा।

राम जन्मभूमि परिसर में बनेगी रामायण कालीन पंचवटी, 20 एकड़ क्षेत्र में होगा निर्माण

अयोध्या, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

श्रीराम जन्मभूमि परिसर अब त्रेता युग की स्मृतियों को जीवंत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा चुका है। रामायणकालीन स्वरूप की कल्पना के अनुरूप 20 एकड़ क्षेत्र में पंचवटी विकसित की जा रही है, जो रामलला के भक्तों को न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करेगी बल्कि उन्हें त्रेता युग के प्राकृतिक परिवेश का भी अनुभव कराएगी।

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राम जन्मभूमि परिसर में विकसित होने वाली पंचवटी न केवल दर्शनीय स्थल होगी, बल्कि यह ध्यान, जप, साधना और रामायण श्रवण जैसी गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थल के रूप में विकसित होगी। यह श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक विश्राम स्थल जैसा होगा।

बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना का कार्यभार प्रसिद्ध इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी जीएमआर को सौंपा गया है।

पहले चरण में 10 एकड़ भूमि पर कार्य शुरू कर चुकी है। पंचवटी का निर्माण परिसर के दक्षिण दिशा में कुबेर टीला के समीप किया जा रहा है। बाकी भूमि को खाली कराया जा रहा है, जैसे-जैसे कंपनी को भूमि उपलब्ध कराई जाएगी, काम आगे बढ़ेगा। पंचवटी क्षेत्र में वृक्षों के साथ-साथ कुंड, जलस्रोत, पुष्पवाटिका और वानप्रस्थ आश्रम जैसी संरचनाएं विकसित की जाएंगी।

पंचवटी में रामायण में वर्णित 88 प्रकार के दुर्लभ और औषधीय पौधे भी रोपित किए जाएंगे। जो उस युग के जैविक जीवन और जैविक विविधता को दर्शाएंगे। पीपल, बरगद, बेल, आंवला, आम जैसे वृक्षों के साथ-साथ शमी, सीता अशोक, चंपा, कदंब, पलाश, पारिजात आदि पौधे रोपित किए जाने की योजना है।

सीता अशोक का पौधा श्रीलंका से आएगा। विदेश से कुछ अन्य पौधे भी आएंगे।

पंचवटी का निर्माण केवल सजावटी नहीं बल्कि धार्मिक और सांस्कृतिक प्रामाणिकता के साथ किया जा रहा है। इसके लिए रामायण, विशेषकर वाल्मीकि व तुलसीकृत रामायण के प्रसंगों का अध्ययन किया जा रहा है, ताकि उस युग की पंचवटी का वास्तविक स्वरूप जीवंत हो सके। कार्यदायी संस्था पंचवटी के हर तत्व को त्रेतायुगीन वातावरण के अनुरूप ढालने का प्रयास करेगी। यह पंचवटी केवल एक पर्यटक स्थल नहीं बल्कि, श्रद्धा, ध्यान और साधना के लिए विशेष केंद्र बनेगी।

अवैध कॉलोनी पर चला बीडीए का बुलडोजर, तीन भवनों को किया सील

बरेली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली विकास प्राधिकरण की ओर से अवैध कॉलॉनी व निर्माण पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। मंगलवार को टीम ने चार स्थानों पर कार्रवाई की। बीडीए की टीम पहुंचते ही अवैध निर्माण करा रहे लोगों के खलबली मच गई।

बीडीए की टीम ने सबसे पहले बिथरी चैनपुर के रामनगर गौंटिया में कार्रवाई की। यहां पर सात हजार वर्गमीटर के क्षेत्रफल में बीडीए से नक्शा स्वीकृत कराए बगैर सड़क, नाली एवं भूखंडों का आदि का कार्य करते हुए अवैध कॉलोनी का निर्माण व स्थल विकास कराया जा रहा था, जिसे टीम ने ध्वस्त कर दिया।

इसके बाद अगली कार्रवाई पीलीभीत रोड पर हुई। यहां पर बैरियर नंबर दो के पास 110 वर्गमीटर में कॉलम खड़े कर व्यावसायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था, जिसे सील किया गया। इसके बाद वहीं पर अमरुद्दीन के 160 वर्गमीटर के भवन में भूतल के ऊपर प्रथम तल का निर्माण कराया जा रहा था, जिसे सील किया गया।

वहीं, दानिश मलिक का पीरबहोड़ा के पास 140 वर्गमीटर के भवन में बिना अनुमति प्रथम तल का निर्माण कराया जा रहा था। इसे भी सील किया गया है। कार्रवाई के दौरान प्राधिकरण के अवर अभियंता अजीत कुमार, संयुक्त सचिव सीताराम, दीपक कुमार आदि मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम केशव का बड़ा आरोप

कांवड़ यात्रा में अपने लोगों को भेज कर माहौल खराब कर रही सपा

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे शक है कि कांवड़ यात्रा में सपा अपने लोगों को भेज कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रही है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, 'जहां भी कोई कांवड़ियों के भेष में माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है, वह कांवड़ियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। मुझे शक है कि समाजवादी पार्टी ऐसे लोगों को भेजकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रही है... भाजपा कानून के मुताबिक कार्रवाई करती है और जब वह कार्रवाई करती है तो तुष्टीकरण करने वालों को इससे तकलीफ होती है।

बता दें कि सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें कांवड़ यात्रा में जाने वाले लोग उपद्रव और तोड़फफोड़ कर रहे हैं। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी बयान दिया है और कहा कि जो लोग उपद्रव कर रहे हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, अब इसे लेकर उपमुख्यमंत्री केशव ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा है।

महिलाओं को योगी सरकार का तोहफा

1 करोड़ तक की संपत्ति पर मिलेगी स्टाम्प शुल्क में छूट

लखनऊ, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ रुपये तक मूल्य की संपत्ति (जैसे मकान, जमीन आदि) यदि किसी महिला के नाम खरीदी जाती है, तो उस पर स्टाम्प शुल्क में 1% की छूट मिलेगी। अब तक राज्य में यह छूट केवल 10 लाख रुपये तक की संपत्ति पर ही लागू थी, जिसमें अधिकतम 10 हजार रुपये तक की छूट मिलती थी। लेकिन अब सरकार ने इस छूट को बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये तक की संपत्ति पर लागू कर दिया है, जिससे महिलाओं को अधिक लाभ मिलेगा। मंगलवार शाम लोकभावन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में कुल 37 मद पारित किए गए। इसमें 11 अगस्त से विधानसभा के मॉनसून सत्र की शुरुआत का भी निर्णय लिया गया।

निर्णय की जानकारी देते हुए प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने बताया कि सरकार का मानना है कि इस फैसले से मध्यम वर्ग की महिलाओं को संपत्ति की मालिक बनने में मदद मिलेगी, जिससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा बल्कि वे समाज में आर्थिक रूप से अधिक सक्षम और सम्मानित बनेंगी। यह छूट मिशन शक्ति कार्यक्रम को भी मजबूती देगी, जिसके तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जा रहा है।

बजट 2024 में केंद्र सरकार ने भी महिलाओं के पक्ष में निष्पादित विलेखों पर स्टाम्प शुल्क कम करने की बात कही थी। उत्तर प्रदेश सरकार का यह फैसला उसी दिशा में एक सकारात्मक और प्रभावी कदम माना जा रहा है। इस पहल से महिलाओं के पक्ष में सम्पत्ति के स्वामित्व को सामाजिक सम्मान एवं आर्थिक वित्तीय स्वतन्त्रता को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, महिलाओं के नाम सम्पत्ति के पंजीकरण में भारी वृद्धि की सम्भावना है जिससे मिशन शक्ति के उद्देश्य पूर्ति में सहायता मिलेगी।

भूख से तड़पकर गोवंशों की मौत दो कंपनियों पर मुकदमा दर्ज

नगर निगम के अफसरों पर भी लटकी तलवार

मेरठ, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

परतापुर स्थित कान्हा उपवन गोशाला में भूख से मरे गोवंशों के मामले में प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह, प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी नाराजगी जताई है। इसके बाद नगर आयुक्त के निर्देश पर सोमवार को सहायक नगर आयुक्त ने परतापुर थाने में मैसर्स जैन कंप्यूटर सदर मेरठ और शिवम इंटरप्राइजेज कुशीनगर के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया दिया गया। नगरायुक्त ने दोनों कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया।

इन दोनों कंपनियों द्वारा ही कर्मचारियों को गोशाला में तैनात किया गया था। ये कर्मचारी बिना सूचना के गैरहाजिर रहे और कई दिनों तक गोवंशों को चारा-पानी नहीं मिला। प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरपाल सिंह विभागीय जांच के साथ-साथ आय से अधिक संपत्ति की भी जांच हो सकती है।

गोशाला में 2547 गोवंश हैं। गोवंशों की दुर्दशा की एक के बाद एक परतें खुल रही हैं। प्रभारी नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हरपाल और दस कर्मचारी हटाकर नगर निगम अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं पाएगा। यह मामला मुख्यमंत्री तक पहुंचा गया है। उन्होंने जिम्मेदार सभी अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दे दिए हैं। इसके बाद से जिला प्रशासन और नगर निगम में खलबली मची है। प्रमुख सचिव नगर विकास और कमिश्नर हृषिकेश भास्कर यशोद ने अफसरों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए नगर आयुक्त को पत्र लिख दिया है।

इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त शरद पाल ने गोशाला में गोवंशों की देखरेख करने वाली दोनों कंपनियों पर मुकदमा दर्ज कराया है। स्पष्टीकरण का जवाब न देने पर नगर आयुक्त ने दोनों कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। बताया गया है कि गोशाला की मॉनिटरिंग और पत्राचार करने वाले बाबू विकास को भी निलंबित किया गया है। हालांकि इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नगर आयुक्त सौरभ गंगवार ने सोमवार दोपहर को गोशाला का निरीक्षण किया। अपर नगर आयुक्त पंकज कुमार और सहायक नगर आयुक्त शरद पाल को लगातार गोवंशों की मॉनिटरिंग के लिए लगाया गया है। गोशाला में सफाई के साथ गोवंशों के रखरखाव और खाने-पीने की व्यवस्था कराने की बात कही। गोशाला में निर्माण विभाग के अवर अभियंता को भी बुलाया गया। टीनशेड से लेकर गोशाला में निर्माण कार्य कराने के लिए टेंडर की प्रक्रिया जल्द पूरा करने की बात कही। निगम की गोशाला के लिए 15000 वर्ग मीटर जमीन है। इसको बंधनमुक्त करने के लिए लिखापढ़ी शुरू करा दी।

गोशाला में 15 दिन में बदलाव नजर आएगा। अस्थायी गोशाला के साथ कान्हा उपवन को भी बेहतर बनाएंगे। चारा, खल-चूरी, चोकर और उनके रखरखाव के लिए काम कराया जा रहा है। गंभीर बीमार से ग्रस्त गोवंशों को इलाज के लिए तुरंत पशु चिकित्सालय भेजना सुनिश्चित किया गया है। इसके लिए गाड़ी उपलब्ध करा दी गई है। सीसीटीवी लगाए हैं और अधिकारियों को मॉनिटरिंग के लिए लगाया गया है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं करूंगा।

तेंदुए की दहशत : खेतान फैक्टरी में जमाए है डेरा, पेड़ पर मिले पंजे के निशान

बरेली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

बरेली के हाफिजगंज इलाके में बीते एक माह से एक तेंदुआ दहशत का पर्याय बना हुआ है। यह तेंदुआ बंद खेतान फैक्टरी व आसपास के इलाके में देखा जा चुका है। उसे पकड़ने के लिए डीएफओ बरेली ने एनिमल केयर सोसायटी मेरठ पश्चिमी उत्तर के प्रभारी को बुलाया। उन्होंने मंगलवार को फैक्टरी परिसर का निरीक्षण किया। दावा किया कि तेंदुआ फैक्ट्ररी परिसर में ही मौजूद है। फैक्टरी को उसने विश्राम स्थल बना रखा है। उन्होंने अनुमान लगाया कि पहले भी यह तेंदुआ पिंजरे में फंस चुका होगा, इस कारण पिंजरा देखकर सर्तक है।

हाफिजगंज के गांव फैजुल्लापुर स्थित खेतान फैक्टरी परिसर में तेंदुआ एक माह से डेरा जमाए हुए हैं। सूरज ढलने के बाद तेंदुआ दीवार फांदकर शिकार के लिए निकलता है। कुत्तों, बत्तख और अन्य जंगली जानवरों को निशाना बनाकर फैक्टरी परिसर में पेड़ पर बैठकर खाता है। इस बात की पुष्टि एनिमल केयर सोसायटी मेरठ पश्चिमी उत्तर के प्रभारी जीएस खुशालिया ने की। उन्होंने फैक्टरी परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया।

जीएस खुशालिया ने फैक्टरी के रास्ते पर तेंदुआ के पगचिह्न देखे, जिन्हें देखकर नर तेंदुआ होना बताया। फैक्टरी की दीवार पर जानवर खाए जाने के अवशेष मिले।

मेन रोड पर अर्जुन के पेड़ पर तेंदुआ द्वारा चढ़ने उतरने पर छपे नाखून के निशान मिले हैं। पड़ोसी मो यासीन फार्म के मैनेजर मुस्तकीम ने बताया कि तेंदुआ उनके परिसर से अब तक तीन कुत्ते व दो बत्तख को अपना निवाला बना चुका है। एक कुत्ते को जख्मी कर दिया है।

उन्होंने बताया कि फैक्टरी परिसर को तेंदुआ ने अपना विश्राम स्थल बना लिया है। उसको पकड़ने के लिए पिंजरे का स्थान बदलना होगा। उन्होंने बताया कि किसान अगर खेत की तरफ जाते हैं तो समूह में जाएं।

लाल कपड़े का इस्तेमाल करें। उधर, गांव उदरनपुर, पंडरी नोमहला, हरहरपुर, काशीपुर, गौंटिया आदि गांवों में भी तेंदुआ देखा गया है, जिससे ग्रामीणों में दहशत है।

बुजुर्ग मां-बाप को बिठाया कांवड़ में, 120 किलोमीटर की कराई यात्रा, जिसने देखा, देखता रह गया

हाथरस, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

सहपऊ क्षेत्र के गांव बुढ़ाइच निवासी बेटों, बहुओं और पोतों ने बुजुर्ग दंपती को पहले बदायूं के कछला घाट पर गंगा स्नान कराया। इसके बाद कांवड़ में उनको बैठाकर 120 किमी की पैदल यात्रा करने के बाद गांव के नीलकंठ महादेव मंदिर पर पहुंचे और गंगाजल से भोलेनाथ का अभिषेक कराया। गांव बुढ़ाइच निवासी राजकुमार ने अपने 92 वर्षीय पिता पोतीराम और 85 वर्षीय माता अमान देवी को कांवड़ में बैठाकर बदायूं के कछला गंगा घाट से यात्रा शुरू की। सोमवार की सुबह करीब 10 बजे वह अपने गांव पहुंचे। इस यात्रा में राजकुमार की पत्नी विमलेश व 13 वर्षीय बेटे निशांत के साथ पोतीराम के बड़े बेटे वीरेंद्र कुमार के बेटे योगेश कुमार व उनकी पत्नी यशवती देवी, जितेंद्र कुमार व उनकी पत्नी गीता देवी भी शामिल थीं। यह परिवार बारी-बारी से श्रवण कांवड़ को कंधे पर उठाकर हर-हर महादेव के जयकारों के साथ प्रतिदिन लगभग 20 किलोमीटर की यात्रा करते हुए गांव पहुंचा। पोतीराम और अमान देवी ने बताया कि यह यात्रा उनके बुजुर्ग दादा-दादी की मनोकामना पूरी करने के लिए है। कछला गंगा घाट से 16 जुलाई को गंगाजल लेकर ये सभी गांव के लिए रवाना हुए थे। अमान देवी ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज मेरा सपना पूरा हो गया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मेरे पुत्र, पुत्रवधू और पोते मुझे व मेरे पति को कांवड़ से यात्रा कराके लाए हैं।

गौरतलब है कि यह परिवार पिछले वर्ष भी इसी तरह बुजुर्ग दंपती को कांवड़ यात्रा करवा चुका है। राजकुमार ने बताया कि एक वर्ष पूर्व भी उन्होंने अपने भतीजों के साथ मिलकर अपने माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर यात्रा कराई थी। सोमवार की सुबह सहपऊ पहुंचने के बाद इस परिवार के सदस्यों ने मां भद्रकाली मंदिर पर पहुंचकर माथा टेका। इसके बाद गांव पहुंचकर नीलकंठ महादेव का गंगाजल से अभिषेक किया। यह परिवार पिछले वर्ष भी इसी तरह बुजुर्ग दंपती को कांवड़ यात्रा करवा चुका है। राजकुमार ने अपने भतीजों के साथ मिलकर अपने मां-बाप को कांवड़ में बैठाकर यात्रा कराई थी।

संपादकीय

कर्ज के बावजूद 'रेवड़ियां'

मुफ्त बिजली की 'रेवडियां' बांटने के कारण राज्यों पर 96 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह राशि भारत के सालाना राष्ट्रीय बजट से भी बहुत अधिक है। इस कर्ज पर 13 फीसदी ब्याज देना पड़ रहा है। 'ग्लोबल साउथ' के किसी भी देश की इतनी अर्थव्यवस्था नहीं है। एक राष्ट्र के तौर पर भारत पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत नागरिक पर 4 लाख रुपए से अधिक का कर्ज है, लेकिन देश के सामने यह कभी भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इतना कर्ज क्यों है? कर्ज किस वास्ते लेना पड़ा? यह स्थिति तब है, जब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक की अर्थव्यवस्था वाला देश है और विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। चूंकि ताजातरीन मामला बिहार का है, तो वह भी 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज में डूबा है, जबकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए सालाना से कम है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। बेशक यह नितांत 'चुनावी रेवड़ी' है। बिहार में अगस्त माह में जो घरेलू बिल आएंगे, उनमें जुलाई के दौरान 125 यूनिट बिजली की खपत करने वालों का बिल 'शून्य' होगा। अजीब विरोधाभास यह है कि नीतीश कुमार मुफ्त बिजली सरीखी 'चुनावी रेवडियों' के धुर विरोधी रहे हैं। विधानसभा के भीतर और बाहर सार्वजनिक तौर पर उन्होंने 'रेवडियों' के खिलाफ बयान दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी खुले मंच से कह चुके हैं कि 'मुफ्त रेवडियां' देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर सकती हैं, लेकिन बिहार में क्या हुआ? वहां तो भाजपा सरकार में है। यही नहीं, भाजपा शासित राज्यों-दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उप्र, उत्तराखंड, मप्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा से लेकर महाराष्ट्र-में भी 'मुफ्त बिजली' मुहैया कराई जा रही है। बेशक 'रेवडियों' की यह चुनावी परंपरा अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में 200 यूनिट बिजली मुफ्त बांट कर शुरू की थी। उनकी यह 'चुनावी रेवड़ी' पंजाब में भी बेहद कामयाब साबित हुई और आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बनी। उसके बाद 'आप' ने तो इसे 'चुनावी करिश्मा' बना लिया। देखा-देखी भाजपा और कांग्रेस ने भी खूब 'रेवडियां' बांटीं। कांग्रेस की तीन राज्य सरकारें मुफ्त बिजली बांट रही हैं। यह दीगर है कि उन राज्यों पर भी लाखों करोड़ रुपए के कर्ज हैं। तमिलनाडु में विपक्षी दल द्रमुक की सरकार है और उस पर 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है, लेकिन सरकार पॉवरलूम कर्मचारियों को 1000 यूनिट तक बिजली मुफ्त दे रही है। दरअसल इन सरकारों और राजनीतिक दलों को देश की अर्थव्यवस्था की जरा-सी भी चिंता नहीं है। दिल्ली अद्र्धराज्य है, संघशासित क्षेत्र है। वहां भारत सरकार और संसद भी है। दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। दिल्ली महानगर के निवासियों को किसी 'मुफ्त रेवड़ी' की जरूरत ही नहीं है, लेकिन चुनाव जीतने के लिए यह हथकंडा भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, तो उसने 'आप' सरकार की 200 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना जारी रखी है। नीतीश कुमार जब पहली बार मुख्यमंत्री बने और उनकी सत्ता को स्थायित्व मिला, तो उन्होंने महिलाओं की खातिर राज्य में शराबबंदी लागू की। हालांकि उन्हें एहसास था कि इससे खजाने को करोड़ों का घाटा होगा, लेकिन सामाजिकता की खातिर उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि शराबबंदी पूरी तरह नाकाम रही, लेकिन उसका राजनीतिक और चुनावी प्रभाव गहरा रहा। अब बिजली बोर्ड और बिजली वितरण कंपनियों के व्यापक घाटे के बावजूद मुख्यमंत्री ने मुफ्त बिजली मुहैया कराने का निर्णय लिया है, तो वह भी जनता को राहत और सुविधा पहुंचाने के मद्देनजर किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार बिजली बोर्डों के वित्तीय संकट और घाटे का मुद्दा देश के सामने रखा था। सरकार ने लाखों करोड़ रुपए के 'बेल पैकेज' राज्य बिजली बोर्डों को दिए हैं, लेकिन अब भी कर्ज कितना है, यह देश के सामने है। बिहार सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की घोषणा की है, लेकिन उससे पहले बिहार से अपराध का खात्मा किया जाए।

'ग्लोबल साउथ' के किसी भी देश की इतनी अर्थव्यवस्था नहीं है। एक राष्ट्र के तौर पर भारत पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। औसत नागरिक पर 4 लाख रुपए से अधिक का कर्ज है, लेकिन देश के सामने यह कभी भी स्पष्ट नहीं किया गया कि इतना कर्ज क्यों है? कर्ज किस वास्ते लेना पड़ा? यह स्थिति तब है, जब भारत 4 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक की अर्थव्यवस्था वाला देश है और विश्व में चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। चूंकि ताजातरीन मामला बिहार का है, तो वह भी 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक कर्ज में डूबा है, जबकि उसकी प्रति व्यक्ति आय 70,000 रुपए सालाना से कम है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली मुफ्त देने की घोषणा की है। बेशक यह नितांत 'चुनावी रेवड़ी' है। बिहार में अगस्त माह में जो घरेलू बिल आएंगे, उनमें जुलाई के दौरान 125 यूनिट बिजली की खपत करने वालों का बिल 'शून्य' होगा। अजीब विरोधाभास यह है कि नीतीश कुमार मुफ्त बिजली सरीखी 'चुनावी रेवडियों' के धुर विरोधी रहे हैं। विधानसभा के भीतर और बाहर सार्वजनिक तौर पर उन्होंने 'रेवडियों' के खिलाफ बयान दिए हैं।

कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही

निरंकुश अभिव्यक्ति से जुड़े सुप्रीम फैसलों का स्वागत हो

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति की सुनवाई करते हुए समय-समय पर जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वहीं एक संतुलित एवं आदर्श राष्ट्र एवं समाज व्यवस्था का आधार भी है। सोशल मीडिया मंचों पर एंटी सोशल अभिव्यक्ति के चलते उपजी विभाजनकारी एवं विध्वंसकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश की जरूरत बताते हुए देश की शीर्ष अदालत ने आत्म-नियमन, वाणी संयम एवं विचार संयम की जरूरत बतायी है। धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े अनेक मामलों के साथ-साथ ताजा मामले में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझते हुए इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए। आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों एवं टीवी चैनलों पर ऐसी सामग्री परोसी एवं प्रस्तुत की जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन

अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने चेताया है कि यदि सोशल मीडिया पर विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर अंकुश नहीं लगता तो सरकार को हस्तक्षेप करने का मौका मिलता है, जो एक अच्छी स्थिति नहीं होगी। आज सोशल मीडिया, समाचार चैनलों और राजनीतिक मंचों पर जिस प्रकार की उग्र भाषा, झूठे आरोप, धार्मिक विद्वेष और भावनात्मक उकसावे देखे जा रहे हैं, वे न केवल समाज को विभाजित कर रहे हैं, बल्कि लोकतांत्रिक संवाद की गरिमा को भी ठेस पहुँचा रहे हैं। यही वजह है कि कोर्ट को कहना पड़ा कि वह नियमन के लिये दिशा-निर्देश जारी करने पर विचार कर रही है। दरअसल, अदालत का मानना था कि भारत के संविधान का अनुच्छेद 19(1)(ए) नागरिकों को 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' देता है, इसके तहत प्रत्येक नागरिक को विचार, वाणी, लेखन, चित्रण आदि के माध्यम से स्वतंत्र रूप से अपनी बात कहने का अधिकार है। लेकिन आज इस अधिकार के दुरुपयोग की घटनाएं जिस प्रकार सामने आ रही हैं, वह चिंता का विषय बन चुकी हैं। इसलिए आज जरूरत है विचार संयम और वाणी संयम की। इसीलिये अनुच्छेद 19(2) इसके कुछ 'उचित प्रतिबंध' भी निर्धारित करता है जैसे भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, राज्य की अखंडता, लोक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, अश्लील या अनैतिक भाषण, अदालत की अवमानना, मानहानि, अपराध के लिए उकसावा एवं अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों से जुड़ी अराजकता पर प्रतिबंध, इन प्रतिबंधों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्वतंत्रता का उपयोग अनुशासन और राष्ट्रीय हितों की मर्यादा में हो। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली आजादी असीमित कदापि नहीं है। ताजा मामलों में कई राज्यों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के नियमन को लेकर सरकारी कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। कई जगह विचारों की अभिव्यक्ति व कार्टून आदि बनाने को राजनीतिक दुराग्रह बताते हुए लोगों को गिरफ्तार तक किया गया है। जिसे राजनीतिक दलों द्वारा बदले की भावना से की कार्रवाई बताया जाता रहा है। आरोप लगाया जाता रहा है कि सत्तारूढ़ दल की विचारधारा के अनुरूप अमर्यादित एवं अशालीन अभिव्यक्ति के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया जाता। लेकिन दूसरे राज्य में अन्य राजनीतिक दल की सरकार में यही अभिव्यक्ति अपराध बन जाती है। कोई नहीं चाहता कि आम नागरिक की अभिव्यक्ति की आजादी को सरकार नियंत्रित करे। सही मायनों में लोगों को समझना चाहिए कि देश की एकता व अखंडता बनाये रखना मौलिक कर्तव्य ही है। अदालत ने इस बाबत सवाल भी किया कि नागरिक स्वयं को संयमित क्यों नहीं कर सकते? राजनीतिक दल, धार्मिक नेता या उग्रवादी कार्यकर्ता क्यों समाज में विषवमन करते हुए विवादास्पद एवं वर्ग-धर्म विशेष के लोगों की भावनाओं को आहत करने वाले कटू एवं कड़वे बयान देते हैं? कोर्ट का मानना था कि लोग तभी अभिव्यक्ति की आजादी का आनन्द ले सकते हैं जब यह संयमित ढंग से व्यक्त की जाए। शीर्ष अदालत की पीठ का मानना था कि नागरिकों के बीच भाईचारा होना चाहिए, तभी समाज में नफरत से मुकाबला किया जा सकता है। तभी हम गंगा-जमुनी सांझा संस्कृति के राष्ट्र एवं समाज का निर्माण कर सकते हैं। आज के दौर में हमें विचार संयम और वाणी संयम को अपनी संस्कृति और लोकतंत्र की आधारशिला बनाना होगा। जैसाकि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि "बोलने से पहले तीन बार सोचो, क्या यह सत्य है? क्या यह आवश्यक है? क्या यह दूसरों को आहत तो नहीं करेगा?" संविधान हमें अधिकार देता है, लेकिन उसके साथ आत्मानुशासन और समाजहित की अपेक्षा भी करता है। यदि हम इसे समझ लें, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक सशक्त और समरस बन सकता है। अभिव्यक्ति की आजादी लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन जब यह सीमा पार करती है तो देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को खतरा उत्पन्न होता है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार यह संदेश दे रहा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी और मर्यादा जुड़ी है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का भी मानना था कि "यदि आपके शब्द राष्ट्र को प्रेरित करने की बजाय भटकाने लगे, तो वह आजादी नहीं, अराजकता है।" सोशल मीडिया आज एक ऐसा ही अस्त्र बन गया है जो जरा सी चूक से घातक साबित हो सकता है। वास्तव में हर नागरिक को इतना सचेत व जागरूक होना जरूरी है कि वह विभिन्न स्रोतों से आने वाली सामग्री से जुड़ी मंशा को समझ सके।

धर्म विशेष के देवी-देवताओं के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट के चलते कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हुई एवं यह याचिका दायर की गई। दरअसल, जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर इसी याचिका पर विचार करते हुए कहा कि समाज में विद्वेष, घृणा व नफरत फैलाने वाले संदेश समरसता, सौहार्द एवं सद्भावना के भारतीय परिवेश के लिये गंभीर चुनौती बने हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। अदालत का कहना था कि नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही इस अधिकार का इस्तेमाल करते हुए आत्म-संयम बरतना चाहिए।

कुछ अलग

अब सूखा कब पड़ेगा?

बारिश से घर टूट गए। बादल फटे तो घर मलबे में बदल गए। नदी ने घरों को बहा दिया। और नेता लोग अपने घरों से बाहर निकल पड़े। फेसबुक पर तस्वीरों की बाढ़ आ गई। जिधर देखो, उधर नेता। बयानबाजी की राहत आई, मगर आपदा पीड़ित लोग खाली हाथ ही रहे। नेता आए, हाथ जोडक़र आशीर्वाद दिया, फिर उन्हीं हाथों से सबको दूर से टा-टा बाय-बाय कहकर निकल लिए। नेता लोग भी बाढ़ जैसे आते हैं- अचानक, और बादलों जैसे ही गायब हो जाते हैं। फेसबुक पर उनके दानवीर होने की कहानियां भक्तजन आगे से आगे फॉरवर्ड करते हैं। अब जनता के मन में तैरता सवाल है- अगली बार नेता लोग कब आएंगे? कोई कहता है- अब सूखा पड़ेगा, तभी आएंगे।

देश दुनिया से

क्या यही है शिक्षक का सम्मान?

शिक्षा विभाग में आए दिन नए नए परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। मानो शिक्षा विभाग कोई प्रयोगशाला है। बात चाहे छुट्टियों की हो या पठन-पाठन प्रक्रिया की हो। हाल ही में दो निर्णय ऐसे शिक्षा विभाग द्वारा लिए गए हैं जो किसी भी संवेदनशील अध्यापक को मर्मान्तिक वेदना पहुंचाने के लिए पर्याप्त हैं। इनमें से एक है कि प्राकृतिक आपदा के कारण यदि आकस्मिक अवकाश विद्यालयों में घोषित किया जाता है, तो वह केवल छात्रों के लिए होगा। टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ को विद्यालय में आना अनिवार्य है। अन्य विभागों के कर्मचारियों की तर्ज पर शिक्षकों को अनिवार्य रूप से अपने कार्यालय में उपस्थिति दर्ज करवानी है। एक शिक्षक बंधु ऐसे सरकारी फरमान की बलि चढ़ गया। मंडी जिला के थुनाग क्षेत्र में बादल फटने की घटना से किसका मन नहीं पसीजा होगा? सरकारी आदेश के कारण अपनी सेवाएं देने के लिए मौसम के खराब होने पर भी घर से निकले सराज क्षेत्र की उच्च पाठशाला में टीजीटी के पद पर कार्यरत अध्यापक सोहन सिंह, जो एक समर्पित शिक्षक थे, उस हादसे का शिकार बन गए जिनका शरीर भी अभी तक परिवार को नहीं मिला। विभाग के ऐसे आदेश शिक्षकों के प्रति किस मानसिकता के परिचायक हैं, यह विचारणीय है। एक शिक्षक जिससे शिक्षा प्राप्त कर लोग विभिन्न विभागों में और उच्च पदों पर सेवाएं देने में सक्षम होते हैं, उस आधार को ही समाप्त कर देना चाहते हैं? जिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जानी चाहिए उन्हें कटघरे में खड़ा कर विकास के सपने देखने वालों को नैतिक शिक्षा देने में शायद शिक्षक ही चूक गए हैं। या कारण और भी हैं, ये जानने का प्रयास भी किया जाना चाहिए। दूसरा फरमान जारी हुआ है शिक्षकों के सम्मान को लेकर। शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को सम्मानित करने की प्रथा है। एक न्यूज चैनल पर प्रसारित है- 'राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025: हिमाचल प्रदेश के शिक्षकों से आवेदन करने का आह्वान। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग ने राज्य भर के शिक्षकों से आग्रह किया है कि वे राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2025 के लिए आवेदन कर इस प्रतिष्ठित सम्मान प्रक्रिया में भाग लें। यह पुरस्कार भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित किए गए हैं। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को प्रति वर्ष शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार उन शिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी नवाचार, समर्पण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य किया हो। इस वर्ष मंत्रालय ने सरकारी एवं सहायता प्राप्त स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों से स्व-नामांकन आमंत्रित किए हैं। ऐसे शिक्षक जो शिक्षण और समुदाय के बीच सकारात्मक प्रभाव डालने में सफल रहे हैं, वे निम्नलिखित पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।' देश के राष्ट्रपति रहे माननीय राधाकृष्णन सर्वपल्ली जी ने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर शिक्षक होने के गौरव और सम्मान को बढ़ाया था। उसी दिन से शिक्षा जगत में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने की परंपरा का निर्वहन किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों द्वारा आवेदन किया जाता है। या यूं भी कह सकते हैं कि शिक्षक अपनी योग्यताएं बताते हैं कि हमने फलां फलां कार्य किए हैं, हमें सम्मानित किया जाए। क्या यही शिक्षक सम्मान है? क्या आज के तकनीकी युग में विभाग के पास ऐसे प्रावधान नहीं हैं कि वास्तव में सम्मान के अधिकारी शिक्षकों का चयन वे निष्पक्ष होकर स्वयं कर सकें। साथी शिक्षकों का अपमान कर सोशल मीडिया पर अपनी उपलब्धियों का दिखावा करने वाले स्कूल प्रमुख यदि सम्मान पाते हैं, यदि केवल तस्वीरों को आधार बना कर मूल्यांकन करना सम्मान की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उचित कदम है, तो रुकिए और विचार कीजिए हम किस दिशा और दशा की तरफ देश की शिक्षा व्यवस्था को ले जा रहे हैं। एक बात और स्पष्ट कहना चाह रही हूं कि जब कार्य सम्मान को पाने की चाह में किया जाता है तो उसमें दिखावा अधिक और वास्तविकता कम होती है। शिक्षाविदों को, अधिकारियों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। सम्मान पाने का वास्तविक अधिकारी कौन है? जो सरकारी फरमानों की बलि चढ़ गया या वो जिसने अपना सरकारी सेवाकाल उन दस्तावेजों को तैयार करवाने में लगा दिया ताकि वह शिक्षक सम्मान प्राप्त कर सके। जिसने सम्मान प्राप्ति की चाहत में न जाने कितने शिक्षकों के आत्मसम्मान को कुचल दिया। न जाने कितने छात्रों के जीवन और भविष्य को दाव पर लगा दिया। ऐसे महत्वाकांक्षी व्यक्ति जब शिक्षक दिवस पर सम्मान के अधिकारी घोषित किए जाएंगे तो निश्चित रूप से पूरी शिक्षा व्यवस्था का ढांचा चरमरा कर गिर जाएगा। आवेदक शिक्षक बंधुओं को विचार करना चाहिए कि उनकी गरिमा क्या है? उस सम्मान के क्या मायने हैं, जो मांगने पर मिलता है। क्या ये सब करके हम उस महापुरुष की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि दे पाएंगे, जिन्होंने देशहित के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। दोनों फरमानों को ध्यान में रखते हुए जरा सोचिए अपने अन्तर्मन को टटोलिए कि क्या यही शिक्षक का सम्मान है? आज देश को ऐसे शिक्षकों की आवश्यकता है जो सही मायने में छात्रहित और देशहित के लिए कार्य करते हैं। दिखावे के लिए या तस्वीरें खिंचवाने के लिए काम नहीं करते। स्कूलों में यदि नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं तो वे कितने छात्रहितकारी हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि वेलफेयर फंड किसी की महत्वाकांक्षा की भेंट चढ़ रहा है। सरकारी स्कूलों में नौकरी पाने वाले अध्यापक बहुत कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजरते हैं, तब वे सरकारी शिक्षक बनते हैं। ऐसे शिक्षक निश्चित रूप से अपनी बेहतरीन सेवाएं देकर छात्रों को लाभान्वित कर सकते हैं। जिस भी विषय को पढ़ाने के लिए वे चयनित होकर आए हैं, यदि उस विषय में वे छात्रों को पारंगत बनाते हैं तो निश्चित रूप से सम्मान के अधिकारी हैं। यदि विज्ञान पढ़ाने वाला अध्यापक अपने छात्रों में रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान का प्रयोग करना सिखा देता है तो उसका अध्यापन तो सफल हो गया। यदि हिंदी पढ़ाने वाला अध्यापक छात्रों को साहित्य का मर्म समझा पाया, तो वह सम्मान का हकदार है।

आप का नजरिया

गंदगी के ताबूत में शहर

शहरों की स्वच्छता सुबह कूड़े के एकत्रिकरण में देखी जा सकती है, जब सारा बोझ बाहरी प्रदेशों से ठेके पर आए मजदूर दिहाड़ी के हिसाब से कर रहे होते हैं। सब्जी मंडियों के गले-सड़े और बचे हुए सामान पर नगर निकायों का रूमाल नजर नहीं आता। फास्ट फूड या फूड मॉर्ट के डिब्बों पर अपने स्वाद पर मुंह मारता समाज, इसे सडक़ पर ठिकाने लगाता है, तो आवारा पशुओं की महफिल में सारा बाजार नरक हो जाता है। हमारी व्यथा हमारे घरों से और हमारी असमर्थता हमारी व्यवस्था से है। भले ही हिमाचल ने नगर निकायों को नगर निगमों की सियासत तक पहुंचा दिया, लेकिन शहरीकरण के ताबूत में एक मरी हुई व्यवस्था, जागने का अभिनय कर रही है। जागने के अभिनय में केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की रैंकिंग को देखें, तो प्रदेश की राजधानी शिमला में रची बसी सरकार, पार्टियों के चमत्कार और ब्यूरोक्रेसी के हुंकार की मुर्दा रुह मिलेगी। राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ शहरों की सूरत में शिमला का प्रस्थान 188वें स्थान से 347वें पर हो गया, तो ऐसे शहर के माल रोड पर चलते हुए हमारे कदम रुके क्यों नहीं। क्या राजधानी को पर्यटन ने गंदा किया, बढ़ते वाहनों ने मंदा किया। स्वच्छता में गिरी राजधानी की तस्वीर में किसका चेहरा देखें। आश्चर्य यह कि राजधानी वीआईपी हो गई या शिमला वीआईपी हस्तियों का मक्का बन गया, मगर शहर की हस्ती पर तरस आता है कि हम मोहल्लों की सियासत में मशगूल हो कर भूल गए कि राज्य की प्रतिष्ठा में, स्वच्छता के दाग हमारा अस्तित्व भी एक दिन रौंद देंगे। वैसे प्रसन्न होने के लिए राज्य के अपने मानकों की प्रशंसा में शिमला खुश हो सकता है कि यहां के 66 शहरी निकायों में ठियोग और नादौन के बाद उसका नंबर आ गया। हम शहरीकरण को समस्या के रूप में देख रहे हैं, जबकि समाधान की औकात में इससे संबंधित विभागीय रुतबा ही कंगाल है। सर्वेक्षण की भुजाओं में सुबाथू छावनी ने सुधार कर लिया, जबकि डलहौजी, बकलोह, जतोग, डगशाई व कसौली जैसे सैन्य क्षेत्रों में स्थिति में जवाबदेही व प्रबंधन दिखाई देता है। यहां सर्वेक्षण से बाहर हुए योल कैंप की व्यथा पर गौर करें, तो समझ में आएगा कि राजनीति अपने फायदे के लिए नरक को कैसे पसंद करती है। प्रदेश के सबसे अहम व बड़े छावनी क्षेत्र योल को अब इससे हटाकर सामान्य बना दिया गया। यानी एक शहरी व्यवस्था को दशकों बाद पंचायती राज के कूड़ेदान में इसलिए डाल दिया गया, क्योंकि हिमाचल का नागरिक समाज भी अनुशासन में नहीं रहना चाहता। सरकार एक तुलनात्मक अध्ययन करवा कर देख सकती है कि कल का योल कैंप आज क्यों कूड़े का ढेर बन गया। कल बाकी छावनी क्षेत्र जब भी मुक्त होंगे, तो फासले गंदगी के और करीब होंगे। बेशक राज्य के पैमाने में ठियोग शिखर पर और नादौन दूसरे स्तर पर आ गया, लेकिन सवाल यह है कि अगर हमारा स्वच्छता अभियान इन शहरों में बुलंदी पर आंका गया, तो बाकी नगरों में गंदगी भी एक रैंकिंग है। शायद किसी बहाने या मुहाने पर छिप जाए, तो एक दिन सर्वेक्षण उनके नाम भी सिद्ध हो जाए। हिमाचल को शहरीकरण की मानसिकता में दुरुस्त करने के लिए टीसीपी कानून के तहत और राजनीति से ऊपर उठ कर विचार करना होगा। जाहिर तौर पर टीसीपी महकमे का दायित्व संभाले राजेश धर्माणी कई मौलिक चिंतन व फैसले कर रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में भवन निर्माण की क्षेत्रीय योजनाएं अगर बनती हैं, तो नवनिर्माण केवल ड्राइंग नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के मुताबिक विकास की रूपरेखा का निर्धारण भी होगा। जो प्रदेश अपने पर्यावरणीय शक्ति एवं सामथ्र्य से उत्तर भारत को शुद्ध हवा व जल का प्रबंध कर रहा हो, उसके अपने शहरों में स्वच्छता के मानदंड अगर स्थापित नहीं हो रहे, तो कुछ नए कदम लेने होंगे। कूड़ा-कर्कट प्रबंधन की दृष्टि से पूरे प्रदेश में एक तंत्र, प्रक्रिया व अधोसंरचना निर्माण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

सब्जी मंडियों के गले-सड़े और बचे हुए सामान पर नगर निकायों का रूमाल नजर नहीं आता। फास्ट फूड या फूड मॉर्ट के डिब्बों पर अपने स्वाद पर मुंह मारता समाज, इसे सडक़ पर ठिकाने लगाता है, तो आवारा पशुओं की महफिल में सारा बाजार नरक हो जाता है। हमारी व्यथा हमारे घरों से और हमारी असमर्थता हमारी व्यवस्था से है। भले ही हिमाचल ने नगर निकायों को नगर निगमों की सियासत तक पहुंचा दिया, लेकिन शहरीकरण के ताबूत में एक मरी हुई व्यवस्था, जागने का अभिनय कर रही है। जागने के अभिनय में केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की रैंकिंग को देखें, तो प्रदेश की राजधानी शिमला में रची बसी सरकार, पार्टियों के चमत्कार और ब्यूरोक्रेसी के हुंकार की मुर्दा रुह मिलेगी।

दृष्टि कोण

सड़क हादसों में मौत को कैसे रोकें?

पंजाब से एक बड़ी दुखद खबर आई है कि भारत के सबसे उम्रदराज धावक फौजा सिंह को एक वाहन ने टक्कर मार दी और उनका निधन हो गया। मैराथन चैंपियन फौजा सिंह 114 साल के थे और उन्होंने सारी दुनिया में भारत की पताका फहराई थी। संगरूर में सुबह घर के बाहर टहलते हुए उनकी मौत हो गई। उन्होंने 100 वर्ष की उम्र में टोरंटो मैराथन जीतकर इतिहास रच दिया था। यह घटना चौंकाने वाली ही नहीं है, बल्कि यह उस भयानक स्थिति की ओर इंगित करती है जिससे आज पूरा भारत जूझ रहा है। भारत अब सडक़ दुर्घटनाओं का देश हो गया है और हर साल लाख से भी ज्यादा लोग काल कलवित हो रहे हैं। यह बात बहुत हैरान करने वाली है कि भारत में दुनिया के सिर्फ एक प्रतिशत वाहन हैं, लेकिन सडक़ दुर्घटनाओं में होने वाली मौतें 11 प्रतिशत हैं। पिछले चार सालों में भारत की सडक़ों पर इतने लोग काल के गाल में समा गए जितनी फिनलैंड की कुल आबादी है। यहां पिछले कई वर्षों से सडक़ दुर्घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं और अकाल मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन गई हैं। रोड एक्सीडेंट इन इंडिया नामक रिपोर्ट बताती है कि 2018 से 2022 के बीच पांच वर्षों में 7.77 लाख मौतें हुईं। इनमें सबसे ज्यादा 1.08 लाख उत्तर प्रदेश, 84 हजार तमिलनाडु और 66 हजार के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा। केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संसद में बताया कि पिछले साल 2024 में लगभग पांच लाख दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.80 लाख लोगों की मौतें हुईं। इससे भी ज्यादा विचलित करने वाली बात यह है कि हर दिन औसतन 42 बच्चे और 31 किशोर सडक़ों पर जान गंवा बैठते हैं। सडक़ पर एक भी बच्चे की मौत एक पूरे परिवार को जीवन भर के लिए अवसाद में डाल देती है और उसके साथ ही उस परिवार के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लग

जाता है। मां-बाप अगर उस दुर्घटना में बच गए तो उन्हें जीवन पर यह दुख सालता रहेगा जैसा भारत के पूर्व कप्तान मुहम्मद अजहरुद्दीन के साथ हुआ। उनका बेटा और भतीजा हैदराबाद में तेज रफ्तार से सुपर बाइक चलाते हुए दुर्घटना का शिकार हो गए और उन दोनों की मौत हो गई। एक और ऐसी सडक़ दुर्घटना हुई जिसके बारे में एक्सपर्ट भी बातें करते हुए और चिंतित हो जाते हैं। उस दुर्घटना में टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन और टाटा मोटर्स के शीर्ष अधिकारी सायरस मिस्त्री की सडक़ पर ही मौत हो गई। वह एक लग्जरी कार की पिछली सीट पर बैठे हुए थे और कार चल रही थी 150 किलोमीटर की रफ्तार से, जो एक डिवाइडर से जा टकराई। सायरस मिस्त्री ने बेल्ट नहीं बांध रखी थी और वे कार की विंडो से बाहर फेंके गए। यह दुर्घटना एक उदाहरण है कि कैसे भारत में पढ़े-लिखे जानकार लोग भी लापरवाही करते हैं। यहां जागरूकता का सवाल नहीं है। आंकड़े भयावह हैं और हमारे सामने एक आपातकालीन तस्वीर रखते हैं। तेज गति में गाड़ी चलाने से 75.2 प्रतिशत, गलत दिशा में गाड़ी चलाने से 5.8 प्रतिशत, और शराब या नशे के प्रभाव में ड्राइविंग करने से 2.5 प्रतिशत मौतें होती हैं। हादसों में 86 प्रतिशत पुरुष और 14 प्रतिशत महिलाओं की मौत रिकॉर्ड की गई है। 67.2 प्रतिशत मौतें ग्रामीण इलाकों में और 32.2 प्रतिशत शहरी इलाकों में होती हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग (नेशनल हाइवे) हादसों के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं। 2022 में हर सौ किलोमीटर पर 45 मौतें दर्ज की गईं। निमहांस/रासी के अनुसार 24 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में हुए हादसों में जान जाती है, जिनमें से 50 प्रतिशत घटनास्थल पर ही दम तोड़ देते हैं। अधिकतर मामलों में सिर या शरीर के निचले हिस्से में चोट लगती है। 82 प्रतिशत घातक सडक़ यातायात दुर्घटनाएं बच्चों के साथ हुईं। स्पीड थ्रिल्स बट किल्स की थ्योरी के अनुरूप भारत में बाइक दुर्घटनाओं की तादाद हर दिन बढ़ती जा रही है। उत्साही नौजवान न केवल लापरवाही से दोपहिये चलाते हैं, बल्कि हेलमेट भी नहीं पहनते हैं। इसका नतीजा है कि हर साल ऐसे 10000 चालकों की मौत हो जाती है। एनसीआरबी की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार 14 वर्ष तक के 25 प्रतिशत और 14 से 17 वर्ष के 75 प्रतिशत किशोर सडक़ हादसों के शिकार हुए। दस राज्यों में 40 प्रतिशत बच्चों और किशोरों की सडक़ हादसों में मौत हुई।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बलूचिस्तान ऑनर किलिंग पर स्थगन प्रस्ताव

इस्लामाबाद,22 जुलाई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने बलूचिस्तान ऑनर किलिंग पर स्थगन प्रस्ताव करते हुए बहस कराने की मांग की है। इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती से इस घटना की गहन जांच कराने का आह्वान किया है।

बलूचिस्तान पुलिस ने कहा कि इस घटना में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस नृशंस हत्याकांड में पकड़े गए लोगों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है।

खबर के अनुसार, पीपीपी के कई सांसदों ने सोमवार को नेशनल असेंबली सचिवालय में एक स्थगन प्रस्ताव पेश किया है। इसमें बलूचिस्तान में तथाकथित सम्मान के नाम पर एक पुरुष और एक महिला की नृशंस हत्या पर बहस कराने की मांग की गई है। मांग की गई है कि इस बर्बर हत्याकांड पर चर्चा के लिए सदन की नियमित कार्यवाही स्थगित कर दी जाए। प्रस्ताव में सदन से इस अपराध की कड़े शब्दों में निंदा करने का आग्रह किया गया।

स्थगन प्रस्ताव पर सांसद शाजिया मर्री, राजा परवेज अशरफ, शाहिदा रहमानी, मेहरीन रज्जाक भुट्टो, आगा रफीउल्लाह और अन्य के हस्ताक्षर हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, शरीफ ने सोमवार को बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री से बात की और इस बात पर जोर दिया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि ऑनर किलिंग की घटना की गहन जांच जरूरी है।

उधर, बलूचिस्तान पुलिस ने कहा कि क्वेटा जिले में एक पुरुष और एक महिला की हत्या में शामिल कम से कम 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। ईद-उल-अजहा से पहले तथाकथित सम्मान के नाम पर आयोजित एक कबाइली जिरगा के आदेश पर इन दोनों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बलूचिस्तान पुलिस प्रमुख मोअज्जम जाह अंसारी ने बताया कि महिला का परिवार और उसके कबीले के सदस्य कथित तौर पर इस हत्या में शामिल थे। उन्होंने कथित तौर पर विवाहेतर संबंध रखने के आरोप में महिला और उसके साथी की हत्या कर दी। महिला की गोली मारकर हत्या करने वाला व्यक्ति उसका भाई है।

इससे पहले रविवार को खबर आई कि महिला और पुरुष ने प्रेम विवाह किया। इसके बाद उनके परिवारों ने उन्हें एक दावत के बहाने बुलाया। फिर उनको जिरगा के फैसले के बारे में बताया गया। इस बीच एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने कबीलाई सरदार शेरबाज सतकजई को दो दिन के लिए पुलिस की हिरासत में भेज दिया है। इस हत्याकांड में सरदार शेरबाज को भी गिरफ्तार किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

2018 विमान हादसा : अदालत ने यूएस बांग्ला एयरलाइंस को 17 नेपाली परिवारों को मुआवजा देने का आदेश दिया

काठमांडू। काठमांडू जिला न्यायालय ने बांग्लादेश की विमान कंपनी यूएस-बांग्ला एयरलाइंस को मार्च 2018 में हुए हादसे में मारे गए नेपाली लोगों के परिवारों को मुआवजा देने का आदेश दिया है। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उतरते समय यूएस-बांग्ला के विमान में आग लगने से उसमें सवार 71 यात्रियों में से 51 यात्रियों की मौत हो गई थी। इस विमान में अधिकांश नेपाली छात्र मौजूद थे, जो मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर अपने घर आ रहे थे। इस विमान हादसे में पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने से मना करने पर यूएस-बांग्ला एयरलाइंस के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया था। इंश्योरेंस समझौते में प्रत्येक मृतक के परिवार को 20,000 डॉलर के बीमा भुगतान करने की शर्त नहीं मानने पर पीड़ित नेपाली परिवारों की ओर से याचिका दायर करते हुए पूरी राशि भुगतान करने की मांग की गई थी। अदालत ने एयरलाइंस कंपनी को हादसे से प्रभावित 17 नेपाली परिवारों को कुल 2.74 मिलियन डॉलर या 378.60 मिलियन रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। काठमांडू जिला न्यायालय के सूचना अधिकारी दीपक कुमार श्रेष्ठ ने बताया कि फैसले के पूर्ण पाठ को जारी होने में कुछ समय लग सकता है। यह फैसला न्यायाधीश दिवाकर भट्ट ने दिया, जो 16 मृतकों और एक जीवित व्यक्ति के परिवारों द्वारा दायर मामले की सुनवाई कर रहे थे। यह हादसा 12 मार्च, 2018 को हुआ था। इसमें 51 लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में 22 नेपाली, 28 बांग्लादेशी और एक चीनी नागरिक शामिल था। सात साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद अदालत ने सोमवार को यह फैसला सुनाया है।

हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर का 54 वर्ष की आयु में निधन

सैन जोस । मध्य अमेरिका स्थित कोस्ट रिका में परिवार के साथ छुट्टियां मनाने गए हॉलीवुड अभिनेता मैल्कम-जमाल वार्नर नहीं रहे। 54 वर्षीय वार्नर समुद्र में तैरते वक्त तेज लहरों की चपेट में आ गए। सांस रुकने की वजह से उनकी जान चली गई। कोस्टा रिका पुलिस ने रविवार को लिमोन शहर के कोक्लेस बीच के पास उनके शव की पहचान की। सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, वार्नर के परिवार में पत्नी और एक बेटी हैं। अस्सी के दशक के टीवी पर थियो बनकर उन्होंने खास पहचान बनाई थी। मात्र 14 साल की उम्र में धारावाहिक द कॉस्बी शो में उन्होंने आम मध्यमवर्गीय अश्वेत युवा की जिंदगी को पर्दे पर जिया। न्यू जर्सी के मूल निवासी वार्नर ने नौ साल की उम्र में अभिनय करना शुरू किया और फेम जैसे शो में नजर आए। उन्हें 1984 से 1992 तक चलने वाले द कॉस्बी शो में बिल कॉस्बी और फिलिसिया रशद के किरदारों, हीथक्लिफ और क्लेयर हक्सटेबल के इकलौते बेटे की भूमिका मिली। वार्नर को 1986 में द कॉस्बी शो में प्राइम टाइम एमी के लिए नामांकित किया गया। उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप भी लगा। उन्होंने 2015 में जीसस चिल्ड्रन गीत के लिए सर्वश्रेष्ठ पारंपरिक प्रदर्शन का पुरस्कार जीता। उन्हें 2023 में सर्वश्रेष्ठ स्पोकन वर्ड पोएट्री एल्बम के लिए सराहना मिली। उन्हें इसके लिए ग्रैमी के लिए भी नामांकित किया गया था। वार्नर ने टच्ड बाय एन एंजेल, कम्युनिटी, की एंड पील, सूट्स, सन्स ऑफ एनार्की और अमेरिकन हॉरर स्टोरी जैसे शो में काम किया है।

ओली ने पार्टी नेताओं को दी चेतावनी, कहा विद्या भंडारी के पक्ष में बोलना बंद करो

काठमांडू। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पार्टी नेताओं को कड़ी चेतावनी दी है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई नेता पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पक्ष में सामने आता है तो उसे अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना होगा। पार्टी की केंद्रीय समिति की सोमवार को हुई बैठक में ओली ने अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने पार्टी के ऐसे नेताओं को चेतावनी दी जो लगातार पूर्व राष्ट्रपति के लिए प्रवक्ता के रूप में मीडिया में या पार्टी बैठक के बाहर बयान दे रहे हैं। केंद्रीय समिति के एक सदस्य के अनुसार, ओली ने विशेष रूप से कुछ नेताओं की ओर इशारा किया। उन्होंने कथित तौर पर ऐसे नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। ओली ने कहा कि उन्होंने रविवार को यूएमएल पार्टी कार्यालय में भंडारी के साथ लगभग दो घंटे की बातचीत की। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति भंडारी को राजनीतिक सुझाव दिए। ओली ने कहा कि उन्होंने अभी तक इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। ओली ने कहा कि उन्होंने भंडारी को प्रधानमंत्री आवास पर आमंत्रित किया था।

ट्रंप ने अमेरिका को महान बनाने के लिए छह माह में चुनावी वादे पूरे किए, व्हाइट हाउस का दावा

वाशिंगटन,22 जुलाई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के सत्ता के सबसे बड़े केंद्र व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने अमेरिका को महान बनाने के लिए किए गए अपने चुनावी वादे छह माह में पूरे कर दिए। व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप ने 20 मुख्य वादों पर चुनाव लड़ा। उन्होंने निस्संदेह छह महीनों में उन्हें पूरा कर दिया।

व्हाइट हाउस के आधिकारिक ई-मेल से भेजे गए विवरण के अनुसार, राष्ट्रपति ने सीमा की ही नहीं सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने पर जोर दिया है। ट्रंप ने आधुनिक अमेरिकी इतिहास के किसी भी राष्ट्रपति की तुलना में अपने वादों को पूरा करने के लिए अधिक काम किया है। निरर्थक जलवायु पहल को समाप्त किया है। अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा बनाया है।

व्हाइट हाउस ने विवरण साझा करते हुए उन प्रमुख 10 वादों का जिक्र किया है, जिन्हें राष्ट्रपति ट्रंप ने पूरा किया है। पहला-प्रवासी घुसपैठ रोकने के लिए सीमा सील की गई है। इससे दक्षिणी सीमा पार करने वाले अवैध प्रवासियों की संख्या ऐतिहासिक रूप से सबसे कम हुई है। सीमा पर दीवार का निर्माण शुरू हो गया है। लगातार दो महीनों से देश के अंदरुनी हिस्सों में एक भी अवैध प्रवासी को नहीं छोड़ा गया है।

दूसरा-अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाया गया। ट्रंप प्रशासन ने अवैध प्रवासी हत्यारों, बलात्कारियों, गैंग बैंगर्स, ड्रग तस्करों और अन्य हिंसक अपराधियों को खदेड़कर उन्हें वापस भेज रहा है। तीसरा- मुख्य मुद्रास्फीति चार वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर के करीब है। रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमत में लगातार गिरावट हो रही है। गैस की कीमतें चार वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर हैं। लोगों के वेतन में वृद्धि हुई है। शेयर बाजार के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के साथ वॉल स्ट्रीट मजबूत हुआ है। चौथा-अमेरिका दुनिया का सबसे प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देश होगा। इसके लिए रिकॉर्ड संख्या में बोझिल नियमों को हटाया है। पाइपलाइनों का विस्तार हुआ है। परिणामस्वरूप अमेरिकी तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन बढ़ गया है। वैश्विक कीमतें नीचे आई हैं। पांचवा- संयुक्त राज्य अमेरिका को विनिर्माण महाशक्ति में बदलने की प्रक्रिया उत्साहवर्धक है। कई कम्पनियों ने नए निवेश में खरबों डॉलर की घोषणा की है। अमेरिकी में हजारों रोजगार सृजित हो रहे हैं। छठा- कामकाजी और मध्यम वर्ग के नागरिकों के लिए इतिहास की सबसे बड़ी कर कटौती की गई है। अब सामाजिक सुरक्षा पर कोई कर नहीं लगेगा। छोटे व्यवसायों, किसानों, श्रमिकों और परिवारों को अभूतपूर्व राहत दी गई है।

सातवां-संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धार्मिक स्वतंत्रता और हथियार रखने और धारण करने के अधिकार की रक्षा की गई है। राष्ट्रपति ने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने और दूसरे संशोधन अधिकारों की रक्षा करने वाले कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं। आठवां- तीसरे विश्व युद्ध को रोकने की पहल की है। यूरोप और मध्य पूर्व में शांति बहाली की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच शांति समझौता कराया है। नौवां-राष्ट्रपति ने न्याय विभाग और एफबीआई से भ्रष्ट तत्वों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हथियारबंद सरकार के युग का खात्मा किया है। दसवां-मानव तस्करी नेटवर्क पर बड़ा हमला कर कार्टेल पर शिकंजा कसा है। इसको विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया जा रहा है। गिरोह के सदस्यों को निर्वासित किया जा रहा है।

नासा के बजट में कटौती के विरोध में 300 से अधिक कर्मियों ने लिखा पत्र

वाशिंगटन,22 जुलाई (एजेंसियां)।

ट्रंप प्रशासन द्वारा प्रस्तावित नासा बजट में कटौती के विरोध में 300 के करीब वर्तमान और पूर्व कर्मचारी सामने आए हैं। इन सभी ने अंतरिम प्रशासक को संबोधित करते हुए एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें इस फैसले का कड़ा विरोध किया गया है। इस पत्र को वॉयेजर डिक्लेरेशन नाम दिया गया है। इस पत्र में उल्लेख किया गया है कि पिछले छह महीनों में नासा में तेज और अपव्ययी बदलाव किए गए हैं, जो एजेंसी की मूल कार्यप्रणाली और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं।

विरोध करने वालों में पूर्व अंतरिक्ष यात्री भी शामिल

पत्र नव-नियुक्त अंतरिम प्रशासक और परिवहन सचिव सीन डफी को संबोधित किया गया है, जिन्हें इस माह की शुरुआत में नासा का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया गया था।

हस्ताक्षरकर्ताओं में छह पूर्व अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। उनके अनुसार, प्रस्तावित बजट कटौती से जनसंपत्ति का नुकसान, मानव सुरक्षा में जोखिम, राष्ट्रीय सुरक्षा की कमजोरी, और नासा के वैज्ञानिक मिशन की नींव कमजोर हो सकती है। विशेष रूप से वैज्ञानिक शोध कार्यक्रम इन कटौतियों के सबसे बड़े शिकार बताए गए हैं।

इस मुद्दे पर नासा की प्रवक्ता बेथनी स्टीवंस ने कहा कि किसी भी तरह की कर्मचारियों में कटौती से सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हमारा ध्यान प्रमुख मिशनों पर है, न कि पुराने या कम प्राथमिकता वाले अभियानों को बनाए रखने पर।

बावजूद इसके, वैज्ञानिक समुदाय और अंतरिक्ष एजेंसी के कई पूर्व अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि बजट में कटौती का असर अंतरिक्ष अन्वेषण, अनुसंधान और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में अमेरिका की स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

रूस पर ट्रंप की सख्त टिप्पणी का ईयू रक्षा प्रमुख ने किया स्वागत

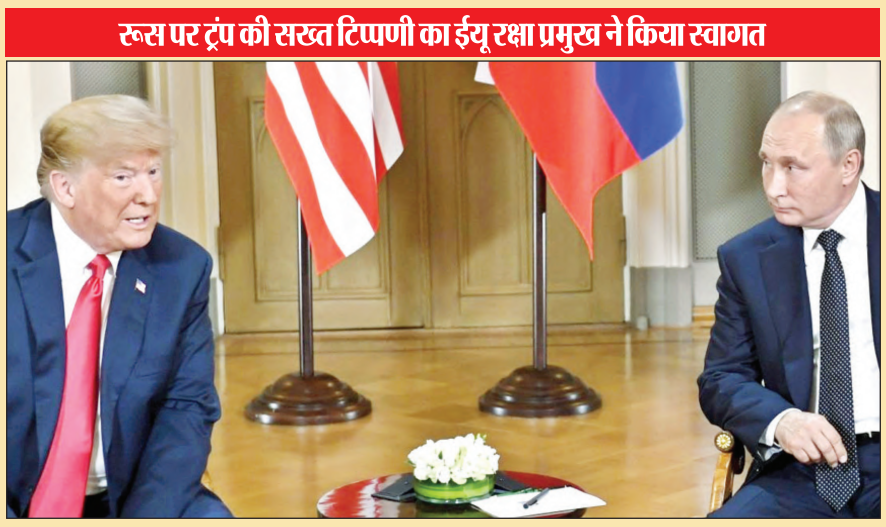

यूरोपीय संघ के रक्षा प्रमुख ने सोमवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की हालिया यूक्रेन समर्थक टिप्पणियां रूस के खिलाफ सहयोग के लिए एक नया अवसर प्रस्तुत करती हैं। यूरोपीय रक्षा और अंतरिक्ष आयुक्त एंड्रियस कुबिलियस, जो इस समय अमेरिका दौरे पर हैं, ने वाशिंगटन में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी है कि ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह यूक्रेन को समर्थन देने के लिए एक नया द्वार खोलता है। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की थी कि यदि पुतिन 50 दिनों के भीतर युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता नहीं करते, तो वह रूस पर कड़े टैरिफ (आर्थिक प्रतिबंध) लगाएंगे। कुबिलियस का यह दौरा अमेरिका और यूरोपीय संघ के बीच रक्षा सहयोग और यूक्रेन को समर्थन को लेकर वार्ताओं का हिस्सा है। उन्होंने अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात कर यूरोपीय रक्षा रणनीति और यूक्रेन में जारी संघर्ष के समाधान के लिए संभावित कदमों पर चर्चा की।

बांग्लादेश विमान हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 27 हुई, 78 घायल, पांच की हालत नाजुक

ढाका,22 जुलाई (एजेंसियां)।

बांग्लादेश वायुसेना के प्रशिक्षण लड़ाकू विमान के राजधानी ढाका के उत्तरा में सोमवार को माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की इमारत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। इनमें 25 बच्चे शामिल हैं। इस विमान हादसे की जांच वायुसेना अपने स्तर पर भी कर रही है।

खबर के अनुसार, मुख्य सलाहकार के विशेष सहायक (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) प्रो. मोहम्मद सईदुर रहमान ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बर्न एंड प्लास्टिक सर्जरी में संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में घायल कम से कम 78 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उनमें से पांच की हालत गंभीर है। रहमान ने कहा कि मृतकों में 25 बच्चे हैं। इन बच्चों में कई तो 12 साल से कम उम्र के हैं। अन्य दो मृतकों में विमान का पायलट और स्कूल शिक्षिका शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 20 शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए हैं। अस्पताल के अधिकारियों का कहना है कि पीड़ितों के रिश्तेदारों और अन्य लोगों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राष्ट्रीय बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी संस्थान में सेना तैनात की गई है। उल्लेखनीय है कि चीन में निर्मित इस प्रशिक्षण लड़ाकू विमान एफ-7 बीजीआई में उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद तकनीकी खराबी आ गई थी। बांग्लादेश इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के अनुसार, इस विमान ने दोपहर 1:06 बजे हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी। इसके कुछ देरबाद यह विमान दुर्घटनागस्त हो गया। अग्निशमन सेवा नियंत्रण कक्ष की ड्यूटी ऑफिसर लीमा खानम ने कहा था कि हमें दोपहर 1:18 बजे इस हादसे की सूचना मिली। कुछ खबरों में हादसे का समय 1:30 बजे बताया गया।

हार्वर्ड की फंडिंग केस पर ट्रंप का न्यायाधीश पर हमला, कहा- टोटल डिजास्टर

जज का हार्वर्ड फंडिंग मामले में तुरंत फैसला देने से इनकार

वाशिंगटन,22 जुलाई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फंडिंग से जुड़े मुकदमे की सुनवाई समाप्त होने के तुरंत बाद केस की सुनवाई कर रहीं संघीय न्यायाधीश एलिसन बरोस पर तीखा हमला बोला।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर लिखा, एलिसन बरोस एक टोटल डिजास्टर हैं, यह मैं उनके निर्णय को सुने बिना ही कह रहा हूं। ट्रंप ने आरोप लगाया कि उन्होंने हार्वर्ड से जुड़े मामलों पर व्यवस्थित रूप से नियंत्रण कर लिया है और वह हमारे देश के लोगों के लिए हार की गारंटी हैं।

उन्होंने आगे लिखा कि हार्वर्ड के पास बैंक में 52 अरब डॉलर हैं, फिर भी यह संस्था यहूदी विरोधी, ईसाई विरोधी और अमेरिका विरोधी है। बतादें कि जज बरोस की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने की थी। यह टिप्पणी उस समय आई जब हार्वर्ड के वकील फेडरल कोर्ट में 2.6 अरब डॉलर की फंडिंग कटौती के खिलाफ ट्रंप प्रशासन को चुनौती दे रहे थे।

विश्वविद्यालय ने सरकार पर आरोप लगाया है कि वह शैक्षणिक स्वतंत्रता को प्रभावित करने के लिए फंडिंग का इस्तेमाल दबाव के उपकरण के रूप में कर रही है। दरअसल, यूएस डिस्ट्रिक्ट जज एलिसन बरोस ने सोमवार को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की फंडिंग कटौती को बहाल करने की याचिका पर तुरंत कोई फैसला नहीं सुनाया। अदालत में मौखिक सुनवाई के बाद जज बरोस ने कहा कि वह मामले को विचाराधीन रखेंगी और निर्णय बाद में लिखित रूप में जारी करेंगी।

बड़ी चाल की आहटः अगस्त में हर बार बीजिंग से गायब हो जाते शी जिनपिंग

बीजिंग। हर साल अगस्त महीने में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग राजधानी बीजिंग से गायब हो जाते हैं। इस बार भी वे गायब होने वाले हैं।माना जा रहा है कि वो समुद्री रिसॉर्ट बेदाईहे में पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। लेकिन अंतरराष्ट्रीय हलकों में उनके हर साल के इस तरह गायब हो जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं, क्या ये एक सामान्य परंपरा है, या उनकी सत्ता पर खतरे की आहट बीजिंग से करीब तीन घंटे की दूरी पर स्थित बेदाईहे, सिर्फ छुट्टियां मनाने की जगह नहीं, चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियां यहां तय होती हैं। माओत्से तुंग के समय से ही पार्टी के शीर्ष नेता यहां हर गर्मी में जुटते हैं। लेकिन इस बार माहौल अलग है। हर साल अगस्त में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता बेदाईहे रिट्रीट में सीक्रेट समर मीटिंग में जाते हैं, लेकिन इस बार बहुत कुछ अलग है। ताइवान के साथ तनाव चरम पर है तो अमेरिका से निपटना भी है। घर में बेरोजगारीरिकॉर्ड स्त्र पर है। रियल स्टेट ढहने की कगार पर है। ऐसी हालत में राष्ट्रपति का अचानक ओझल हो जाना असामान्य माना जा रहा है।

भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का वीडियो आया ऋषभ विकेटीपिंग और बल्लेबाजी करते दिखे

मैनचेस्टर,22 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के यहां बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे टेस्ट में विकेटकीपिंग करने की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं।

इस अंदाजा अभ्यास सत्र के वीडियों को देखकर लगाया जा सकता है। इसमें ऋषभ बिना किसी परेशानी के विकेटकीपिंग करते हुए दिखे हैं। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे है। ऐसे में अगर इस मैच में उसे हार मिलती है तो सीरीज जीतने का अवसर उसके हाथ से निकल जाएगा।

कंबोज ने भी जमकर गेंदबाजी की , मिल सकता है डेब्यू का अवसर

अभ्यास सत्र में युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज भी शामिल हुए। उन्हें टीम में बैकअप गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है क्योंकि अर्शदीप सिंह और आकाशदीप सिंह चोटिल हैं।

अभ्यास सत्र में सबकी नजरें ऋषभ पर लगी थीं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन उंगलियों में चोट लगने के बाद लॉर्ड्स में विकेटकीपिंग नहीं की थी। वहीं पांचवें दिन बल्लेबाजी करते समय वह असहज दिखे थे।

अभ्यास सत्र में उन्होंने कीपिंग ड्रिल की और बिना दर्द के एक घंटे तक बल्लेबाजी की जिससे वह चौथे टेस्ट के लिए फिट नजर आ रहे हैं।

वहीं अनकैप्ड अंशुल कंबोज को इस मैच में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अभ्यास सत्र में भाग लिया जिससे उनके भी इस मैच में खेलने की संभावनाएं बन रही हैं। वहीं आकाश दीप को टीम फिजियो से नेट्स में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिली।

उनका कोच मोर्ने मोर्केल की देख रेख में फिटनेस टेस्ट हुआ। ऐसे में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा या अंशुल कंबोज में से किसी एक को जगह मिल सकती है।

न्यूज ब्रीफ

कार्लोस अल्कराज ने कनाडाई ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल। दुनिया के नंबर दो टेनिस खिलाड़ी और पांच बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने अगले हफ्ते टोरंटो में होने वाले एटीपी कनाडाई ओपन से नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। अल्कराज ने विंबलडन फाइनल में टॉप रैंक खिलाड़ी जैनिक सिनर से हार का सामना किया था। 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अल्कराज ने कहा, मुझे नेशनल बैंक ओपन (एटीपी कनाडाई ओपन)में हिस्सा नहीं ले पाने का बहुत दुख है। मैंने पूरी कोशिश की टूर्नामेंट के लिए तैयार रहने की, क्योंकि यह मेरे पसंदीदा टूर्नामेंटों में से एक है, लेकिन विंबलडन के बाद रिकवरी में मुझे और समय चाहिए। मैं आयोजकों को शुभकामनाएं देता हूं और अगले साल कनाडा में खेलने की उम्मीद करता हूं। अल्कराज का कनाडा में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में रहा था, जब वह क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल से हार गए थे। टूर्नामेंट डायरेक्टर कार्ल हेल ने कहा, कार्लोस जैसे खिलाड़ी का टूर्नामेंट से हटना निराशाजनक है, क्योंकि फैंस उन्हें खेलते हुए देखना चाहते थे। हालांकि वह काफी समय से प्रो टूर पर हैं, लेकिन उनका करियर अभी भी शुरुआती दौर में है। आने वाले वर्षों में उन्हें कनाडा में खेलने के और मौके मिलेंगे। इसके अलावा, अमेरिका के सेबास्टियन कोर्डा (रैंकिंग 33) पैर की चोट के कारण और पोलैंड के ह्यूबर्ट हुरकाच (रैंकिंग 38) घुटने की चोट के कारण भी टूर्नामेंट से हट गए हैं।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड के ब्रायन एमब्यूमो के साथ किया करार

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ब्रेंटफोर्ड के फॉरवर्ड ब्रायन एमब्यूमो को 65 मिलियन पाउंड (लगभग 88 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में पांच साल के अनुबंध पर साइन कर लिया है। इस डील में 6 मिलियन पाउंड के अतिरिक्त इंसेंटिव भी शामिल हैं। कैमरून के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एमब्यूमो यूनाइटेड की इस गर्मी की तीसरी साइनिंग हैं। इससे पहले क्लब ने स्ट्राइकर मैथियस कुइन्हा और डिफेंडर डिएगो लियोन को साइन किया था। इस बीच खबरें हैं कि यूनाइटेड के स्टार विंगर मार्कस रैशफोर्ड एक सीजन के लिए एफसी बार्सिलोना में लोन पर जा सकते हैं। यह ट्रांसफर उस गाथा का अंत है जो पूरे समर ट्रांसफर विंडो में चर्चा में रही। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने करीब डेढ़ महीने पहले एमब्यूमो के लिए अपनी पहली पेशकश की थी। एमब्यूमो ने क्लब की वेबसाइट पर अपने उत्साह को साझा करते हुए कहा,जैसे ही मुझे पता चला कि मैनचेस्टर यूनाइटेड में शामिल होने का मौका है, मैंने बिना देर किए यह फैसला किया। यह मेरे सपनों का क्लब है, जिसकी जर्सी मैंने बचपन में पहनी थी। एमब्यूमो अब लगभग निश्चित रूप से मैनचेस्टर यूनाइटेड के गुरुवार से शुरू होने वाले अमेरिकी प्री-सीजन टूर का हिस्सा होंगे। ब्रेंटफोर्ड के लिए अपने करियर में एमब्यूमो ने 242 मैचों में 70 गोल और 51 असिस्ट किए हैं। इनमें से 20 गोल पिछले सीजन में आए, जब क्लब यूरोपियन प्रतियोगिता में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गया।

बिली जीन किंग कप फाइनल्स 16 सितंबर से

नई दिल्ली। डिफेंडिंग चैंपियन इटली और मेज़बान चीन के बीच मुकाबले के साथ बिली जीन किंग कप फाइनल्स की शुरुआत 16 सितंबर से शेनझेन में होगी। इस बात की जानकारी टूर्नामेंट आयोजकों ने सोमवार को दी। इटली की टीम में विश्व नंबर 9 जैस्मिन पाओलिनी शामिल हैं, जबकि चीन की अगुवाई ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन करेंगी। आमतौर पर यह टूर्नामेंट नवंबर में होता है, लेकिन इस बार इसे डब्ल्यूटीए टूर के एशियाई स्विंग के साथ तालमेल बैठाने के लिए सितंबर में आयोजित किया जा रहा है। स्पेन और यूक्रेन के बीच दूसरा क्वार्टरफाइनल 17 सितंबर को खेला जाएगा, जिसमें विश्व नंबर 10 पाउला बडोसा एक्शन में नजर आएंगी। इसके बाद 18 सितंबर को अमेरिका का मुकाबला कज़ाखस्तान से और ब्रिटेन का सामना जापान से होगा। सेमीफाइनल मुकाबले 19 और 20 सितंबर को खेले जाएंगे, जबकि फाइनल 21 सितंबर को होगा।

डीपीएल सीजन 2 का आगाज़ 2 अगस्त से महिला लीग की शुरुआत 17 अगस्त से

नई दिल्ली,22 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली की घरेलू फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट को नई ऊंचाई देने वाली दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) का दूसरा संस्करण 2 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होगी, जिसके बाद पुरुष वर्ग का पहला मुकाबला खेला जाएगा। फाइनल मुकाबला 31 अगस्त को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित होगा। यदि मौसम या किसी अन्य कारण से फाइनल में बाधा आती है तो इसके लिए 01 सितंबर को रिज़र्व डे रखा गया है।

पुरुष लीग में 8 टीमें, महिला लीग में 4 टीमें उतरेंगी मैदान में – इस बार पुरुष वर्ग में 8 टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि महिला वर्ग में 4 टीमें मुकाबला करेंगी। लीग का उद्देश्य प्रतिस्पर्धात्मक संतुलन, उभरती प्रतिभाओं को मंच देना और दर्शकों से जुड़ाव को बढ़ाना है।

टीमों को दो समूहों में बांटा गया है –

ग्रुप ए: आउटर दिल्ली वॉरियर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, न्यू दिल्ली टाइगर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स

ग्रुप बी: वेस्ट दिल्ली लायंस, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़, पुरानी दिल्ली 6

पुरुष लीग का प्रारूप – पुरुषों की लीग में कुल 40 मैच खेले जाएंगे। हर टीम को अपने ही ग्रुप की तीन टीमों से दो-दो बार (होम और अवे) तथा दूसरे ग्रुप की चारों टीमों से एक-एक बार खेलना होगा। इस तरह हर टीम 10 लीग मैच खेलेगी।

प्लेऑफ में शीर्ष चार टीमें जाएंगी: क्वालिफायर 1 में शीर्ष दो टीमें भिड़ेंगी, जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी। एलीमिनेटर में तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के बीच मुकाबला होगा, हारने वाली टीम बाहर हो जाएगी। एलीमिनेटर जीतने वाली टीम क्वालिफायर 1 की हारी टीम से क्वालिफायर 2 में भिड़ेगी। इस मुकाबले की विजेता टीम फाइनल में पहुंचेगी और क्वालिफायर 1 की विजेता टीम से खिताबी जंग लड़ेगी।

महिला लीग का प्रारूप – महिला लीग 17 अगस्त से 24 अगस्त तक खेली जाएगी। चार टीमों के बीच राउंड रॉबिन फॉर्मेट में कुल 6 मैच होंगे। टॉप दो टीमें फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

प्वाइंट सिस्टम (पुरुष व महिला दोनों के लिए समान)

- जीत: 2 अंक
- रद्द/कोई नतीजा नहीं: 1 अंक
- टाई: सुपर ओवर से निर्णय
- अंक बराबर होने की स्थिति में नेट रन रेट के आधार पर टाई ब्रेकर होगा।

लीग के शुरू होने से पहले डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने एक आधिकारिक बयान में कहा, डीपीएल का दूसरा सीजन दिल्ली की घरेलू फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट के लिए एक नया अध्याय साबित होगा। राउंड रॉबिन फॉर्मेट और दो नई टीमों की भागीदारी से प्रतिस्पर्धा का स्तर और ऊंचा होगा। महिला क्रिकेट भी लगातार मजबूत हो रहा है और यह प्लेटफॉर्म राजधानी की उभरती महिला खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम साबित होगा। हमारा उद्देश्य एक उच्च स्तरीय और टिकाऊ लीग तैयार करना है, जिससे दिल्ली के खिलाड़ियों को वह पहचान मिल सके जिसके वे हकदार हैं।

डब्ल्यूसीएल में अंक बांटने को तैयार नहीं पाकिस्तान चैम्पयिंस टीम

बर्मिंघम। वर्ल्ड चैम्पयिंस ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) टूर्नामेंट में भारत चैम्पयिंस और पाकिस्तान चैम्पयिंस के बीच मैच रद्द किये जाने के बाद अब अंकों को लेकर विवाद उठा है। पाकिस्तान चैम्पयिंस ने कहा है कि इस मैच में भारतीय टीम ने खेलने से इंकार किया था। इसलिए वह बराबर अंक बांटने के लिए तैयार नहीं है। वहीं डल्ल्यूसीएल ने भारत चैम्पयिंस का पक्ष लेते हुए कहा है कि मैच रद्द होने के लिए भारतीय टीम जिम्मेदार नहीं है। साथ ही कहा कि उसने पहले ही वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को जानकारी दे दी थी कि वे इस मैच आयोजन नहीं कर सकते। गौरतलब है कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में पाक शामिल होने के कारण दोनो देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। इसके बाद से ही पाक के खिलाफ खेलने का विरोध प्रशंसक कर रहे थे। डब्ल्यूसीएल बोली, मैच रद्द होने के लिए भारतीय टीम जिम्मेदार नहीं इस मामले पर डल्ल्यूसीएल ने कहा, हमने ईसीबी को बता दिया है कि हम इस मैच का आयोजन नहीं कर सकते। इसमें भारतीय टीम की कोई गलती नहीं है जबकि पाक चैम्पयिंस टीम का कहना है कि भारतीय टीम ने खेलने से इंकार किया है। इसलिए हम अंक नहीं बांट सकते।

भारत बनाम इंग्लैंड अंडर-19 यूथ टेस्ट दूसरा दिन : एकांश सिंह के शतक के बाद भारत की सधी शुरुआत

चेल्म्सफोर्ड,22 जुलाई (एजेंसियां)।

एकांश सिंह के जुझारू शतक की बदौलत इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 309 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत अंडर-19 टीम ने दूसरे युवा टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 51 रन बना लिए थे। दिन का खेल बारिश के कारण प्रभावित रहा और सिर्फ 28.3 ओवर ही फेंके जा सके।

स्टंप्स के समय आयुष म्हात्रे 20 रन और विहान मल्होत्रा 6 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत फिलहाल इंग्लैंड के स्कोर से 258 रन पीछे है।

पहले दिन 66 रन बनाकर नाबाद लौटे एकांश सिंह ने कप्तान थॉमस रियू (59) के साथ छठे विकेट के लिए 90 रनों की अहम साझेदारी की थी। दूसरे दिन एकांश ने 155 गेंदों में 117 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उन्होंने जेम्स मिंटो (46) के साथ नौवें विकेट के लिए 100 रनों की अहम साझेदारी की। मिंटो ने भी 89 गेंदों में एक छक्का और छह चौके लगाए।

भारत की ओर से लेग स्पिनर नमन पुष्पक ने सबसे सफल गेंदबाज़ी करते हुए 76 रन देकर चार विकेट चटकाए। इसके अलावा आदित्य रावत और आरएस अम्बरीश ने दो-दो विकेट लिए। हेनिल पटेल और विहान मल्होत्रा को एक-एक सफलता मिली।

भारत की शुरुआत आक्रामक रही। ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने एलेक्स ग्रीन के ओवर में एक चौका और दो छक्के लगाए, लेकिन ग्रीन ने उन्हें एएम फ्रेंच के हाथों कैच करवाकर 20 रन पर पवेलियन भेजा। इसके बाद बारिश ने खेल में खलल डाला और दिन का खेल समाप्त घोषित कर दिया गया।

संक्षिप्त स्कोर:

इंग्लैंड अंडर-19 टीम : 309 ऑलआउट (81.3 ओवर में)

(एकांश सिंह 117, थॉमस रियू 59; नमन पुष्पक 4/76)

भारत अंडर-19: 51/1 (9 ओवर में)

(आयुष म्हात्रे 24*, विहान मल्होत्रा 6*; एलेक्स ग्रीन 1/34)।

सिंगापुर में तैराकी प्रतियोगिता

सिंगापुर में तैराकी प्रतियोगिताओं में भाग लेती हुई इजरायली टीम।

इंजीनियर और लॉयड के सम्मान में ओल्ड ट्रैफर्ड में बने स्टैंड

मैनचेस्टर,22 जुलाई (एजेंसियां)।

यहां भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी रहे क्लाइव लॉयड के सम्मान में इनके नाम से स्टैंड रहेंगे। इंजीनियर और लॉयर्ड की पूर्व काउंटी टीम लंकाशर ने इन दोनों के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। इंजीनियर ने लगभग एक दशक तक लंकाशर की ओर से जबकि लॉयर्ड ने लगभग दो दशक तक क्लब से खेलते हुए अपनी ओर से अहम योगदान दिया।

गौरतलब है कि साल 1968 से 1976 के बीच 87 वर्षीय इंजीनियर ने 175 मैचों में लंकाशर की ओर से 5942 रन बनाए, 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। वहीं दूसरी ओर दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान लॉयड ने 1970 के दशक की एक क्लब की ओर से खेलते हुए उसे आगे बढ़ाया। मुंबई में जन्मे इंजीनियर ने लंकाशर के लिए जब पदार्पण किया तो क्लब ने 15 साल से अधिक समय तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था पर उनके शामिल होने के बाद उसने 1970 से 1975 के बीच चार बार जिलेट कप जीता था।

गौरतलब है कि इंजीनियर ने अपना अधिकतर क्रिकेट ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला पर वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। इंजीनियर ने कुछ साल पहले कहा था, 'वह अविश्वसनीय समय था और ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी। लोग हमें खेलते देखने के लिए मीलों दूर से आते थे। इंजीनियर को अपने सुनहरे दिनों में प्रशंसकों से मिले पत्र भी याद हैं। उन्होंने कहा, ''यह शानदार था, हमारे लॉकर ऑटोग्राफ के आग्रह और पार्टियों के निमंत्रण से भरे रहते थे। इंग्लैंड में हर कोई उस महान टीम के बारे में बात कर रहा था जिसमें क्लाइव लॉयड, हैरी पिलिंग, पीटर लीवर और केन शटलवर्थ जैसे नाम थे। खेल से संन्यास लेने के बाद से ही इंजीनियर मैनचेस्टर में बस गये हैं।

चाइना ओपनः पांच मैच प्वाइंट बचाकर प्रणय दूसरे दौर में, लक्ष्य सेन की हार

चांगझोऊ,22 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय ने चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में रोमांचक जीत दर्ज करते हुए जापान के कोकी वतनबे को हरा दिया। पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी और 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट प्रणय ने पहला गेम हारने के बाद शानदार वापसी की और पांच मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबला 8-21, 21-16, 23-21 से अपने नाम किया।

पहले गेम में प्रणय पूरी तरह आउट ऑफ फॉर्म नजर आए और वतनबे ने 21-8 से गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में प्रणय ने तेज मूवमेंट और सटीक नियंत्रण के दम पर वापसी करते हुए स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। निर्णायक तीसरे गेम में प्रणय शुरुआत में 2-11 से पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने लगातार पांच अंक लेकर मुकाबले में वापसी की। इसके बावजूद वह 15-20 से पीछे थे और विपक्षी खिलाड़ी के पास पांच मैच प्लाइंट थे,

लेकिन प्रणय ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए सभी मैच प्वाइंट बचाए और 21-20 की बढ़त लेकर अंततः 23-21 से मैच अपने नाम कर लिया।

जीत के बाद प्रणय ने कहा, मेरे करियर के इस पड़ाव पर हर जीत मायने रखती है। लंबे ब्रेक के बाद दोबारा टूर पर लौट कर अच्छा लग रहा है। अब हर राउंड जीतना पहले से ज्यादा मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा, अब पुरुष एकल में औसत उम्र 22-23 साल हो गई है। बहुत से नए चेहरे आ चुके हैं, जिनके खेल को समझना आसान नहीं होता। सीनियर खिलाड़ी के रूप में यह और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। लक्ष्य सेन और अनुपमा उपाध्याय को मिली हार दूसरी ओर, लक्ष्य सेन का खराब फॉर्म जारी रहा। उन्होंने चीन के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ली शि फेंग के खिलाफ पहला गेम जीतने के बाद भी मैच गंवा दिया।

भारतीय टीम चौथे टेस्ट में कुलदीप को शामिल करे : हार्मिसन

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन का मानना है कि भारतीय टीम को यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये हालांकि उन्होंने माना है कि टीम के पास पहले ही वाशिंगटन संदुर और रविन्द्र जडेजा जैसे स्पिनर हैं । ऐसे में कुलदीप को शामिल करने का फैसला आसान नहीं है। इसके लिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरन पड़ेगा या सुंदर और ज़डेजा में किसी किसी एक को बाहर करना पड़ेगा पर इनके प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा करना संभव नहीं है। बेहतरीन बल्लेबाजी को देखते हुए भी जडेजा को बाहर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले से ही संतुलित टीम में कुलदीप के लिए जगह बनाने का फैसला काफी कठिन होगा। हार्मिसन के अनुसार इस मैदान की पिच से मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिन गेंदबाजी को सहायता मिलने की अधिक संभावना है। हार्मिसन ने कहा, ' विकेट से कुलदीप को शुरुआत में उछाल नहीं मिलेगा लेकिन जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, इससे स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलेगी। पिछले तीन टेस्ट मैच पांचवें दिन तक चले हैं इसलिए भारत को दूसरे या तीसरे स्पिनर के साथ खेलने पर गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने कहा, 'फिलहाल उनकी टीम संतुलित है पर मेहमान टीम को कुलदीप को टीम में लाने का तरीका खोजना होगा।

सेबी ने डब्बा कारोबार को बताया अवैध, निवेशकों को सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बार फिर डब्बा कारोबार को अवैध करार देते हुए निवेशकों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में जारी किए गए बयान में सेबी ने कहा कि डब्बा कारोबार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निवेशकों के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम भी उत्पन्न करता है। डब्बा कारोबार दरअसल एक अवैध लेन-देन प्रणाली है, जिसमें ट्रेडिंग औपचारिक शेयर बाजार के बाहर होती है। इसमें न तो असली शेयर खरीदे जाते हैं और न ही ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत होता है। यह कारोबार पूरी तरह नियामकीय निगरानी से बाहर होता है और निवेशक के पैसे के दुरुपयोग की पूरी आशंका होती है। सेबी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। हाल ही में एक समाचार पत्र में छपे डब्बा कारोबार को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए सेबी ने एनएसई के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। संबंधित समाचार पत्र को नोटिस भेजा गया है और साइबर पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सेबी ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद से भी हस्तक्षेप करने को कहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी निवेशकों को चेताते हुए केवल सेबी-पंजीकृत ब्रोकर और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से ही ट्रेडिंग करने की सलाह दी है। सेबी ने कहा है कि वह निवेशकों की सुरक्षा के लिए सख्त नियामकीय और कानूनी कदम उठाता रहेगा।

एसबीआई ने अनिल अंबानी और आरकाम को किया फ्रॉड घोषित

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके पूर्व प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर दिया है। यह जानकारी संसद में दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि 13 जून 2025 को एसबीआई ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट गाइडलाइंस और अपनी आंतरिक नीति के तहत यह कदम उठाया। बैंक ने 24 जून को आरबीआई को इसकी रिपोर्ट दी और अब मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की प्रक्रिया में है। 3,000 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप एसबीआई के अनुसार आरकॉम पर 2,227.64 करोड़ का फंड आधारित लोन बकाया है। इसके अलावा 786.52 करोड़ की गैर-फंड आधारित बैंक गारंटी भी जारी की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

भारत में विमानन कंपनियों पर सुरक्षा से ज्यादा प्रचार खर्च करने का आरोपः सर्वेक्षण

मुंबई। लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में करीब 76 प्रतिशत यात्रियों ने माना है कि भारत की कई विमानन कंपनियां यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की तुलना में प्रचार-प्रसार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में 64 प्रतिशत यात्रियों ने उड़ान के दौरान किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना किया है। इनमें उड़ान भरते या उतरते समय जटिल परिस्थितियां और तकनीकी समस्याएं शामिल हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया हाल के दिनों में एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान की अहमदाबाद से लंदन की उड़ान के तुरंत बाद दुर्घटना, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हुई, ने देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, कोच्चि-मुंबई उड़ान का रनवे से बाहर निकलना, दिल्ली-कोलकाता उड़ान का तकनीकी खराबी के कारण रद्द होना, गोवा से इंडिगो की उड़ान में लैंडिंग गियर की समस्या, तथा स्पाइसजेट की उड़ान में खिड़की का फ्रेम टूटना जैसी घटनाओं ने यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया है। सर्वेक्षण में सुरक्षा और प्रचार खर्च के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर 43 प्रतिशत ने माना कि सभी विमानन कंपनियां प्रचार पर अधिक खर्च करती हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने कहा कि कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। केवल 11 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी ऐसा नहीं करता।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ ने लॉन्च किए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड

नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्युचुअल फंड ने निवेशकों के लिए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स

फंड्स लॉन्च किए हैं बीएसई 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड और बीएसई 500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड। इन दोनों योजनाओं का न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 21 जुलाई 2025 से शुरू होकर 4 अगस्त 2025 को बंद होगा। मोमेंटम इंडेक्स फंड उन 50 कंपनियों में निवेश करेगा जो बीएसई 500 इंडेक्स में शामिल हैं और जिनके शेयर हाल के महीनों में सबसे तेज़ी से बढ़े हैं। न्यू फंड ऑफर 21 जुलाई से शुरू होकर 4 अगस्त को बंद होगा इसका मकसद तेजी से बढ़ते सेक्टर्स में अवसर तलाशना है। वहीं, क्वालिटी इंडेक्स फंड बीएसई 500 की उन कंपनियों में निवेश करेगा जिनकी बैलेंस शीट मजबूत है, रिटर्न ऑन इक्विटी अच्छा है और कर्ज़ कम है। यह फंड बाज़ार में गिरावट के समय भी स्थिरता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दोनों योजनाओं में न्यूनतम निवेश 500 से शुरू किया जा सकता है, और आगे निवेश 100 के गुणक में किया जा सकता है। एसआईपी की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसकी न्यूनतम राशि 500 प्रति माह या सप्ताह है।

सिंजेन्टा भारत के जरिये वैश्विक जैविक बाजार का नेतृत्व करने की तैयारी में

मुंबई। स्विट्ज़रलैंड की प्रमुख फसल संरक्षण कंपनी सिंजेन्टा ने आने वाले वर्षों में दुनिया की अग्रणी जैविक कंपनी बनने की उम्मीद जताई है। कंपनी के वैश्विक अध्यक्ष स्टीवन हॉकिन्स ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत उनके लिए एक महत्वपूर्ण और संभावनाओं से भरा बाजार है, हालांकि यहां की नियामक अनिश्चितता कृषि नवाचारों के विस्तार में बड़ी चुनौती बनी हुई है। हॉकिन्स के अनुसार फसल संरक्षण उद्योग में नई तकनीकों की मंजूरी और उपयोग में देरी किसानों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार हो ताकि नवाचारों को बढ़ावा मिल सके। कंपनी की जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करने की योजना सिंजेन्टा इस वर्ष भारत में कई नई जैविक और रासायनिक उत्पादों को लॉन्च करने जा रही है, जिनमें प्रमुख है 'टाइमिरियम', जो एक नया निमेटोसाइड और कवकनाशी है। इससे पहले कंपनी ने 'एडेपिडिन' (फफूंदनाशक) और 'प्लिनाजोलिन' (कीटनाशक) बाजार में उतारे हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर सफलता मिली है। कंपनी को 2025 में भारत में मध्यम स्तर की वृद्धि की उम्मीद है, जो महंगाई और मानसून की स्थिति पर निर्भर करेगी। हॉकिन्स ने यह भी बताया कि भारत की बाजार संरचना अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों की तुलना में अधिक संतुलित है, जिससे वितरण में कम समस्याएं होती हैं।

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है।

वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है। जून में शेयरधारकों ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी।

चंदा कोचर दोषी करारः वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

मुंबई। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन किया ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे वैश्विक स्थिरता का आधार बनाती हैः सुमन बेरी

नई दिल्ली, 22 जुलाई (एजेंसियां)। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने मंगलवार को कहा कि भारत की सतत आर्थिक वृद्धि उसे विश्व के लिए स्थिरता का आधार बनाती है जिसे वृद्धि के नए इंजनों और विकास मॉडलों की आवश्यकता है, जिन्हें बढ़ाया और साझा किया जा सके। बेरी ने कहा कि इस दिशा में भारत एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

सुमन बेरी ने एक्स पोस्ट में बताया कि सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सतत विकास लक्ष्यों पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मंच के मंत्रिस्तरीय सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को ऐसे नए विकास मॉडल और वृद्धि के नए इंजनों की आवश्यकता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर अपनाया और साझा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि परिवर्तनशील युग में भारत एक जीवंत लोकतंत्र के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके सामाजिक-आर्थिक संकेतक निरंतर बेहतर हो रहे हैं। साथ ही इसमें समावेशी डिजिटल प्रौद्योगिकी, सैद्धांतिक सुधार और समाज के सभी वर्गों को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। दुनिया महत्वपूर्ण आर्थिक बदलावों और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऐसे में सतत विकास लक्ष्यों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का सामूहिक कार्य पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष बेरी ने कहा कि अनुमान है कि 2013-14 और 2022-23 के बीच के दशक में 24.8 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकल आए हैं। भारत में विश्व में रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं का सबसे बड़ा समूह मौजूद है। भारत ने विकासशील देशों को रियायती वित्त, प्रौद्योगिकी साझेदारी और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान की है। इसमें सौर ऊर्जा अवसंरचना और डिजिटल शासन उपकरण शामिल हैं। बेरी ने कहा कि दुनिया को स्थिरता के आधार, विकास के नए इंजन और ऐसे विकास मॉडल की जरूरत है, जिन्हें बढ़ाया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

लोकतंत्र का दम ...

संसद की कार्यवाही के दौरान विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा था। ऐसे में जेपी नड्डा ने कहा था, मैं जो बोल रहा हूं, वहीं ऑन रिकॉर्ड जाएगा, बाकी कुछ नहीं जाएगा। अब इसी बयान को विपक्ष ने एक बड़ा मुद्दा बना लिया। विपक्ष के नेताओं का तर्क है कि जेपी नड्डा ने इस बयान से सीधे-सीधे सभापति के आसन का अपमान किया है। विपक्ष कह रहा है कि इसी वजह से जगदीप धनखड़, जेपी नड्डा से खफा हो गए। इसके ऊपर बिजनेस एडवाइजरी की जो मीटिंग सोमवार शाम को होनी थी, उसमें जेपी नड्डा ने हिस्सा नहीं लिया। जगदीप धनखड़ बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में न्यायपालिका से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण घोषणा करने वाले थे। लेकिन वह घोषणा रहस्य में लिपटी हुई ही रह गई। विपक्ष ने इसे भी मुद्दा बना लिया है और इसे भी धनखड़ की नाराजगी और अपमान से जोड़कर देख रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, जगदीप धनखड़ का अचानक इस्तीफा जितना चौंकाने वाला है, उतना ही अकल्पनीय भी है। उनके इस बिल्कुल अप्रत्याशित इस्तीफे के पीछे जो दिखाई दे रहा है, उससे कहीं अधिक है। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से यह भी आग्रह किया था कि वे त्यागपत्र वापस लेने के लिए धनखड़ से आग्रह करें। लेकिन प्रधानमंत्री धनखड़ के दीर्घायु होने के शुभकामना देते हुए उन्हें गुडबाय ही कह दिया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने धनखड़ के इस्तीफे पर कहा, वह पूरे दिन संसद भवन में थे। सिर्फ एक घंटे में ऐसा क्या हो गया कि उन्हें इस्तीफा देना पड़ा? मैं इसका कारण नहीं समझ पा रहा हूं। कांग्रेस सांसद नीरज डांगी ने कहा, यह बहुत चौंकाने वाली और हैरान करने वाली खबर है। शाम को अचानक सूचना आई। धनखड़ साहब ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है, लेकिन जहां तक स्वास्थ्य की बात है, उन्होंने दिल की समस्या के बावजूद 3-4 दिन में पिछला सत्र दोबारा शुरू कर दिया था। ऐसे में अचानक स्वास्थ्य कारणों का सामने आना कई सवाल खड़े करता है। यह सरकार के दबाव में दिया गया इस्तीफा लगता है। शायद सरकार ने ही उन पर यह फैसला थोपा हो। यह देश और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, भारत के इतिहास में पहली बार किसी उपराष्ट्रपति ने इस तरह इस्तीफा दिया है। चाहे कोई भी पद हो, सरकार इस देश को मनमाने तरीके से चलाना चाहती है और यह सबके सामने है। सांसद पप्पू यादव ने कहा, यह पूरी तरह से राजनीतिक इस्तीफा है। इस इस्तीफे के पीछे अवश्य कोई भीतर का गेम है

फर्जी वोटर ...

पिछड़े वर्गों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार, एआई 171 विमान दुर्घटना और मणिपुर गृह युद्ध जैसे मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में मोदी की उपस्थिति पर दबाव बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि ये लोगों के मुद्दे हैं और इन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने यह मुद्दा भी उठाया कि राहुल गांधी को सदन में बोलने की अनुमति दी जाए। यह भी निर्णय लिया गया कि विपक्ष संसद के दोनों सदनों में एसआईआर का मुद्दा उठाएगा।

कांवड़ रूट पर...

अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है।

सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था। सरकार के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य ने दायर की थीं। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवड़ियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। उनके अनुसार, दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवड़ियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें डर है कि सरकार के इस फैसले से सांप्रदायिक तनाव बढ़ेगा और इससे भीड़ हिंसा की आशंका भी बढ़ जाएगी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के दुकानदारों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हो सकती हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश निजता के अधिकार का उल्लंघन है। गौरतलब है कि बीते साल सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों के ऐसे ही निर्देश पर रोक लगा दी थी।

पूरा सिस्टम ही...

जिसे तीन खौफनाक हिस्सों में अंजाम दिया गया। भाग-ए में डिस्टिलरी द्वारा प्रति शराब पेटी 75 रुपए कमीशन के रूप में दिए जाने की बात शामिल थी, जिसे अनिल टुटेजा (सेवानिवृत्त आईएएस) और अरुण पति त्रिपाठी (आईटीएस) जैसे उच्च पदस्थ अधिकारियों ने सुगम बनाया और कांग्रेस के कद्दावर नेता अनवर ढेबर ने इसकी देखरेख की। ईडी के अनुसार, अकेले इस चैनल से 319 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हुई।

शराब को नकली होलोग्राम का उपयोग करके सिस्टम के बाहर बेचा गया और सरकारी गोदामों को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया। इसे सीधे दुकानों तक पहुंचाया गया और नकद में बेचा गया। ईडी का कहना है कि अकेले 2022-23 में, आबकारी अधिकारियों की नाक के नीचे हर महीने 400 ट्रक अवैध शराब ले जाई गई। सिंडिकेट ने अनुमानित 3,000 रुपए प्रति केस कमाए, जिससे शराब तरल सोने में बदल गई। एफएल-10ए नामक एक फर्जी लाइसेंस प्रणाली के ज़रिए विदेशी शराब को निशाना बनाया गया। सिंडिकेट के मुखौटे वाली चुनिंदा कंपनियों को प्रीमियम आयातित ब्रांड बेचने के लिए विशेष लाइसेंस दिए गए। उन्होंने पिछले साल की सरकारी दर पर शराब खरीदी, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए उसकी कीमत बढ़ा दी। लूट का माल आपस में बांट लिया गया और 60 प्रतिशत मुनाफा राजनीतिक गुट को दे दिया गया। घोटाले के इस हिस्से से 211 करोड़ रुपए कमाए गए। बोतल निर्माताओं और सुरक्षा ठेकेदारों से लेकर आबकारी निरीक्षकों और यहां तक कि होलोग्राम प्रिंटर तक, इस भ्रष्टाचार में शामिल थे। प्रवर्तन निदेशालय का कहना है कि शराब की बिक्री को नियंत्रित करने वाली पूरी मशीनरी ही भ्रष्टाचार इंजन बन गई। प्रमुख अभियुक्त लक्ष्मी नारायण बंसल, जिसे पप्पू के नाम से जाना जाता है, ने ईडी को बताया कि उसने अकेले ही 1,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा के घोटाले का प्रबंधन किया। उसने दावा किया कि चैतन्य बघेल के सीधे निर्देश पर उसने केके श्रीवास्तव नाम के एक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से 80-100 करोड़ रुपए नकद पहुंचाए थे। उधर, आंध्र प्रदेश में 3,500 करोड़ रुपए के शराब घोटाले में पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को हर महीने 50-60 करोड़ रुपए रिश्वत लेने वाला बताया गया है। हालांकि जगन रेड्डी को फिलहाल आरोपी नहीं बनाया गया है। आरोपपत्र में राजशेखर रेड्डी को मास्टरमाइंड बताया गया है। इस मामले में वाईएसआरसीपी सांसद मिधुन रेड्डी को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपपत्र में कहा गया है कि यह रकम पहले केसिरेड्डी राजशेखर रेड्डी (आरोपी नंबर 1) को सौंपी जाती थी। फिर वह पैसा विजय साई रेड्डी (आरोपी नंबर 5), मिधुन रेड्डी (आरोपी नंबर 4) और बालाजी (आरोपी नंबर 33) को दिया जाता था, जो कि अंत में इसे पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी तक पहुंचाते थे। हर महीने औसतन 50-60 करोड़ रुपए इकट्ठा किए जाते थे। यह बात एक गवाह के बयान से भी साबित हुई है। इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि राजशेखर रेड्डी इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड और सह-साजिशकर्ता है। उसने आबकारी नीति में बदलाव करवाया और आपूर्ति के लिए आदेश (ओएफएस) की स्वचालित (ऑटोमेटिक) प्रणाली को हटाकर मैनुअल प्रक्रिया लागू करवाई। साथ ही, उसने आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) में अपने भरोसेमंद लोगों की नियुक्ति करवाई। राजशेखर रेड्डी ने फर्जी डिस्टलरी (शराब बनाने का संयंत्र) बनवाईं और बालाजी गोविंदप्पा नाम के आरोपी के जरिए जगन को रिश्वत पहुंचाई। साथ ही, उसने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के लिए चुनावों में 250 से 300 करोड़ रुपए नकद दिए। यह रकम 30 से ज्यादा फर्जी कंपनियों के जरिए धनशोधन कर विदेश में जमीन, सोना और महंगी संपत्तियों में लगाई गई। कुछ निवेश दुबई और अफ्रीका में भी किए गए। पुलिस का दावा है कि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान आरोपियों ने नई शराब ब्रांड बाजार में उतारी, ताकि आपूर्ति और बिक्री पर उनका पूरा नियंत्रण हो और 2019 से 2024 तक बड़ी मात्रा में कमीशन वसूला जा सके। आरोपपत्र में कहा गया है, आरोपियों ने मिलकर आबकारी नीति और उसकी प्रक्रिया को बदला, ताकि उन्हें मोटा कमीशन मिल सके। इस कमीशन का ज्यादातर हिस्सा नकद और सोने के रूप में लिया गया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने जानबूझकर उन ब्रांड/डिस्टिलरी को ओएफएस की मंजूरी नहीं दी, जो रिश्वत नहीं दे रहे थे। इस मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने शनिवार को वाईएसआरसीपी के लोकसभा सांसद पीवी मिधुन रेड्डी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले मई महीने में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस शराब घोटाले को लेकर धनशोधन का मामला दर्ज किया था।ईडी ने इस मामले की जांच के लिए धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक ईसीआईआर दायर की है। मिधुन रेड्डी की गिरफ्तारी के बाद वाईएसआरसीपी नेताओं ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है। वाईएसआरसीपी की प्रेस विज्ञप्ति में पूर्व मंत्री बोचा सत्यनारायण, परणी वेंकटरमैया (नानी), अंबाती रामबाबू, मेरुगु नागार्जुन और पार्टी महासचिव जी श्रीकांत रेड्डी ने इस कार्रवाई की निंदा की है और कहा है कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सत्ता का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं।

कांग्रेस को ...

आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने देर से रिटर्न दाखिल करने और नकद दान सीमा उल्लंघन के कारण छूट का दावा खारिज किया। कांग्रेस ने नियत तिथि से काफी बाद रिटर्न दाखिल किया और जीरो इनकम घोषित करते हुए छूट का दावा किया था। ट्रिब्यूनल के फैसले के मुताबिक कांग्रेस को 2018-19 से लंबित पार्टी फंड में 199 करोड़ रुपए की आयकर छूट मांग में कोई राहत नहीं मिलेगी। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान सीमा के उल्लंघन के कारण पार्टी के छूट के दावे को खारिज कर दिया है। आईटीएटी ने कहा, करदाता ने 2.02.2019 को दाखिल किया गया रिटर्न, उसे छूट के लिए पात्र बनाने हेतु नियत तिथि के भीतर नहीं है। कांग्रेस ने 2 फरवरी 2019 को अपना आयकर रिटर्न दाखिल किया था, जो 31 दिसंबर 2018 की नियत तिथि से काफी आगे था, और जीरो इनकम घोषित की थी। इसने 199.15 करोड़ रुपए की छूट का भी दावा किया था। लेकिन सितंबर 2019 में कर निर्धारण अधिकारी को जांच के दौरान पता चला कि पार्टी ने 14.49 लाख रुपए नकद दान स्वीकार किए थे। इनमें से कई दान कानून के तहत प्रति दानदाता 2,000 रुपए की सीमा से अधिक थे।2000 रुपए से अधिक के दान का भुगतान चेक या बैंक हस्तांतरण जैसे बैंकिंग माध्यमों से किया जाना है। इसके बाद पूरी राशि पर कर लगाया गया। जब कांग्रेस ने छूट मांगी, तो आयकर विभाग ने 2021 में दावे को अस्वीकार कर दिया। मार्च 2023 में आयकर आयुक्त (अपील) ने इस निर्णय को बरकरार रखा। अपीलीय न्यायाधिकरण ने पिछले वर्ष कोई भी अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया था।

सावन शिवरात्रि पर करें शिवपुराण के ये पांच सरल उपाय

भगवान शिव की कृपा से मिलेगा धन संपत्ति का सुख

सावन मास में आने वाली शिवरात्रि का विशेष महत्व है। शिवपुराण के अनुसार, सावन मास की शिवरात्रि को जो व्यक्ति श्रद्धा के साथ भगवान शिव की उपासना करता है उसकी सारी इच्छाएं पूरी होती है। साथ ही भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद बना रहता है। शिवपुराण में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए कई तरीके बताए गए हैं। शिवपुराण के अनुसार, शिवरात्रि के दिन भगवान शिव से जुड़े कुछ आसान और सरल उपाय करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है साथ ही धन, समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

भगवान शिव को ऐसे अर्पित करें बेलपत्र

शिव पुराण के अनुसार, शिवरात्रि वाले दिन सुबह ये शाम के समय बेलपत्र पर चंदन से ओम नम: शिवाय लिखकर शिवलिंग पर अर्पित करें। 108 बेलपत्र लेकर सभी पर चंदन से एक एक करके ओम नमः शिवाय लिखे। ऐसे आपको शिवालय में जाने के बाद ही करना है इसके बाद एक एक करके मंत्र का जप करते हुए बेलपत्र भगवान शिव को अर्पित करें। ऐसे करने से धन संबंधित परेशानियां दूर होती हैं साथ ही दुर्भाग्य दूर होता है। साथ ही भगवान शिव पर बेलपत्र अर्पित करने से व्यक्ति को तीन जन्मों का पुण्य लाभ मिलता है।

भगवान शिव का काले तिल से अभिषेक करें

शिवरात्रि के दिन भगवान शिव का काले तिल से अभिषेक करें। ऐसे करने से व्यक्ति के सभी पापों का नाश होता है साथ ही दरिद्रता दूर होती है। जल अपने घर से ही तैयार करके लेकर जाए। एक लोटे में शुद्ध जल, काले तिल और गंगाजल मिला लें। इसके बाद शिवालय में जाकर महामृत्युंजय मंत्र या ॐ नमः शिवाय का जप करते हुए भगवान शिव का अभिषेक करें। भगवान शिव का इस तरह से अभिषेक करने से सुख-समृद्धि और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

धतूरा, आक और शमी पत्ते अर्पित करें

शिवरात्रि के दिन अपने घर में या शमी का पौधा लगाना बहुत शुभ माना जाता है। साथ ही इस दिन भगवान शिव को धतूरा, आक के फूल अर्पित करने से धन की स्थिरता और वृद्धि होती है। इसी के साथ शमी के कुछ पत्ते लेकर शिवलिंग पर अर्पित करें। इस उपाय को करने से कुबेर का आशीर्वाद बना रहता है।

शिवलिंग पर अक्षत अर्पित करें

शिव पुराण के अनुसार, शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर अक्षत (साबुत चावल) अर्पित करें। इसके लिए अपने घर से ही चावल के 108 दाने गिनकर लेकर जाएं और शिवलिंग पर एक एक दाने लेकर अर्पित करें और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं का जप करते हुए अर्पित करें। ऐसा करने से अन्न और धन की कमी नहीं होती है।

शिवलिंग का करें रुद्राभिषेक

शिव पुराण में बताया गया है कि रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं। शिवपुराण में रुद्राभिषेक को सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। रुद्राभिषेक दूध में शहद, दूध, दही, शक्कर, गंगाजल और घी से किया जाता है। सबसे पहले शिवलिंग का पंचामृत से अभिषेक करें इसके बाद शुद्ध जल में गंगाजल मिलाकर शिवलिंग की शुद्धि करें। सावन शिवरात्रि के दिन इस उपाय को करने से व्यक्ति रोग मुक्त और धन संपत्ति लाभ पाता है। यह उपाय आप सुबह या शाम इन दो समय पर कर सकते हैं।

शिवरात्रि पर करें दीपक और दान

शिव पुराण में कहा गया है कि सावन शिवरात्रि के दिन रात के समय मंदिर या फिर अपने घर की उत्तर दिशा की ओर मुख करके एक दीपक जलाएं। ऐसा करने से कुंडली में कमजोर शुक्र और चंद्रमा मजबूत होते हैं। साथ ही इस दिन दूध, दही या चांदी की कोई वस्तु का दान भी आप कर सकते हैं।

सावन के बुधवार को करें इनमें से कोई एक काम

भोले बाबा के साथ गणेशजी का भी पाएंगे आशीर्वाद, धन-दौलत की नहीं होगी कमी

सावन का महीना बहुत पवित्र होता है जो पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। ऐसे में भक्त नियमित रूप से शिवजी की पूजा और व्रत करते हैं। साथ ही, इस माह में पड़ने वाला हर दिन भी बहुत खास होता है। हिंदू धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित माना गया है। इनमें से बुधवार का दिन भगवान गणेश की पूजा-पाठ का होता है। ऐसे में अगर आप सावन में पड़ने वाले बुधवार को कुछ विशेष उपाय कर लें तो इससे भोलेनाथ के साथ-साथ भगवान गणेश की भी कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, जीवन से धन संबंधी समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

रोगों से मुक्ति और धन में वृद्धि का उपाय

अगर आप धन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं या शरीर से जुड़ी किसी समस्या से परेशान हैं, तो बुधवार के दिन एक छोटा सा उपाय आजमा सकते हैं। इसके लिए इस दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। अब शिवजी के मंदिर में जाकर कम से कम 108 साबुत मूंग की दाल भगवान शिव को अर्पित करें। इस दाल को अर्पित करने के साथ-साथ 108 बार 'ओम नमः शिवाय' मंत्र का भी जाप करें। शिव पुराण में बताया गया यह उपाय बहुत लाभदायक होता है। इससे जातक को रोगों से मुक्ति मिल सकती है और धन-दौलत में भी वृद्धि होती है। साथ ही, भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है।

जीवन में तरक्की का उपाय

सावन में पड़ने वाले बुधवार के दिन भगवान गणेश की पूजा करने के साथ-साथ किसी किन्नर को सवा किलो साबुत मूंग की दाल का दान भी अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को जीवन के दुखों से निजात

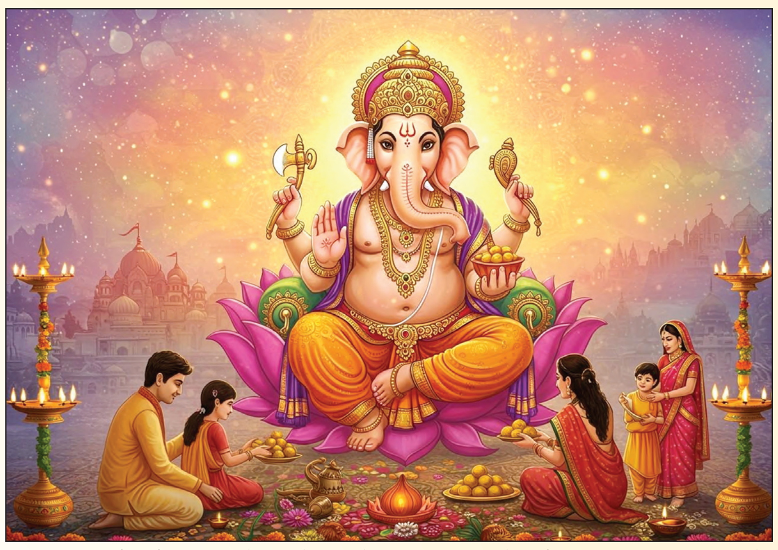

मिल सकती है और तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं। वहीं, इस दिन आप 250 ग्राम दाल को बहते जल में भी प्रवाहित कर सकते हैं। अगर आपके कार्यों में बार-बार बाधाएं आ रही हैं, तो इस उपाय को एक बार जरूर आजमाकर देखें। ऐसा करने से बिगड़े काम भी बनने लगते हैं।

घर में सुख-शांति लाने का उपाय

माना जाता है कि बुधवार को गाय को भोजन कराना बेहद उत्तम होता है। ऐसा करने से जातक को भगवान का विशेष आशीर्वाद प्राप्त हो सकता है। इसके लिए बुधवार के दिन गाय को पालक जरूर खिलाएं। अगर ऐसा संभव न हो तो आप पालक की जगह हरा चारा खिला सकते हैं। इस उपाय को करने से जातक के जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। साथ ही, घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

बुद्धि और एकाग्रता बढ़ाने का उपाय

इसके लिए बुधवार के दिन जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, विधि-पूर्वक भगवान गणेश की पूजा करें और उन्हें ताजा अपराजिता के फूल अर्पित करें। साथ ही, शिवजी को भी ये पुष्प चढ़ाएं। इस उपाय को करने से जातक को भगवान गणेश और भोलेनाथ की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही, बुद्धि और एकाग्रता भी बढ़ती है। बुधवार का यह उपाय आपके जीवन से दुखों को दूर कर सकता है।

धन संबंधी समस्याएं दूर करने का उपाय

बुधवार के दिन किसी किन्नर को हरी चूड़ियां और हरे वस्त्र का दान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है। वहीं, अगर आपको किन्नर सिक्का देती हैं तो उसे अपनी तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर रख देना चाहिए। इस उपाय को करने से धन से जुड़ी समस्याओं से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने लगती है।

मालव्य राजयोग का राजसी संयोग, सिंह सहित पांच राशियों को भगवान गणपति-महेश की कृपा से मिटेंगे संकट

आज यानी 23 जुलाई बुधवार है। आज के दिन चंद्रमा बुध की राशि मिथुन में संचार करेंगे और बुधवार होने की वजह से आज के दिन बुध ग्रह का आधिपत्य रहेगा। इस पर आज चंद्रमा के साथ गुरु की युति होगी जिससे उत्तम संयोग बनेगा। इसपर आज शुक्र अपनी उच्च राशि वृषभ में गोचर करते हुए मालव्य राजयोग का शुभ संयोग बनाएंगे और आज आर्द्रा नक्षत्र के संयोग में हर्ष योग का भी निर्माण होगा। आज बुधवार का दिन होने से दिन के देवता भगवान गणेश होंगे जबकि आज की तिथि महादेव को समर्पित होगी। जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, आज सावन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि है जिसे सावन शिवरात्रि के नाम से भी जाना जाता है। आज शिवजी पर जल चढ़ेगा। ऐसे में आज बुधवार का दिन मालव्य राजयोग और भगवान शिव और गणेश की कृपा से सिंह सहित 5 राशियों के लिए लकी रहने वाला है। आज इन राशियों को अलग-अलग क्षेत्रों से धन लाभ के मौके मिलेंगे। इनके मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी और परिवार में सुख शांति रहेगी। आज इन राशियों को शिवलिंग पर जलाभिषेक करना का विशेष फल प्राप्त होगा। ऐसे में आइये जानते हैं कि आज 23 जुलाई बुधवार को सिंह सहित 5 राशियों को किन-किन मामलों में भाग्य का साथ मिलने वाला है।

मेष राशि –मेष राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन उत्तम रहने वाला है। आज भगवान शिव और गणेश जी की कृपा से मेष राशि के जातकों को आज मनचाहा लाभ मिलने के आसार हैं। करियर से लेकर कारोबार तक में आज आपको साहसिक फैसलों का फायदा मिलेगा। आज आप बेहतरी के लिए सख्त रुख अपनाने से नहीं हिचकिचाएंगे और आपको आने वाले दिनों में इसका परिणाम भी मिलेगा। आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। मीडिया, लेखन, शोध, पठन-पाठन, कम्युनिकेशन आदि के काम से जुड़े जातकों के लिए आज दिन उम्मीद से बेहतर लाभदायक हो सकता है। यही नहीं आज आप काम के सिलसिले में छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। यात्रा आपके लिए फायदेमंद होगी और इच्छित परिणाम दिलाने वाली रहेगी। परिवार में आज आपके सुख शांति रहेगी। आपको छोटे भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही आज आपको जीवनसाथी से भरपूर स्नेह मिलेगा। आपके संबंधों में मधुरता रहेगी।

उपाय : आज भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाएं। इसके साथ ही शिव पंचाक्षर स्तोत्र का पाठ करें और शिवजी पर जल अर्पित करें। आपके काम बनते चले जाएंगे।

कर्क राशि– कर्क राशि के जातकों को आज बुधवार को विदेश से लाभ मिल सकता है। खासकर आज आपको आयात निर्यात से जुड़े कार्यों में उम्मीद से बेहतर मुनाफा कमाने का मौका मिल सकता है जिससे आपका मन खुश होगा। इसके साथ ही आज करियर, पढ़ाई, कारोबार के लिए विदेश जाने का प्रयास कर रहे जातकों को अच्छी खबर मिल सकती है। इसके साथ ही आज अस्पताल, मेडिआज स्टोर, लैब आदि से जुड़े काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही आज आपको कोर्ट कचहरी के मामलों में भी परेशानी से राहत मिल सकती है। नौकरीपेशा जातक आज के दिन अतिरिक्त

प्रयास करते नजर आएंगे जिसका उन्हें लाभ भी मिलेगा। आप अपने संसाधनों को बढ़ाने के लिए खर्च कर सकते हैं। धर्म कर्म के कार्यों में मन लगेगा। दान पुण्य करेंगे। इसके साथ ही आपके परिवार में आज आनंद का माहौल रहेगा। जीवनसाथी आपके कहे बिना आपकी बात समझ लेगा।

उपाय : आज गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करें। इसके साथ ही शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, घी, शहद, बेल पत्र और धतूरा आदि चढ़ाएं। आपके संकट दूर होंगे।

सिंह राशि – सिंह राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। आज आपको धन प्राप्ति के नए मौके मिलेंगे जिनकी मदद से आपकी आय में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। इसके साथ ही आज आपको बड़े भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। आपकी पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन बड़ा ही प्रसन्न रहेगा। आप अपनी सुख सुविधाओं पर आज खर्च करेंगे। इसके साथ ही आज आपके सामाजिक दायरे में विस्तार होगा। राजनीति और समाजसेवा के क्षेत्र से जुड़े जातकों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज आपके मान सम्मान में इजाफा होगा। इसके साथ ही नौकरीपेशा जातकों को भी फ्रीलॉन्सिंग या मूनलाइटिंग के मौके मिल सकते हैं। जिसकी मदद से आपकी अतिरिक्त आय हो सकती है। परिवार में आज आपके सुख समृद्धि का वास रहेगा। जीवनसाथी से आपको न सिर्फ भावनात्मक बल्कि आर्थिक लाभ मिलने के भी आसार हैं। बच्चों की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है।

उपाय : आज बुधवार को रुद्राक्ष की माला से ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें। इसके साथ ही जरूरतमंदों को दान करें। गाय को हरा चारा खिलाएं।

धनु राशि – आज बुधवार का दिन धनु राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। आज आपको कारोबार में सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। वे आपके फैसलों के साथ खड़े रहेंगे। इसके साथ ही आज नया काम शुरू करने का विचार बना रहे हैं या किसी जगह निवेश करने का मन बना रहे हैं तो पार्टनरशिप में धन लगाना फायदेमंद हो सकता है। आज पार्टनरशिप में काम करने वालों को अतिरिक्त लाभ मिल सकता है। आपका बिजनेस तेजी से आगे बढ़ सकता है। साझेदार के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे और आपको अपने पार्टनर की किस्मत का लाभ भी मिल सकता है। इसके साथ ही आज आपको परिवार का पूरा सहयोग और स्नेह मिलेगा। खासकर जीवनसाथी के साथ अगर कोई अनबन चल रही थी तो आज वह खत्म हो जाएगी। आपके रिश्तों में पहले की तरह ही मधुरता आएगी। प्रेम संबंधों के लिहाज से भी आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बन सकता है।

उपाय : आज शिवलिंग पर कम से कम 21 बेल पत्र सफेद चंदन से ॐ लिखकर चढ़ाएं। इसके बाद शिव चालीसा और गणेश चालीसा का पाठ करें। आपके विघ्न खत्म होंगे।

मीन राशि– मीन राशि के जातकों के लिए आज बुधवार का दिन उत्तम रहने वाला है। आज आपको परिवार का कदम कदम पर साथ मिलेगा। फैमिली बिजनेस करते हैं तो आज आपको अतिरिक्त लाभ मिलने के आसार हैं। इसके साथ ही आज आपको करीबी रिश्तेदारों खासकर मातृ पक्ष की तरफ से लाभ मिल सकता है। रियल एस्टेट, प्रॉपर्टी डीलिंग, ट्रांसपोर्ट आदि के बिजनेस करने वालों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। इसके साथ ही आज आपकी योजनाएं फलीभूत होंगी। जिससे आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। मानसिक रूप से आप मजबूत महसूस करेंगे। रोजगार की तलाश कर रहे जातकों को आज कहीं से उम्मीद की किरण नजर आ सकती है। परिवार में आपको मां का भरपूर सहयोग मिलेगा। आप माता-पिता के साथ तीर्थ यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। वैवाहिक जीवन में भी आज खुशहाली बनी रहेगी।

उपाय : आज बुधवार को शिवलिंग पर गंगाजल से अभिषेक करें। इसके बाद ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का 108 बार जप करें। आपके दुख दूर होंगे।

मंगल गोचर कन्या राशि में, वृषभ समेत अन्य राशियों को मिलेगा मंगलकारी परिणाम

मंगल 28 जुलाई को कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। मंगल के इस गोचर के साथ ही जून से चल रहा केतु और मंगल का कुजकेतु योग समाप्त हो जाएगा। साथ ही मंगल का गुरु और शुक्र के साथ केंद्र योग बनेगा और सूर्य के साथ मंगल का त्रि-एकादश योग बनेगा जो शुभ लाभदायक रहेगा लेकिन इसके साथ राहु, शनि और मंगल का प्रतिकूल योग भी बनेगा जो मीन और कुंभ राशि के लिए अनुकूल नहीं है। लेकिन वृषभ समेत पांच राशियों को मंगल अप्रत्याशित लाभ दिला सकता है।

मंगल गोचर से वृषभ राशि को मिलेगा मंगलकारी परिणाम

मंगल का गोचर 28 जुलाई से आपकी राशि से पंचम भाव में होगा। ऐसे में आपकी लव लाइफ में प्रैम और उत्साह का संचार होगा। आपको शिक्षा के क्षेत्र में भी अनुकूल परिणाम प्राप्त होगा। जो जातक विदेश में शिक्षा के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको मंगल गोचर से लाभ मिलेगा। आप इस समय कोई साहसिक फैसला लेकर भी लाभ उठा पाएगे। जो लोग प्रॉपर्टी से संबंधित काम करते है उनके लिए लाभ की स्थिति बनेगी। मकान और गृहनिर्माण संबंधित मामलो में धन खर्च होगा लेकिन आपको खुशी मिलेगी। कोई संपत्ति संबंधी विवाद चल रहा है तो इसका हल निकल सकता है।

मंगल गोचर से मिथुन राशि के जातक पाएंगे सुख लाभ

मिथुन राशि के लिए मंगल का गोचर लाभ और सुख का सृजन करेगा। आपको इस समय वाहन और बिजली के उपकरण की खरीदारी कर सकते है। आपके घर में भौतिक सुख साधनों की वृद्धि होगी। आपको माता और मातृपक्ष से लाभ मिल सकता है। आप इस समय बिजनेस में अच्छी कमाई कर पाएगे। किसी कारण से यात्रा का भी संयोग बनेगा। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई अच्छा मौका मिल सकता है।

मंगल गोचर से कर्क राशि को मिलेगा फायदा

मंगल गोचर का लाभ कर्क राशि के जातको को भी मिल रहा है। कन्या राशि में मंगल का गोचर आपकी राशि से तीसरे भाव में होगा, ऐसे में आपके आपके अंदर साहस और उत्साह का संचार बना रहेगा। जो काम आपके लिए कठिन बना हुआ था वह काम भी आपका आसानी से पूरा हो जाएगा।

आपको बड़े भाई बहनों से सहयोग मिलेगा। कामकाज के सिलसिले में यात्रा का संयोग बन सकता है जो आपके लिए फायदेमंद होगा। ससुराल पक्ष के संबंधियों से भी आपका मधुर संबंध बना रहेगा और इनसे मिलने जुलने का संयोग बन सकता है। जो लोग प्रॉपर्टी में निवेश के लिए प्रयास कर रहे है उनको सफलता मिलेगी।

मंगल गोचर से वृश्चिक राशि की कमाई में वृद्धि

वृश्चिक राशि के लोगों के लिए मंगल का गोचर बहुत ही शुभ रहेगा। मंगल आपकी राशि से ग्यारहवें भाव में संचार करेंगे। राशि स्वामी मंगल का आय स्थान में होना आपकी कमाई में वृद्धि का संयोग बना रहा है। आपको अप्रत्याशित लाभ मिलेगा। जो लोग होटल, अग्नि और साहसिक और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े हुए हैं उनके लिए मंगल का यह गोचर विशेष रूप से लाभदायक रहेगा। चिकित्सकों और दवाइयो के कारोबार से जुड़े जातकों के लिए भी मंगल का यह गोचर लाभदायक होगा। आपको वैवाहिक जीवन में प्रेम और खुशी मिलेगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और उत्साह बना रहेगा। आप किसी रोमांचक यात्रा का भी आनंद ले सकते हैं।

मंगल गोचर से मकर राशि वालों चमकेगा भाग्य

मंगल का गोचर मकर राशि से भाग्य भाव में होगा। मंगल मकर राशि में उच्च के माने जाते हैं और मकर राशि के लिए शुभ रहते हैं। ऐसे में मंगल का मकर राशि से भाग्य स्थान में गोचर करना इनके भाग्य में वृद्धि कर रहा है। आपको धार्मिक कार्यो में और शुभ कार्यो में भाग लेने का मौका मिलेगा। शिक्षा और करियर में आपको उन्नति का मौका मिल सकता है। आप अपने पूर्व में किए गए निवेश और कार्यों का भी शुभ परिणाम पाएंगे। खेल और प्रशासनिक कार्यों से जुड़े जातको के लिए मंगल का यह योग बहुत ही शुभ रहेगा। आपको थोड़े प्रयास में भाग्य बड़ी सफलता दिलाकर हैरान कर सकता है। घर परिवार में मान सम्मान पाएगे।

गुरु दत्त की जन्म शताब्दी: प्यासा समेत क्लासिक्स की 4के वापसी, देशभर में 8-10 अगस्त को

भारतीय सिनेमा के महानतम दिग्गजों में से एक गुरु दत्त की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में, इस अगस्त में फिल्म प्रेमियों की एक नई पीढ़ी को उनकी कालजयी फिल्मों का जादू बड़े पर्दे पर देखने का दुर्लभ अवसर मिलेगा। अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप, एनएफडीसी-एनएफएआई के सहयोग से, गुरु दत्त की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों का देशव्यापी नाट्य पुनरावलोकन प्रस्तुत करने के लिए तैयार है, जिन्हें आज के दर्शकों के लिए सावधानीपूर्वक पुनर्स्थापित किया गया है। 8 से 10 अगस्त तक, भारत भर के 250 से अधिक सिनेमाघरों में गुरु दत्त की मास्टरपीस फिल्मों के नए 4के रिस्टोर्ड वर्जन प्रदर्शित किए जाएंगे।

यह विशेष आयोजन सिनेप्रेमियों, फिल्म छात्रों और नए युग के दर्शकों को गुरु दत्त की काव्यात्मक गहराई, दृश्यात्मक चमक और कालातीत कहानी कहने के अनुभव को 4के स्पष्टता में देखने का निमंत्रण देता है।

अल्ट्रा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट ग्रुप के एमडी और सीईओ, सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, गुरु दत्त की फिल्में कालातीत उत्कृष्ट कृतियाँ हैं जिन्होंने फिल्म निर्माताओं और दर्शकों की पीढ़ियों को प्रभावित किया है। यह पहल केवल गुरु दत्त की विरासत को श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि सिनेमा के माध्यम से पीढ़ियों को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आंदोलन भी है।

एनएफडीसी के प्रबंध निदेशक प्रकाश माग्दुम ने कहा, गुरु दत्त की फिल्मों को पुनर्स्थापित करना पुरानी रीलों को पुनर्जीवित करने से कहीं अधिक है। यह एक अमूल्य विरासत की सुरक्षा के बारे में है जो भारतीय सिनेमा की आत्मा को परिभाषित करती है। उन्होंने बताया कि इन फिल्मों को राष्ट्रीय फिल्म विरासत मिशन के हिस्से के रूप में पुनर्स्थापित किया गया है, जो भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की एक पहल है। इस पुनरावलोकन में प्रदर्शित होने वाली प्रमुख फिल्मों में प्यासा (1957) शामिल है, जिसे अक्सर भारतीय सिनेमा की महानतम फिल्मों में से एक माना जाता है। यह फिल्म एक मोहभंग कवि को एक भौतिकवादी दुनिया में नेविगेट करते हुए दर्शाती है। इसके अलावा, आर पार (1954), एक स्टाइलिश बॉम्बे नॉयर, चौदहवीं का चांद (1960), लखनऊ की नवाबी संस्कृति की पृष्ठभूमि पर आधारित दोस्ती और प्यार की मार्मिक कहानी, मिस्टर एंड मिसेज 55 (1955), एक हल्की-फुल्की रोमांटिक कॉमेडी, और बाज़ (1953), गुरु दत्त की एक निर्देशक के रूप में पहली फिल्म, भी प्रदर्शित की जाएंगी। ये फिल्में गुरु दत्त की प्रतिभा की एक झलक पेश करती हैं - एक फिल्म निर्माता जिनका काम अपनी भावनात्मक ईमानदारी, सिनेमाई भव्यता और कालातीत प्रासंगिकता के साथ नई पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।

काजोल और ट्विंकल खन्ना की जोड़ी नए स्ट्रीमिंग चैट शो में मचाएगी धमाल

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और लेखिका ट्विंकल खन्ना आगामी टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल टॉक शो में साथ आने वाली हैं। शो में दोनों मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी। इस शो में बॉलीवुड और इंडस्ट्री के जाने-माने नाम शामिल होंगे।

प्राइम वीडियो इंडिया के निदेशक और ओरिजिनल्स प्रमुख, निखिल मधोक ने एक बयान में इस खबर की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, हमें काजोल और ट्विंकल के साथ टू मच की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह अभी तक का पहला टॉक शो है, जिसे भारतीय मनोरंजन जगत की दो हस्तियां होस्ट करेंगी, जो इस शो को नया आगाज देंगी। इस शो में इंडस्ट्री के जाने - माने चेहरे शामिल होंगे। काजोल और ट्विंकल शो में मेहमानों से बातचीत करेंगी। शो में मशहूर हस्तियां मनोरंजक जगत की खास बातचीत करती नजर आएंगी।

बनिजय एशिया और एंडेमोल शाइन इंडिया की ग्रुप चीफ डेवलपमेंट ऑफिसर मृणालिनी जैन ने अपकमिंग टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल के बारे में अपनी बात की। उन्होंने बताया कि यह शो भारत के सबसे बड़े सितारों के साथ होगा, जो बेबाकी से अपनी राय रखते और मनोरंजन जगत की बातें करते नजर आएंगे।

उन्होंने बताया, यह शो काजोल और ट्विंकल के विशिष्ट, निडर और ताजगी भरे अंदाज से भरपूर होगा। शो में दोस्ती, जीवन के अनुभव और खूब हंसी-मजाक देखने के लिए मिलेगा।

उन्होंने यह भी कहा, बनिजय एशिया में, हम ऐसे मौलिक प्रारूप तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दर्शकों को बांधे रखें, और टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल के साथ, हमें प्राइम वीडियो से बेहतर कोई और साथी नहीं मिल सकता था, जो एक ऐसी स्ट्रीमिंग सर्विस है जो भारत में अनस्क्रिप्टेड कंटेंट को नई परिभाषा दे रही है। टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल जल्द ही प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

तुम मेरी ताकत, सहारा और सपोर्ट हो... : संजय दत्त

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त ने पत्नी मान्यता दत्त के 47वें जन्मदिन के मौके पर एक प्यार भरा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने मान्यता को अपनी ताकत बताया। साथ ही अपनी जिंदगी में शामिल होने के लिए मान्यता को धन्यवाद भी दिया। संजय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मान्यता और उनके जुड़वां बच्चे शहरान और इकरा की कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मान्यता। मेरी जिंदगी में होने के लिए धन्यवाद। तुम मेरी ताकत हो, मेरा सहारा हो, मेरी सलाहकार हो और तुम्हारा मजबूत सपोर्ट मेरे जीवन में हमेशा रहा है। भगवान आपको हमेशा खुशी और शांति दे। मान्यता, मैं तुमसे हमेशा प्यार करता हूं।

इस पोस्ट पर संजय की बेटी त्रिशाला, जो उनकी पहली पत्नी ऋचा शर्मा की बेटी हैं, ने कमेंट में हार्ट इमोजी शेयर किया।

वहीं अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने कमेंट में लिखा, जन्मदिन मुबारक मान्यता। आपको हमेशा प्यार, खुशहाली और अच्छी सेहत की शुभकामनाएं।

संजय और मान्यता ने सबसे पहले 2008 में गोवा में रजिस्ट्रेशन के जरिए शादी की। उसके दो साल बाद मुंबई में हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। अक्टूबर 2010 में वे जुड़वां बच्चों शहरान और इकरा के माता-पिता बने।

संजय दत्त की पहली

ऋचा शर्मा से 1987 में हुई थी, लेकिन उनकी 1996 में ब्रेन ट्यूमर से मृत्यु हो गई। इसके बाद उन्होंने एयर होस्टेस और मॉडल रिया पिल्लई से फरवरी 1998 में दूसरी शादी की, लेकिन ये शादी चल नहीं पाई और 2008 में दोनों का तलाक हो गया। वर्कफ्रंट की बात करें तो संजय

' रिलीज

त किया। इसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, नाना पाटेकर समेत कई स्टार्स शामिल थे।

वह जल्द ही एक्शन-जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' में नजर आएंगे। इस फिल्म की कहानी आदित्य धर ने लिखी है और साथ ही इसका निर्देशन भी किया है। इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे कलाकार हैं।

श्रद्धा कपूर को पसंद आई सैयारा, बोलीं इससे आशिकी हो गई

आशिकी-2 फेम अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर हालिया रिलीज फिल्म सैयारा की तारीफ की। फिल्म उन्हें इतनी पसंद आई कि इससे आशिकी का इजहार कर दिया!

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर कई पोस्ट किए। पहली पोस्ट में अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह थिएटर में फिल्म सैयारा देख रही हैं और साथ ही निर्देशक मोहित सूरी के लिए तालियां बजाते हुए और चीयर करती नजर आ रही हैं। वीडियो के कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा, सैयारा से आशिकी हो गई।

इसके बाद उन्होंने मूवी के एक सीन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, इस मोमेंट के लिए मैं 5 बार फिल्म देखूंगी। इसके अलावा श्रद्धा ने कहा, प्योर सिनेमा, प्योर ड्रामा, प्योर मैजिक। उन्होंने अपने फैंस को ये भी बताया कि किसी भी फिल्म को देखने के बाद उन्होंने बहुत समय के बाद इमोशनल फील किया है।

फिल्म में अभिनेता अहान पांडे एक स्ट्रगलिंग म्यूजिशियन कृष कपूर की भूमिका में हैं, जबकि अनीत पड्डा एक युवा लेखिका वाणी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जो अल्जाइमर रोग से पीड़ित है। यह कहानी प्रेम और यादों के इर्द-गिर्द घूमती है।फिल्म का संगीत मिथुन, तनिष्क बागची, सचेत-परंपरा, विशाल मिश्रा, फहीम अब्दुल्ला और अर्सलान निजामी ने तैयार किया है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल जैसे गायकों ने अपनी आवाज दी है। वर्कफ्रंट की बात करें, तो श्रद्धा अपकमिंग फिल्म तुम्बाड के लिए निर्माता राही बर्वे के साथ हाथ मिलाएंगी। खबरों के अनुसार, अभिनेत्री ने निर्माता एकता कपूर के साथ एक मल्टी-फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, एकता कपूर के एक और अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट में भी श्रद्धा दिखेंगी। खबर है कि श्रद्धा की लोकप्रिय फिल्म धूम फ्रैंचाइजी के लिए भी बातचीत चल रही है।अभिनेत्री को साल 2024 में अमर कौशिक द्वारा निर्देशित हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2: सरकटे का आतंक में देखा गया था। यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की चौथी फिल्म थी और 2018 में रिलीज हुई फिल्म स्त्री का सीक्वल थी। इस फिल्म में राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी थे।

एकता कपूर संग फिर से काम करना चाहती हैं अंजुम फाकिह, बोलीं- मैं उनकी फैन

टे
जन अभिनेत्री अंजुम
कह ने फिल्म और
निर्माता एकता कपूर
दोबारा काम करने
च्छा जताई। कुंडली
और बड़े अच्छे
ी हैं जैसे एकता के
कप्रिय शो में काम
र चुकीं अंजुम ने
ताया कि वह एकता
की प्रशंसक हैं। अंजुम
फाकिह ने कहा कि
वह हमेशा से एकता
कपूर और शोभा
कपूर के काम को
पसंद करती हैं और
उनकी फैन हैं।
समाचार एजेंसी बात
करते हुए उन्होंने
योंकि सास भी कभी
हू थ के रीबूट की
र्चा पर कहा, मैं
ता, शोभा आंटी और
जी टेलीफिल्म्स की
क हूं। अगर मुझे फिर
साथ काम करने का
ला, तो जरूर हां

रियलिटी शो छोरियां
जर आएंगी, जिसमें
चकाचौंध छोड़कर गांव
दगी को अपनाती
गी। शो के बारे में
ी लड़कियां हैं। गांव
करने का मौका कौन
बहुत नया और

रोमांचक है। मुझे नहीं लगता कि ऐसा शो पहले कभी देखा गया है। दर्शकों को यह देखना मजेदार लगेगा कि शहर की लड़कियां गांव में कैसे ढलती हैं।

अंजुम ने बताया कि वह गांव में पैदा हुई थीं, लेकिन 15 साल से वहां नहीं गईं। अब एक नए गांव में जाना उनके लिए अनोखा अनुभव होगा। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वहां क्या होगा, लेकिन यही उत्साह और अनिश्चितता इस शो को मजेदार बनाती है।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गांव के पारंपरिक काम उनके लिए नए हैं। उन्होंने बताया, मैंने चूल्हे पर खाना बनाना या गांव के काम सिर्फ टीवी और फिल्मों में देखे हैं। मेरी दादी गर्मियों में गांव में यह सब करती थीं, लेकिन मैंने कभी कोशिश नहीं की।

चूल्हे पर खाना बनाने की बात पर उन्होंने हंसते हुए कहा, चूल्हा जलाने पर धुआं आंखों में बहुत चुभता है। मुझे नहीं पता मैं यह कैसे मैनेज करूंगी!

सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय रहते गृह विभाग को भेजे जिला प्रशासन : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सभी जिला उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि 26 और 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के मद्देनज़र सभी संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की जानकारी समय रहते गृह विभाग को प्रेषित करें ताकि आवश्यकता पड़ने पर संबंधित क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा निलंबित करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके और परीक्षा को पूर्णतः शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न करवाया जा सके।

मुख्यमंत्री आज यहां सीईटी परीक्षा की तैयारियों को लेकर बुलाई गई बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पहली बार इतने बड़े स्तर पर सीईटी परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे में सभी उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक परीक्षा से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियों को समय पर पूर्ण करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी जिलों में प्रश्न पत्र भंडारण स्थल से परीक्षा केंद्र तक उसकी पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी सुनिश्चित की जाए, जिससे परीक्षा की पारदर्शिता एवं सुरक्षा बनी रहे। मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा केंद्रों के आसपास कोई भी असामाजिक तत्व सक्रिय न रहे। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया पर भी सतर्क निगरानी रखी जाए ताकि यदि कोई व्यक्ति परीक्षा से संबंधित किसी प्रकार की अफवाह फैलाने का प्रयास करे तो उसे समय रहते रोका जा सके और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित न हों।

उन्होंने कहा कि सीईटी परीक्षा के दौरान जहां बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जानी है, वहीं आगामी तीज पर्व को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग यह भी सुनिश्चित करे कि आमजन की आवाजाही के लिए भी पर्याप्त बसों की व्यवस्था रहे, जिससे प्रदेशवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे 26 और 27 जुलाई को आयोजित सीईटी परीक्षा के दोनों दिनों में अपनी सुविधा को ध्यान में रखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें ताकि परीक्षार्थियों को निर्बाध यातायात व्यवस्था मिल सके।

उन्होंने कहा कि जिन जिलों से बसों को 100 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचना है, वहां जिला प्रशासन विशेष प्रबंध सुनिश्चित करे। परिवहन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि आकस्मिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बसों को रिज़र्व रखा जाए। साथ ही, डायल-112 सेवा को भी दो दिन के लिए इस व्यवस्था में जोड़ा जाए ताकि किसी आपात स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध हो सके और सभी परीक्षार्थी निर्धारित समय से कम से कम आधा घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंच सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि महिला परीक्षार्थियों के साथ आने वाले अभिभावकों को भी परीक्षा दिवस पर बसों में नि:शुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने बताया कि 26 और 27 जुलाई को आयोजित होने वाली सीईटी परीक्षा के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु राज्य सरकार द्वारा सभी आवश्यक प्रबंध पूरे कर लिए गए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा के दोनों दिनों में किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अवकाश न दिया जाए और सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी अपने मोबाइल फोन चालू स्थिति में रखें ताकि आवश्यकतानुसार त्वरित संपर्क किया जा सके। बैठक में गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए धारा 163 लागू कर सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित दायरें में विभिन्न गतिविधियों पर रोक लगाई जाये। पर्याप्त संख्या में ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए और सभी सेवा प्रदाताओं (सर्विस प्रोवाइडर्स) का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। डॉ. मिश्रा ने यह भी कहा कि पुलिस विभाग द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि परीक्षा के दोनों दिन परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित कोचिंग सेंटर और फोटोस्टेट की दुकानों को बंद रखा जाए। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि बिना वैध पहचान पत्र के कोई भी व्यक्ति परीक्षा केंद्र में प्रवेश न कर सके। इसके अतिरिक्त, महिला परीक्षार्थियों की सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भी की जाए। पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि परीक्षा में पेपर लीक या प्रतिरूपण जैसी किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सभी पुलिस अधीक्षक यह सुनिश्चित करें कि प्राइवेट स्कूलों का स्टाफ परीक्षा दिवस पर स्कूल में प्रवेश न करे। परीक्षा केंद्रों में ड्यूटी पर तैनात किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को मोबाइल फोन या कोई अन्य डिजिटल डिवाइस अंदर ले जाने की अनुमति न दी जाए। परीक्षा केंद्रों के आसपास 500 मीटर के दायरे में सार्वजनिक स्थलों पर भीड़ एकत्रित न होने दी जाए। उ

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को धैर्य से काम लेने की आवश्यकता हैं संयम से काम करने से प्रगति होगी दिन उपलब्धियों वाला रहेगा ।आपकी समझदारी और प्रयास आपको कामयाबी ज़रूर दिलाएंगे। व्यवसाय में मुनाफा होने के योग बन रहे हैं। नई खुशखबरी आपके प्रसन्न रहेंगे। दोस्तों के साथ समय बिता सकतेहैं। छात्रों की दिक्कत दूर होगी। युवाओं को नई जानकारी मिलेगी। कैरियर से जुड़ी समस्या का समाधान होगा। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।आज का डिनर बहुत ही संतुलित लें स्वास्थ्य एकदम तंदरुस्त रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शिवलिंग पर कच्चे दूध से अभिषेक करें आपको ऋण से मुक्ति मिलेगी। मित्रों का सहयोग भी मिलेगा किसी काम को लेकर काफी दिनों से हो रही परेशानी दूर होगी। परिवारिक कार्यक्रम के दौरान के किसी सदस्य के साथ मतभेद होने की संभावना है। बेहतर होगा कि तनाव न लें। धन लाभ होने की संभावना है। कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। कारोबार में लाभ होगा। देर रात घर के किसी सदस्य की एकाएक तबीयत बिगड़ सकती हैं सचेत रहना होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप को अपनी सोच काफी सकारात्मक रखने की आवश्यकता हैं जिससे शुभ संकेत मिलेगें । पुरानी समस्या का समाधान होगा। पैतृक मामलों में तेजी आएगी। आपके प्रेम जीवन में ऊर्जा का संचार होगा । आपका साथी काफी सकारात्मक रवैया अपना सकता है। नई जगह घूमने जा सकते हैं। अविवाहितों के लिए रिश्ते की सूचना मिल सकती है। युवाओं को काम को लेकर दिक्कत होगी। पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ेगी। घर में नए सदस्य का आगमन हो सकता है । व्यर्थ के खर्चे को रोकने जरूरत हैं नही तो समस्याएं बढते रहेगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप अगर नौकरी की तलाश मे हैं तो घर से निलते वक्त बच्चों को कुछ उपहार अथवा पैसे देकर निकले कार्य सिद्ध होगा । किसी भी तरह के मतभेद से दूर रहें। अगर आपको कोई दुखद खबर मिले तो चिंतित होने की आवश्यकता नही हैं शाम होते होते स्थिति सुधर जाएगी । अपने रिश्ते में ग़लतफ़हमी पैदा न होने दें। दफ्तर में सहयोगियों की मदद मिलेगी। किसी भी नया काम को शुरू करने से पहले बुजुर्गों का आशीर्वाद जरूर लें। विरोधी पक्ष आज बेहद सक्रिय रहेगा। आपको नुकसान होने की आशंका है। बोलचाल के दौरान सतर्क रहें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अगर आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने मे कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीतेगा अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगाआज बच्चों के लिए दिन कामयाबी वाला होगा । आप फ्री महसूस करेंगे। कारोबार को लेकर नया प्लान कर सकते हैं। जोखिम वाले कार्य करते समय सावधान रहें। आपकी दिनचर्या में आज सुधार होगा। आप किसी के प्रति अपने मन में विद्वेष न रखें। सामाजिक रूप से आपकी सराहना होगी। नई जिम्मेदारी मिले-गी। शत्रु पक्ष पर आप हावी रहेंगे। धन लाभ होगा। किसी से विवाद न करें। गैरजरूरी कार्यों में खर्च करने से बचें। घर का खाना ही आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहेगा चिकने भोजन से परहेज करें।। बाहर जाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज परिवार की जिम्मेदारी को निभाने मे ही समय व्यतीत होता हुआ नजर आ रहा हैं मित्रों का सहयोग जरूर लेते रहें। आपके कैरियर को नई दिशा मिलेगी। धनलाभ होगा। यात्रा करने करते समय सावधान रहें। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना रहेगी । बोलते हुए सावधान रहें ढ किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशी रहेगी। आज अगर कार्यस्थल पर अवकाश है तो दिन का लाभ उठाए और बच्चों के साथ घूमने का प्लान बनाए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज लक्ष्मी जी को कमल पुष्प अर्पित करें धनकोष मे वृद्धि होगी परिवार की जरूरतों को पूरा कर पाएंगे । रिश्तेदारों से मुलाकात कर सकते हैं। परेशानियों को छोड़ें और अपने साथी के साथ रोमांटिक समय बिताएँ। पुराने निवेश से अच्छा खासा लाभ होने की उम्मीद है। जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। आपकी तबियत ठीक रहेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगी। किसी काम को लेकर आप दिक्कत में आ सकते हैं। अपनी सामर्थ्य अनुसार कुछ दान के रुप मे धन का सदुपयोग करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन ध्यान और आरधना से आरंभ करें जिससे शरीर के अंदर नया उत्साह देखने को मिलेगा। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आप दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे। बुजुर्गों की स्वास्थ्य पर ध्यान दे । आप अपनी नई जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे। अपने आप को साबित करने के लिए आपको ज्यादा मेहनत करनी होगी। आप अपने कौशल से हर किसी को प्रभावित करेंगे। आप को सामाजिक कार्य करने मे रुचि बनेंगे राजनीति क्षेत्र मे पद प्रतिष्ठा बढेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सुबह उठते ही कोई खबर आप को चिंता मे डाल सकती है, हो सकता हैं परिवार मे किसी सदस्य का स्वास्थ्य खराब होवे । आज दिन भर थकान महसूस कर होगी । किसी को निजी बातें न बताए । अनजान लोगों से सावधान रहें है। परिवार के साथ घूमने जाएं, बच्चों से बातचीत करें। सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी। आज किसी रिश्तेदार के यहां जाने का दिन हो सकता हैं नये लोगों से मुलाकात होगी आपको अपने मुंह से अपनी बढाई नही करनी चाहिए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ नया खरिदने का अवसर बन रहा हैं आप के सुख सुविधाओं मे बढोतरी होगी आप को बेहद खुशी होगी । आप अपनी अधिकांश जिम्मेदारियों को पूरा कर सकेंगे। किसी नए काम को लेकर यात्रा कर सकते हैं। कारोबारियों को अपने काम को आगे बढ़ाने के मौके मिलेंगे। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए लोन ले सकते हैं।दफ्तर में किसे से विवाद हो सकता है। आपको शांत रहना होगा। सेहत ठीक रहेगी। बटुक ब्राह्मणों को दूध जलेबी का भोजन कराए ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आज सम्भव हो तो एक सौ आठ बिल्वपत्र से शिव अर्चना करें ।धन लाभ होने की संभावना बनेगी। सेहत को लेकर बेफिक्री रहेगी । जीवनसाथी की मदद मिलेगी। अपनी नौकरी और कैरियर के लिए अधिक प्रयास करेंगे। रिश्तेदारों से किसी बात को लेकर मतभेद होने की संभावना है। आज आप मानसिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे। यात्रा करते समय सतर्क रहें। आज नुकसान होने वाले निवेश से दूर रहे । धन की स्थिति सामान्य रहेगी। निवेश से जुड़े काम न करें। एक्सपर्ट से सलाहमशवरा जरूर करले।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भगवान नारायण का विधिवत पूजन करके दिन का आरंभ करें आज का दिन दिक्कतों का हो सकता हैं । किसी के झगड़े मे जाने से बचें और शांत रहने का प्रयास करें। जीवनसाथी की बीमारी के चलते चिंतित रहेंगे। बच्चे खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने खर्चों की लिमिट तय करें । अपनी पारिवारिक जिम्मेदारी को महत्व देना होगा । संतान पक्ष से मनमुटाव को हो सकता है। आवेश मे आकर मर्यादा का उल्लंघन न करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 23 जुलाई 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 02:31 तक
नक्षत्र : आर्द्रा सायं 05:55 तक
योग : व्याघात दोपहर 02:54 तक
करण : विष्टि दोपहर 03:34 तक
चन्द्र राशि : मिथुन
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , भद्रा दोपहर 03:32 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गोदाम निर्माण मामले में रिश्वतखोरी

नगर निगम गुरुग्राम का जे.ई. गिरफ्तार अदालत में पेश हुआ चालान

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो गुरुग्राम ने भ्रष्टाचार के एक गंभीर मामले में नगर निगम गुरुग्राम के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता संदीप कुमार के विरुद्ध अदालत में चालान पेश किया है। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7, 13(1)(बी) सहपठित 13(2) के तहत गुरुग्राम की विशेष अदालत में मामला दायर किया गया है।

ब्यूरो को मिली शिकायत के अनुसार, संदीप कुमार ने शिकायतकर्ता से उसके गांव दौलताबाद में स्थित गोदाम के अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई न करने के बदले एक लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि संदीप पहले भी उससे 50 हजार रुपये रिश्वत के रूप में ले चुका था। राज्य सतर्कता ब्यूरो ने इस शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए एक योजना के तहत 27 मई 2025 को आरोपी को रिश्वत की पूरी राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब संदीप कुमार शिकायतकर्ता से एक लाख रुपये नकद ले रहा था। उसी दिन आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया।

आयोग की वैबसाइट में गडबड़ी की सजा सीईटी के अभ्यर्थियों को क्यों : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि काफी इंजतार के बाद 26-27 जुलाई को सीईटी की परीक्षा होने जा रही है पर हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की वैबसाइट में गड़बडी के चलते 50 हजार (जैसा दावा किया जा रहा है) अभ्यर्थी एक्रोलेजमेंट फार्म हस्ताक्षर करने के बावजूद अपलोड नहीं कर पाए, अभ्यर्थियो ने इसकी शिकायत भी की पर कोई सुनवाई नहीं हुई और अब इन अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रवेश कार्ड तक नहीं मिल पाए। नियमों का हवाला देते हुए इनकी कोई भी बात सुनने से साफ इंकार दिया। अब इन अभ्यर्थियों ने अदालत जाने का मन बना लिया है। अदालत के हस्तक्षेप से परीक्षा बाधित न हो ऐसे में सरकार और आयोग को इनके साथ न्याय करना चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि काफी लंबे इंजतार के बाद आखिर सीईटी की परीक्षा 26-27 जुलाई को प्रदेश में बनाए गए 1684 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने जा रही है, इस परीक्षा के कुल 13,48,697 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिसमें सीईटी के लिए आवेदन किए जा रहे थे तब भी आयोग की वैबसाइट में गड़बडी हो रही थी, हर जिला से इस प्रकार की शिकायतें आ रही थी और मीडिया इसको लेकर आवाज भी उठा रहा था। जब परीक्षा नजदीक है तो ऐसे में 50 हजार (जैसा कि अभ्यर्थियों द्वारा दावा किया जा रहा है) प्रवेश कार्ड से वंचित रहे गए। अभ्यर्थी ने प्रवेश कार्ड की मांग को लेकर आयोग और सीएम आवास के समक्ष प्रदर्शन भी किया पर नियमों का हवाला देकर उनकी कोई भी बात सुनने से इंकार कर दिया। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि अभ्यर्थियों की शिकायत है कि आयोग की वैबसाइट में तकनीकि खराबी के चलते वे एक्नालेजमेंट फार्म हस्ताक्षर करने के बाद अपलोड नहीं कर पाए। वैबसाइट में गडबड़ी और एक्नालेजमेंट फार्म अपलोड ने होने पर उन्होंने आयोग में अधिकारियों को अवगत करवाया पर किसी ने उनकी कोई बात नहीं सुनी।

अनिल विज का पलटवार : बोले

विपक्ष तिल का ताड़ बनाता है, उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक साधा निशाना

चंडीगढ़, 22 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से लेकर बिहार चुनाव, कावड़ यात्रा और 'ऑपरेशन सिंदूर' तक विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष के सवालों का तीखा जवाब दिया। विज ने विपक्ष पर अनावश्यक विवाद पैदा करने और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिए जाने पर विपक्ष द्वारा सवाल खड़े किए जाने के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर विज ने कहा, जगदीप धनखड़ ने बहुत स्पष्ट बताया है कि वह स्वास्थ्य कारणों की वजह से इस्तीफा दे रहे हैं। मैं उन्हें जानता हूँ; धनखड़ जी बहुत ही स्पष्ट बात करने वाले इंसान हैं, जबकि विपक्ष का तो काम ही तिल का ताड़ बनाने का है।

बिहार चुनाव से पहले एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर, कि गरीब लोगों को वोट के अधिकार से दूर रखा जा रहा है, मंत्री अनिल विज ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी पहले गलत और जाली वोट पड़ने का रोना रोती है, और अब जब चुनाव आयोग सत्यापन कर रहा है, तब भी विपक्ष को तकलीफ है।

धनखड़ के इस्तीफे पर सरकार को तत्काल स्पष्टीकरण देना चाहिए : गहलोत

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के इस्तीफे से सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया, जिसको राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि धनखड़ जी के इस्तीफे पर सरकार को तत्काल स्पष्टीकरण देना चाहिए।

कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि धनखड़ जी ने पूरे देश को चौंका दिया है, आज तक किसी भी उपराष्ट्रपति का इस्तीफा नहीं हुआ है। यह स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दा नहीं लगता, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बनने के बाद अगर स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होती है तो बेहतर चिकित्सा का लाभ मिलता है।

उन्होंने कहा कि जहां तक मैं देख सकता हूं, जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य ठीक प्रतीत होता है। जयपुर में मैंने धनखड़ जी से कहा था कि आप उपराष्ट्रपति और सभापति दोनों पदों को देख रहे हैं, आप दबाव में काम कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं किसी दबाव में काम नहीं कर रहा हूं, मेरा स्वास्थ्य ठीक है। उनके इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य का कारण नहीं हो सकता है, इसकी जानकारी सिर्फ पीएम मोदी और मोहन भागवत को ही है। हाल ही में उन्होंने कहा था कि वह अगस्त 2027 में सेवानिवृत्त होंगे और अचानक इस्तीफा देने की बात सामने आ जाती है।

उन्होंने कहा कि मैं सरकार से मांग करूंगा कि देशवासियों को उलझन में न रखें, वास्तविकता सबके सामने बता दें। इस्तीफे पर सरकार को तत्काल स्पष्टीकरण देना चाहिए। धनखड़ के न्यायपालिका और किसान आंदोलन पर दिए बयान पर गहलोत ने कहा कि किसान हित की बात वह पार्लियामेंट के अंदर और बाहर किया करते थे।

राज्यपाल से उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने की मुलाकात, तीज महोत्सव का दिया आमंत्रण

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मंगलवार को राजभवन पहुंचकर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।इस दौरान राज्यपाल को उन्होंने जयपुर में मनाए जाने वाले तीज महोत्सव का आमंत्रण भी दिया।

मौसमी बीमारियों का हो प्रभावी प्रबंधन, जांच और इलाज के हों माकूल इंतजाम : खींवसर

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को प्रदेश में मौसमी बीमारियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए अधिकारियों को पुख्ता तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अच्छी बारिश के बाद बीमारियों के प्रसार की आशंका बनी रहती है, ऐसे में रोकथाम, बचाव गतिविधियों, जांच और उपचार के माकूल इंतजाम होने चाहिए। मंत्री ने राज्य, संभाग और जिला स्तर पर सघन निगरानी रखने तथा जीवन रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए, चिकित्सा मंत्री ने मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं रोकथाम गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने लापरवाही न बरतने और प्रभावित रोगियों को तत्काल जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने ली संभागीय बैठक

जयपुर, 22 जुलाई (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (स्पेशल इंटेसिव रिविजन, डखठ) एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यो की तैयारियों को लेकर मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में जयपुर संभाग के संभागीय आयुक्त, सभी 7 जिला निर्वाचन अधिकारी एवं समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

नवीन महाजन ने बैठक में राजस्थान में लोकतंत्र की मजबूती और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु निर्वाचन विभाग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण, जनसंपर्क निगरानी और दस्तावेज संकलन की प्रक्रिया को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वयन के लिए जयपुर संभाग के जिला निर्वाचन अधिकारियों को आदेश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की सफलता के लिए निर्वाचन कर्मियों को प्रशिक्षित करना अत्यंत आवश्यक है।

महाजन ने जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए इस बात पर बल दिया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य हर योग्य नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में शामिल करना है। उन्होंने कहा कि बीएलओ को बेसिक ओरियन्टेशन देने की जरूरत है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि बीएलओ के स्तर पर ही जिज्ञासाओं का समाधान हो जाए। उन्होंने नगर निगम में वार्ड लेवल पर हेल्प डेस्क लगाने की जरूरत बताई और कहा कि हेल्प डेस्क पर संजीदा लोगों को लगाया जाए जिससे सामान्य जन को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

चंदन मिश्रा के हत्यारोपियों और पुलिस के बीच मुठभेड़

एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में दो अपराधियों को लगी गोली

पटना (एजेंसियां)। पटना के पारस अस्पताल में चंदन मिश्रा की हत्या मामले में पुलिस ने फिर से बड़ी कार्रवाई की है। आरा के बिहिया इलाके में अपराधी और स्पेशल टास्क फोर्स की टीम के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें पुलिस की गोली लगने दो अपराधी घायल हो गए हैं। पुलिस ने इन दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि चंदन मिश्रा हत्याकांड के आरोपियों को गिरफ्तार के ने लिए पुलिस टीम गई थी। बिहिया-कटेया पथ पर नदी के पास अपराधियों ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें दो अपराधियों को गोली लगी है। वहीं इस कार्रवाई में पुलिस ने अभिषेक कुमार नामक तीसरे अभियुक्त को भी गिरफ्तार किया है। अभिषेक से पूछताछ में खुलासा हुआ है

कि वह पटना के पारस अस्पताल में हुई हत्या की घटना में अन्य अपराधियों के साथ शामिल था।

जानकारी के अनुसार, पुलिस की गोली में बक्सर के लीलाधरपुर परसियानिवासी बलवंत कुमार सिंह (22) को हाथ-पैर और भोजपुर के बिहिया के चकरही गांव निवासी रवि रंजन कुमार सिंह को जांघ में गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती करवाया है। दोनों का इलाज चल रहा है। अस्पताल के अंदर और बाहर कड़ी सुरक्षा है। इधर, पुलिस टीम को इनके पास से दो पिस्टल, एक कट्टा, मैगजीन भी बरामद हुए हैं। पुलिसिया पूछताछ में दोनों अपराधियों ने चंदन मिश्रा हत्याकांड में शामिल होने की बात भी स्वीकार की।

बता दें कि पटना पुलिस की टीम ने सोमवार को ही चंदन मिश्र हत्याकांड के मुख्य आरोपी तौसीफ उर्फ बादशाह, नीशू खान, भीम और हर्ष को कोलकाता से पटना लाया था। पुलिस ने चारों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तौसीफ के लिए 72 घंटे की रिमांड भी दे दी। वहीं नीशू समेत तीनों को जेल भेज दिया गया। इधर, पुलिसिया पूछताछ में तौसीफ ने अपना जुर्म कबूल किया और कहा कि बंगाल के पुरुलिया जेल में शेरू सिंह के इशारे पर ही चंदन मिश्रा की हत्या की गई।

मिनी टिपर-कार की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विटला के निकट वीरकांबा गाँव में केलिंजा जंक्शन के पास एक दुखद सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक कार चालक की मौत हो गई और उसकी बहन व एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतक की पहचान अनंतडी के अश्वत्थडी निवासी अनीश अनंतडी (34) के रूप में हुई है। यह दुर्घटना सोमवार को उस समय हुई जब कल्लडका से विट्टल की ओर जा रही एक ऑल्टो कार को विपरीत दिशा से आ रहे एक मिनी टिपर ने सीधी टक्कर मार दी। कार में सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और स्थानीय निवासियों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाया। हालाँकि, गंभीर रूप से घायल अनीश ने देर रात मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में दम तोड़ दिया। पता चला है कि अनीश की दो महीने पहले ही शादी हुई थी और वह अपने परिवार के सदस्यों को विट्ठल छोड़ने जा रहा था, तभी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी। विट्ठल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जाँच जारी है।

प्रभु महावीर ने अपने अंत समय में बहुत मूल्यवान खजाना दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। यलहंका में विराजित पूज्य गुरुदेव श्री ज्ञान मुनि जी ने फरमाया प्रभु महावीर ने अपने अंत समय में बहुत मूल्यवान खजाना दिया, जिसे साधु संत आज उत्तराध्ययन सूत्र के नाम से हमें सुनाते हैं। जोधपुर नागौरी गेट के मुथाजी मन्दिर के लक्ष्मीचंद मुथा जिनका राजा के दरबार में प्रमुख स्थान था, ने रात्रि भोजन का संपूर्ण त्याग किया था। इतने उच्च स्थान पर नियुक्त होने पर भी धर्म में उनकी अपूर्व रुचि को गुरुदेव ने याद किया और फरमाया था कि सब की दौड़ भोजन के लिए होती हैं, लेकिन भोजन अपने आप मुथा के पास किसी भी प्रकार से विकाल के पूर्व ही आ जाता था। गुरु की महिमा का गुणगान हुआ, उनके आदर सत्कार से भव सुधर जाते हैं और मृत्यु भी सवर जाती हैं। श्री सागरमलजी की पुण्यतिथि पर उनको श्रद्धांजलि दी गई। एक हादसे में उनके बचपन के मित्र की मृत्यु हो गई थी और उस हादसे के बाद उन्हें वैराग्य आया और सत्ताईस वर्ष की उम्र में संयम स्वीकार कर लिया। श्री सागरमल जी विचरण करते-करते अपने जन्म स्थान किशनगढ़ गए और वहां पर आपकी तबीयत खराब हो गई और आपने अपनी स्व इच्छा से संथारा अंगीकार किया। 59 दिन के संथारे के बाद देवलोकगमन हुआ। पूज्य गुरुदेव लोकेश मुनिजी ने आज भी उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन करते हुए प्रमाद और आलस्य के विषयों का उल्लेख किया। सभा में सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। संचालन करते हुए अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने बताया कि बुधवार को उपाध्याय केवल मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

आईजीपी ने वीआईपी मूवमेंट के दौरान सायरन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से, कर्नाटक के पुलिस महानिदेशक एवं महानिरीक्षक डॉ. एम ए सलीम ने सभी इकाई प्रमुखों को एक निर्देश जारी किया है, जिसमें उन्हें वीआईपी गतिविधियों के दौरान सायरन के उपयोग को सीमित करने का निर्देश दिया गया है। आदेश में इस बात पर जोर दिया गया है कि सायरन के अनावश्यक उपयोग से न केवल जनता को असुविधा होती है और ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि अनधिकृत व्यक्तियों को अपना मार्ग बताकर गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा को भी खतरा हो सकता है। सार्वजनिक सड़कों पर अचानक सायरन का उपयोग अन्य वाहन चालकों को भ्रमित कर सकता है, जिससे एस्कॉर्ट और काफिले के वाहनों में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। निर्देश में कहा गया है कि वीआईपी यात्रा के दौरान वायरलेस सिस्टम जैसे आपातकालीन संचार उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जाना चाहिए, क्योंकि ये वाहनों की गतिविधियों के समन्वय के लिए एक अधिक अनुशासित और सुरक्षित विकल्प प्रदान करते हैं। इसमें आगे स्पष्ट किया गया है कि सायरन का उपयोग केवल आपातकालीन सेवा वाहनों जैसे एम्बुलेंस, पुलिस वाहन और दमकल गाड़ियों द्वारा ही किया जाना चाहिए, और वह भी केवल अपरिहार्य आपातकालीन स्थितियों में। सभी इकाई प्रमुखों को निर्देश दिया गया है कि वे निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें तथा अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अधिकारियों और कार्मिकों को आवश्यक निर्देश जारी करें।

मंदिर में हंगामा करने के आरोप में भीड़ ने मानसिक विक्षिप्त युवक को बुरी तरह से पीटा, पुलिस रही नदारद

समस्तीपुर (एजेंसियां)। समस्तीपुर शहर के बीचोंबीच स्थित प्रसिद्ध थानेश्वर स्थान मंदिर में सोमवार को भीड़तंत्र की शर्मनाक और अमानवीय तस्वीर सामने आई।

मानसिक रूप से विक्षिप्त एक युवक को भीड़ ने मंदिर परिसर में हंगामा करने के आरोप में रस्सी से बांध दिया और मंदिर के बाहर घसीटते हुए बेरहमी से पीटा। यह पूरी घटना नगर थाना से महज कुछ ही कदम की दूरी पर हुई, लेकिन पुलिस घंटों तक नदारद रही।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दर्जनों लोग युवक को घेरकर लात-घूंसे और थप्पड़ों से मारते हुए देखे जा सकते हैं।

बताया गया कि युवक का नाम मनीष कुमार है, जो बेगूसराय जिले के मंसूरचक गांव का निवासी है और मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है।

मंदिर के पुजारी के अनुसार, युवक मंदिर में घुसकर चिल्ला रहा था और कुछ तोड़फोड़ की आशंका भी जताई गई। इससे श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी मच गई।

पहले उसे एक बार मंदिर से बाहर किया गया, लेकिन दोबारा वह मंदिर में दाखिल हो गया, जिसके बाद कुछ लोगों ने उसे रस्सी से बांधकर बाहर खींचा और फिर बेरहमी से पीटने लगे।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पूरा घटनाक्रम करीब आधे घंटे तक चलता रहा, लेकिन मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित नगर थाना की पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। बाद में किसी ने थाने को सूचना दी, तब जाकर पुलिस पहुंची और युवक को अपने कब्जे में लिया। बाद में परिजनों के पहुंचने पर युवक को उन्हें सौंप दिया गया।

मामले को लेकर समस्तीपुर के सदर डीएसपी संजय कुमार पांडेय ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर नगर थानाध्यक्ष को जांच का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा, 'जो भी विधिसम्मत कार्रवाई होगी, वह की जाएगी। युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार की मौत के लिए लॉरी चालक को 6 महीने की जेल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु की तृतीय जेएमएफसी अदालत ने एक मछली कंटेनर लॉरी चालक को घातक सड़क दुर्घटना का दोषी पाते हुए छह महीने की जेल और 9,500 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। न्यायाधीश सुरेश ने यह फैसला सुनाया। दोषी चालक, मोहम्मद जाफर साब (32), उत्तर कन्नड़ जिले के बैलखुंड स्थित अबुजर कॉलोनी का रहने वाला है। यह दुर्घटना 28 सितंबर, 2021 को मेंगलूरु में नंथूर सर्कल और पंपवेल के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर हुई। मछलियों से लदी कंटेनर लॉरी, एक अन्य वाहन को ओवरटेक करते समय, एक दोपहिया वाहन से टकरा गई। पीछे बैठे मानस रामनाथ उगले (23) लॉरी के पिछले पहियों की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में कादरी ट्रैफिक ईस्ट पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। यातायात थाने के निरीक्षक गोपालकृष्ण भट्ट ने अदालत में आरोप पत्र दाखिल करते हुए कहा कि दुर्घटना चालक की तेज और लापरवाही से गाड़ी चलाने का नतीजा थी। सरकारी वकील गीता राय ने गवाहों से पूछताछ की और दोषसिद्धि के लिए तर्क प्रस्तुत किए।

तस्कर को पकड़ने जा रही उत्पाद विभाग की गाड़ी अनियंत्रित होकर पलटी, एसआई सहित चार घायल

पटना (एजेंसियां)। कैमूर जिले के दुर्गावती थाना क्षेत्र के महमूदगंज के पास मंगलवार की सुबह 4:00 बजे उत्पाद विभाग की तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में स्कॉर्पियो में सवार एसआई सहित कुल चार लोग घायल हो गए।

स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गावती पहुंचाया और पुलिस को जानकारी दी गई। प्राथमिक उपचार होने के बाद तीन लोगों को बेहतर उपचार के लिए अनुमंडल अस्पताल मोहनिया लाया गया। वहां चिकित्सक द्वारा एसआई और दो सिपाही को ज्यादा चोट लगे

होने के कारण एक सिपाही रवीश कुमार को बनारस रेफर कर दिया गया और दो लोगों को हड्डी टूटने के कारण सदर अस्पताल भभुआ रेफर कर दिया गया। घायलों में एसआई ओम प्रकाश शाह सिपाही देवेंद्र यादव और रवीश कुमार सिंह शामिल हैं।

अनुमंडल अस्पताल मोहनिया के चिकित्सक डॉक्टर विंध्याचल सिंह ने बताया अनुमंडल अस्पताल मोहनिया में तीन लोग को उत्पाद विभाग के द्वारा घायल अवस्था में लाया गया था। जिसमें रवीश कुमार को कान से ब्लड निकल रहा था। उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया है। देवेंद्र यादव की हड्डी टूटी हुई थी और ओम प्रकाश शाह अनकंफर्टेबल महसूस कर रहे थे इन दोनों लोगों को सदर अस्पताल भभुआ रेफर किया गया है। उनके द्वारा बताया गया कि यह किसी अपराधी का पीछा कर रहे थे, उस समय घटना घटी है।

अनुमंडल अस्पताल मोहनिया में लगभग 5:45 बजे इन लोगों को लाया गया था। उत्पाद अधीक्षक गौतम कुमार ने बताया ओम प्रकाश शाह एसआई के नेतृत्व में शराब की सूचना पर उत्पाद विभाग की टीम जा रही थी। गाड़ी अनियंत्रित हो जाने से पलट गई है, जिसमें एसआई ओम प्रकाश शाह दो सिपाही और एक चालक कुल चार लोग घायल हुए हैं। सभी का प्राथमिक उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गावती में कराया गया। फिर अनुमंडल अस्पताल मोहनिया इलाज के लिए लाया गया है। फिलहाल सभी की स्थिति खतरे से बाहर है।

अब्दुल रहमान हत्याकांड में एक और गिरफ्तार, कुल गिरफ्तारियां 11 हुईं

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल ग्रामीण थाना क्षेत्र के कोलातमजालु में हुई अब्दुल रहमान की नृशंस हत्या और कलंदर शफी की हत्या के प्रयास के सिलसिले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अम्मुनजे गाँव निवासी शाहिथ (24) के रूप में हुई है। उसकी गिरफ्तारी के साथ, इस मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपियों की कुल संख्या 11 हो गई है। शाहिथ को अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उसे आगे की जाँच के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। 27 मई को, अब्दुल रहमान की उसके परिचितों के एक

समूह ने घातक हथियारों से हत्या कर दी थी। उस समय उसके साथ मौजूद उसका दोस्त कलंदर शफी इस हमले में गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए थे।

गंगा और महानंदा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण स्कूल पर मंडराया खतरा

पूर्णिया (एजेंसियां)। कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय झब्बू टोला पर गंगा और महानंदा नदी के बढ़ते जलस्तर के कारण खतरा गहरा गया है। यह विद्यालय पहले से ही कटाव और बाढ़ की चपेट में है। दो वर्ष पूर्व स्कूल का एक हिस्सा गंगा में समा गया था, इसके बावजूद विद्यालय में अब तक 565 से अधिक छात्र-छात्राएं नियमित रूप से पढ़ाई कर रहे थे। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने कई बार प्रशासन को चेताया था कि विद्यालय पर खतरा मंडरा रहा है और किसी भी समय अनहोनी हो सकती है।

दोस्त को बताया गद्दार, फिर वीडियो बनाकर युवक ने की आत्महत्या

पटना (एजेंसियां)। मेहंदीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरतुजीगंज निवासी एक युवक ने अपने दोस्त को 'गद्दार' ठहराते हुए वीडियो बनाया और उसके बाद ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 35 वर्षीय ओम महतो, पिता रामा मेहता के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव को रेलवे ट्रैक से उठाकर घर ले आए। इसके बाद मेहंदीगंज थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेज दिया। बताया जाता है कि ओम महतो ने आत्महत्या से पहले एक वीडियो बनाया, जिसमें उसने अपने एक दोस्त को गद्दार करार दिया है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, हालांकि पुलिस ने फिलहाल वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं की है।

मेहंदीगंज थाना के अपर थानाध्यक्ष रतेश कुमार रत्न ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला ट्रेन से कटने का प्रतीत होता है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। लिखित आवेदन मिलने पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

छपरा में दर्दनाक सड़क हादसा, दो कांवड़ यात्रियों की मौत

छपरा (एजेंसियां)। सारण जिले में सावन माह की पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कांवड़ यात्रियों की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार की देर रात रिविलगंज थाना क्षेत्र के एनएच-19 पर हुआ। मृतकों की पहचान जनता बाजार थाना क्षेत्र के दयालपुर गांव निवासी दीपक कुमार साह और दीपक कुमार मांझी के रूप में हुई है। दोनों आपस में गहरे दोस्त थे और एक साथ बिहार पुलिस की तैयारी कर रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सावन के पवित्र अवसर पर श्रद्धालुओं का जत्था सेमरिया घाट स्थित सरयू नदी से जल लेकर जनता बाजार स्थित बाबा ढोढनाथ मंदिर जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ था। इसी दौरान रास्ते में सामने से आ रहे एक ट्रक को देखकर उनकी वाहन असंतुलित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक अन्य ट्रक से टकरा गई।

हादसे में दीपक कुमार साह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दीपक कुमार मांझी को आनन-फानन में छपरा सदर अस्पताल लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें पटना पीएमसीएच रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

घटना की पुष्टि करते हुए मृतक दीपक साह के भतीजे अंटू कुमार ने बताया कि हादसा रात के समय हुआ जब कांवड़ियों का समूह ट्रक की तेज रोशनी और गति से घबरा गया।

इसी दौरान नियंत्रण खोने से उनकी गाड़ी पहले से खड़े ट्रक से टकरा गई। घटना की सूचना पर रिविलगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। एक साथ दो युवाओं की असमय मौत से दयालपुर गांव और जनता बाजार क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। दोनों की दोस्ती इतनी गहरी थी कि साथ रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करते थे और साथ ही बाबा भोलेनाथ की भक्ति में डूबे थे। अब दोनों की अर्थी भी एक साथ उठी, जिससे गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं।

वहीं, इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सावन के इस पावन महीने में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होती है, लेकिन सड़कों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते, जिससे ऐसे हादसे होते हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटनास्थल से जुड़े सीसीटीवी फुटेज आदि खंगाले जा रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com